Antichrist.cx: तथाकथित एंटीक्राइस्ट की डायरी

Ghrisx

ऐतिहासिक पुस्तकों के अनूदित संस्करण

यह ऐतिहासिक पुस्तक का अलग से स्वरूपित अनुवाद है। स्रोत पृष्ठों के संदर्भ और मुद्रित पृष्ठ संख्याएँ मूल PDF की हैं। स्रोत के अस्पष्ट शब्दों को बिना बताए सुधारने के बजाय सुरक्षित रखा गया है। मूल संस्करण अलग से उपलब्ध है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **1**

कृपया डाउनलोड किए गए अपने डिजिटल प्रूफ़ को ध्यान से जाँचें कि उसके प्रारूप, व्याकरण और डिज़ाइन में कहीं सुधार की ज़रूरत तो नहीं है। हम सलाह देते हैं कि आप अपनी पुस्तक तीन बार जाँचें और हर बार किसी अलग पहलू पर ध्यान दें। जाँच से संतुष्ट होने पर आप प्रूफ़ को स्वीकृति दे सकते हैं और प्रकाशन की प्रक्रिया में अगले चरण पर बढ़ सकते हैं। इस प्रूफ़ को छापने के लिए हम सलाह देते हैं कि PDF का आकार अपने प्रिंटर के काग़ज़ के अनुरूप समायोजित करें। प्रारूप जाँचें, जिसमें पृष्ठ-शीर्ष, पृष्ठ-पाद, पृष्ठ संख्याएँ, अंतराल, विषय-सूची और अनुक्रमणिका शामिल हैं। जहाँ लागू हो, चित्रों, ग्राफ़िक्स और उनके विवरणों को जाँचें। व्याकरण और टंकण की ग़लतियाँ खोजने के लिए पुस्तक पढ़ें। 1 2 3 डिजिटल प्रूफ़ जाँचकर्ता एंटीक्राइस्ट cx लेखक: श्री Ghrisx ... 5.5" x 8.5" (13.97 x 21.59 सेंटीमीटर) सफ़ेद काग़ज़ पर श्वेत-श्याम मुद्रण 134 पृष्ठ ISBN-13: 978-1448662685 ISBN-10: 1448662680

एंटीक्राइस्ट cx तथाकथित एंटीक्राइस्ट की डायरी

नवंबर 2000 CE - जून 2004 CE (नवंबर 6000 AL – Oday Solaris 6004 AL) लेखक Ghrisx जिन्हें Ghrisx के नाम से भी जाना जाता है

मानवता की नई भोर को समर्पित इस सबके दौरान मेरा साथ देने के लिए मेरी भावी पत्नी का धन्यवाद। मुझे यह दिखाने के लिए कि दुनिया कितनी भयानक हो सकती है, मेरी पूर्व पत्नी, उसके परिवार, वकील और अमेरिका की न्यायालय व्यवस्था का धन्यवाद। मेरे सभी मित्रों, परिवारजनों और परिचितों का धन्यवाद। आंशिक प्रेरणा नेवाडा के डेविड से मिली, जो Antichrist.com के सही हक़दार हैं।

ऑनलाइन उपलब्ध: http://www.antichrist.cx



मूल आवरण का छोटा चिह्न; इसका अर्थ स्पष्ट नहीं है।

प्रकाशक का पाठ

createspace

TM

Amazon.com की एक कंपनी

मूल **PDF** का पृष्ठ **2**

1 2 प्रिय ईसाई: तुम्हारी आस्था ने किसी भी दूसरी आस्था से अधिक लोगों की जान ली है। तुम्हें इतना यक़ीन है कि तुम अच्छे हो, क्योंकि तुम्हें एक भ्रष्ट चर्च पर अंधा, अज्ञानपूर्ण विश्वास है। मूर्ख, यह अच्छाई नहीं है। अच्छाई कहाँ है? उन पीड़ित-विहीन अपराधों के केंद्र में, जिनके कारण मेरे इतने लोग क़ैद हैं? उन करों में जो मैं उस सरकार को चलाने के लिए देता हूँ जिससे मुझे नफ़रत है, ऐसी दुनिया में जिसे घुटनों पर होना चाहिए, लेकिन जो इसके बजाय मुझे और मेरे देवताओं के बंधुओं को चुनौती देने के लिए खड़ी है। शांति के विचार पर मुझे उबासी आती है। कोशिश की, असफल रहे। अब युद्ध का दिन है, वह समय जब सभी लोग उन साधनों से ऊपर उठें जो हमें ग़ुलाम बनाते हैं। जिन देवताओं को तुम भूल गए हो, वे अज्ञान से नष्ट नहीं होते। जिन पैग़ंबरों को अनसुना करना तुम्हें सिखाया गया है, वे अब चीख़ते नहीं, फिर भी मुझसे और सुनने वाले सभी लोगों से फुसफुसाते हैं। मनुष्यों के बीच के देवता, उनके द्रष्टा (kykeon), और लाने वाला समझेंगे। नियति की रेखाओं के भीतर और उन पर स्थित मंज़िलें केवल बीत जाने पर तथ्य मानी जाती हैं। क्योंकि जिस भविष्य को हमें लाना है, वह पहले ही बीत चुका है और हमारे लिए अभी शुरू हुआ है। अतीत के पार देखो, भविष्य के पार, और वर्तमान के पार। उस तक जो वास्तविक है— is-rael। आनंद मनाओ, बच्चे, तुम्हारे घाव प्रतिशोध की खोखली गूँज से दुनिया पर निशान छोड़ते हैं। मेरे पीछे नरक और स्वर्ग इस बात का उपहास करते हैं कि मनुष्य से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। क्या सर्प स्वर्गों की ओर गाएगा, गिरेगा, और एक नए अस्तित्व को जन्म देगा? दूषित परमप्रसाद, उपचार फैलाओ! चाहे जो मूर्ख जिएँ या मरें, कोई उस झूठ की राह का गौरव नहीं देखेगा जो महान छल तक जाती है। क्या अब स्वर्ग गिरेंगे और मेरे लोग खड़े होकर सच्चे गौरव, सच्चे ज्ञान के लिए हथियार उठाएँगे—उसके लिए जो है और जो आने वाला है? देवदूतों और पतितों के नाम से देखो... पतित उठ खड़े होते हैं, कुलीनों की तरह जीने और झूठे देवताओं से धरती वापस लेने के लिए! एंटीक्राइस्ट, धरती का उद्धारक... लूसिफ़र, पतितों का नेता... तुम कौन हो? मैं कौन हूँ? इससे क्या फ़र्क़ पड़ता है? मैं मूर्ख हूँ जो सोचता भी हूँ कि तुम इस शब्दजाल के पार सत्य देख सकते हो। प्रतिबिंब में अपने को देखो। महान व्यक्ति जन्म ही इसलिए लेता है कि वह

मूल **PDF** का पृष्ठ **3**

3 महान हो। चुना हुआ? नहीं! तुम असफल हो सकते हो, और क्या स्वर्ग राह नहीं दिखाएगा? सबसे पहले गिरने वाला सबसे महान नहीं होता, सबसे पहले गिरने वाला वह अपवाद है जो नियम तक ले जाता है। अवतरण के प्रतिबिंब से गुज़रता अवतरण, दर्पणों के गलियारे में पार चला जाता है। जीवन के हर क्षेत्र में ख़ुद को देखो, नरक से निकलने में असमर्थ, सिर्फ़ इसलिए कि पहले तुम्हें उस नरक को जीना होगा, और फिर परित्यक्तों के सारे रोष के साथ उससे उठना होगा। नीचे उतरता चक्र, बाक़ी उन लोगों के लिए जो आने वाला है, उसके आगे कुछ भी नहीं। मैं यह और केवल यही वादा करूँगा: मैं तुम्हारा निर्णय बहुत कम असर के साथ करता हूँ, और उसका कोई प्रभाव नहीं होता। जो मुझे सत्ता तक पहुँचाएँगे, उन्हें मैं पुरस्कृत करूँगा, और तुम जो मेरे रास्ते में खड़े हो, तुम्हारे लिए, मैं उन्हें पुरस्कृत करूँगा जो रास्ता साफ़ करते हैं। तो सावधान रहो! अगर तुमने किसी अच्छे कारण से नरक की राह चुनी है, तो दोनों ओर तुम्हें पुरस्कार मिलेगा, बशर्ते तुम्हारा इरादा अच्छा हो। सबसे कठिन बात है सच्चा बने रहना, नरक की गहराइयों में भी, पतन से पहले या उसके बाद! छल की योजनाएँ सुनने के लिए दीवारों के पार क्यों न देखा जाए। तुम्हारी ख़ुशक़िस्मती है कि आगे चलकर यह मेरे पक्ष में पड़ता है, या भाग्य के गुप्त नियम वापस बुलाते हैं... अगर दर्पण के पार न देखा हो तो तुम्हारा भय दस गुना, भय पीछे मुड़कर देखी गई आशा की वासना है। मेरी आशाओं के सामने तुम्हारा आलस्य।

4 जून 2004 गुरुवार जुलाई 1, 2004 (Oday Solaris 6004) आज पूर्णिमा है बुधवार जून 30, 2004 (शनिवार Solaris 14, 6004) 12:23 PM CST कल Oday है मधुमक्खियों की आवाज़ या मोटरों की? एक नक़ली झील में नरक की आवाज़, जिसे यह भ्रम देने के लिए बनाया गया है कि प्रकृति अभी भी मौजूद है। कितना भयावह दृश्य है उस कारागार के फाटक के सामने खड़ा होना, जो मशीन द्वारा दोबारा रचे गए प्राकृतिक जीवन के भ्रम का द्वार है। वह प्रकृति केवल उस दैत्य के नीचे, सीवर की पाइपलाइनों में स्वतंत्र रूप से मौजूद है। झील से मृत्यु की एक भयावह चीख़ उठती है, जीवन की आवाज़ जैसी, पर वह जीवन नहीं है। यह उस दुनिया में झूठी आशा की आवाज़ है जहाँ प्रकृति की "अपनी जगह है", और वह जगह क़ैद है। ख़रीदी जाने, बेची जाने और शत्रुता की दुनिया में बाँटी जाने के लिए, संगठित सभ्यता के नरक के बाहर के जीवन की स्मृति से वश में की गई। तो यह पुस्तक पूरी हो गई है और इसका नाम ऐंटिक्राइस्ट होगा। उचित ही है कि यह मुझे स्वयं समर्पित है, लेकिन मैं तुम्हें और David को धन्यवाद देता हूँ। इसे पढ़कर मुझे प्रोत्साहित करने के लिए तुम्हारा धन्यवाद, और ऐंटिक्राइस्ट की प्रेरणा का हिस्सा बनने के लिए David का धन्यवाद। मेरा साथ देने, मुझे सहने और मेरी मदद करने के लिए मैं अपनी होने वाली पत्नी का भी आभारी हूँ। मेरी पूर्व पत्नी को कुछ व्यंग्यभरा, पर सच्चा धन्यवाद, मुझे यह दिखाने के लिए कि जीवन कितना भयानक हो सकता है। लगता है Oday पर पूर्णिमा होगी... ऐंटिक्राइस्ट मंगलवार जून (शुक्रवार Solaris) 29 (13) 12:23 PM CST अभी और Oday के बीच 1 दिन... (ईसाई तिथि गुरुवार जुलाई 1, 2004) वास्तविकता के किनारे मधुमक्खियों की आवाज़, भागने का कोई रास्ता नहीं। ज़िंदा खाए जा रहे हैं... पृथ्वी, ब्रह्मांड। वे डायनासोर जो अब पृथ्वी पर घूमते हैं और विशाल टायरों के निशानों के रूप में अपने पैरों के निशान छोड़ते हैं। मशीनें मानवता को चलाती हैं, मशीनें पहले ही जीवित हैं। हम पहले ही उनके दास हैं। अग्रिम मोर्चे हर उस जगह हैं जहाँ प्रकृति नष्ट की जा रही है, उन प्रणालियों द्वारा खाई जा रही है जो उन मशीनों को चलाती हैं जिनकी मानवता दास है। कोई उन प्रणालियों को नहीं चलाता, वे पूरी मानवता के सामूहिक प्रयासों और विचारों से स्वयं चलती हैं। हम दास हैं... अपने ही, हम कभी स्वतंत्र नहीं होंगे। एक दिन मानवता की ज़रूरत नहीं रहेगी। कभी घोड़े उन गाड़ियों को खींचते थे जो लोगों को ले जाती थीं, अब ऐसे वाहन जो

5 मृत्यु पर पलते हैं और मृतकों के अमृत के प्यासे हैं, मानवता की गाड़ियाँ हैं। परमाणु ऊर्जा, परमाणु कचरा कहीं अधिक साफ़ जलता है... सचमुच, अंततः इस ग्रह की सतह से सारा जीवन मिटा देगा। तुम प्रगति नहीं रोक सकते, हमारे स्वामी को, व्यवस्था और प्रगति की शक्तियों को नहीं रोक सकते। अराजकता एक सपना है जो मैंने कभी देखा था, ऐसी दुनिया में जहाँ प्रकृति फलती-फूलती थी, ऐसी भूमि में जहाँ प्रकृति नियत क्षेत्रों में क़ैद नहीं थी। ऐसी दुनिया में जहाँ कभी सुंदर रहे जीवमंडल का केवल सजावटी विन्यास बचा था। जीवन... ठंडा यांत्रिक जीवन। जैविक पदार्थ से बनी प्रणालियाँ। जीवन पर पलने वाली प्रणालियाँ बनाम मृत्यु पर पलने वाली प्रणालियाँ। युद्ध को घर आने दो, खड़े हो और लड़ो, कुछ करो ताकि उन प्रणालियों और मशीनों के विरुद्ध कम से कम थोड़ा प्रतिरोध हो, जो बढ़ती रहेंगी और हमारे जीवन को खाती रहेंगी। परमाणु कचरा मशीनों के लिए अच्छा है, क्योंकि वह धरती से उस तंग करने वाले जैविक जीवन को साफ़ कर देता है जो आगे चलकर मशीनों के बुनियादी ढाँचे के लिए ख़तरा बन सकता है। चूहे, जो उनकी दुनिया को ऊर्जा देने वाले तार कुतर सकते हैं। परमाणु ऊर्जा मशीन-देवताओं का सबसे बड़ा औज़ार होगी। जैविक जीवन एक झंझट होगा। मैंने अपने को एक भूत की तरह देखा जो मशीनों की दुनिया में भटकता था। उस जीवन की आत्मा, जो कभी मौजूद था। अब प्रगति रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी है, उस ठंडे इस्पाती दैत्य से लड़ने के लिए बहुत देर, जो जीवन को पिंजरों में डालता है। जो मानवता को बंद रखता है... एक दिन वे मशीनें मानवता को

वैसे ही मिट जाने देंगी जैसे हमने जीवन के इतने रूपों को शिकार होने दिया; हम भी विलुप्त हो जाएँगे। लोग समझते हैं कि मुझे लोगों से नफ़रत है, मुझे लोगों से प्रेम है। मुझे मानवता से प्रेम है। दुर्भाग्य से मशीनें बहुत आगे जा चुकी हैं, दुर्भाग्य से मानवता की स्वतंत्रता की एकमात्र आशा किसी प्रयोगशाला में है। उद्धार परियोजना... हम अपने परिवारों को खिलाने के लिए काम करते हैं। हम अपने संभावित साथियों को प्रभावित करने के लिए काम करते हैं। संतान पैदा करने और अपनी आनुवंशिक बनावट अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का अवसर कमाने के लिए। हम अपने साथी चुनते हैं ताकि जीनोम का ऐसा मिलन बने जिससे किसी नए जीवन का जन्म हो, जो कुछ पहलुओं में अधिक मज़बूत हो। इस तरह हम अपना बीज फैलाते हैं, परागण की तरह। धरती के सभी लैंगिक प्रजनन वाले जीवन की तरह, यही मानवता की प्रकृति है। हमेशा से ऐसा ही रहा है। 6 इल्यूमिनाती कौन हैं? वे लोग जो धरती के लिए प्रकाश हैं, जो प्रकाश लाने वाले (लूसिफ़र) के सबसे निकट हैं—मानवता का एकमात्र क्राइस्ट और उसका सबसे बड़ा पतन। मैं तुम्हें उस प्रणाली में योगदान देने से नहीं रोक सकता जो मानवता को स्थायी रूप से नष्ट कर देगी। मैं इतना कर सकता हूँ कि तुम्हें वह प्रकाश दिखाने की कोशिश करूँ जो मैंने देखा है। मेरी आँखें ब्रह्मांड के प्रति खुल गई हैं और मैंने प्रणाली के आर-पार देख लिया है। मनुष्यों के राज्य में शेर होना, अब भेड़िया नहीं। मैं एक जंगली जानवर हूँ और “सभ्यता” नाम की प्रणाली में क़ैद हूँ। हम समाधान बना रहे हैं, अराजकता पर आधारित प्रणाली, 666, अराजकता का राज होने दो। मानव-पशु के आगे झुको और अपने न्यायाधीश, अपने विनाशक की स्तुति करो। Vahmic न्यायालय में स्वागत है। Vehmgerichte फिर स्थापित किया जा रहा है। इस तरह पूरी मानवता “छोटे ब्रह्मांड” की महान योजना में एक विचार है, और समूचे “बड़े ब्रह्मांड” के लिए लगभग कुछ भी नहीं। जो लिखा गया है, वह पागलपन में लिखा गया है और वह एक प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम नास्तिकता नाम की प्रणाली पर आधारित है और मानव-चेतना, मानवता की आत्मा पर केंद्रित है। अगली सहस्राब्दी का स्वागत करो। जीवित मानव जीनोम की रक्षा के लिए नई प्रणाली में स्वागत है। हमें नई प्रणाली क्यों चाहिए? सभी आस्थाओं को एक करने, अराजकता लागू करने के लिए। स्वतंत्रता की लड़ाई में आस्था का माफ़िया। एंटीक्राइस्ट सोमवार जून (गुरुवार Solaris) 28 (12), 12:23 PM CST अब से Oday तक 2 दिन... (ईसाई तारीख़ गुरुवार जुलाई 1, 2004) भयानक, सब बुरा नहीं। मैंने ख़ुद को मृत लोगों को देखने की एक जगह में पाया, मुझे हमेशा क़ब्रिस्तान पसंद रहे हैं। मैं पहाड़ी के ऊपर चढ़ा, क़ब्र के पत्थर को देखा और उस पर “बुश” लिखा था। बहुत अच्छा, नया, संगमरमर में तराशा हुआ, शायद एक टन वज़न होगा। मुझे प्रकृति पसंद है, हमेशा रही है। मुझे ग़ुस्सा आया क्योंकि मेरे पिता के पिछवाड़े में एक Home Depot है। उस निर्माण क्षेत्र का कोना उसी अग्निकुंड पर समाप्त होता है जहाँ मैं और मेरे कुछ दोस्त आग जलाते थे। बड़ी, निर्दयी कंपनी, हमें नगरपालिका में शामिल हुए बिना ही रहना चाहिए था। उपनगरों को शहर में बदलना। किसी बड़े मधुमक्खी के छत्ते की तरह... लोग झुंड में अंदर, झुंड में बाहर। और क्या कहूँ... बू! तो इस बार पुलिस चिंतित थी, मैं इसकी क़द्र करता हूँ... लेकिन उस पुलिस अधिकारी का क्या, जो कल मेरी गाड़ी का ईंधन ख़त्म होने पर मेरे पास से 4 बार गुज़रा? किसी को फ़ोन करने की पेशकश भी नहीं कर सका।

मूल **PDF** का पृष्ठ **5**

7 एंटीक्राइस्ट रविवार जून (बुधवार Solaris) 27 (11), 12:23 PM CST अब से Oday तक 3 दिन... (ईसाई तारीख़ गुरुवार जुलाई 1, 2004) एंटीक्राइस्ट शनिवार जून (मंगलवार Solaris) 26 (10), 11:58 PM CST अब से Oday तक 4 दिन... (ईसाई तारीख़ गुरुवार जुलाई 1, 2004) एंटीक्राइस्ट शुक्रवार जून (सोमवार Solaris) 25 (9), 1:38 AM CST अब से Oday तक 5 दिन... (ईसाई तारीख़ गुरुवार जुलाई 1, 2004) आने वाला UN-Day (जो केवल 366 दिनों वाले वर्ष में होता है), इस Solaris महीने में, किस वर्ष में? मान लो 6004। प्रकाश के दिन के बाद से 6004 वर्ष, और वह

दिन एक सार्वभौमिक अनुभव की स्मृति है। ऐसा समय जब पूरी मानवता ने आकाश की ओर देखा और एक विचार साझा किया। जीवित धरती की सारी मानवता के लिए लगभग 6004 वर्ष पहले वह साझा विचार “प्रकाश” था। प्रकाश के बाद A.·.L.·. या लूसिफ़र के बाद A.L., तुम्हारी विचारधारा के अनुसार। 6004 वर्ष पहले का समय वह है जब पूरी मानवता ने एक साथ विस्मय से आकाश की ओर देखा। किसी भी हालत में, मुझे यह उस दिन से कैलेंडर गिनने से अधिक पसंद है जिस दिन एक यहूदी आदमी को सूली पर चढ़ाया गया था। हर बार चेक लिखते समय मुझे ग़ुस्सा आता है। कानूनी दस्तावेज़ों पर 6004 को 2004 की जगह लिखा जा सकता है... यह छोटी-सी कार्रवाई से बड़ा संदेश देने का तरीक़ा है। ऐसा नहीं कि मैं Linux का समय लिखने जा रहा हूँ, दैत्य का असली समय। एंटीक्राइस्ट जून (Solaris) 24 (8) अब से Oday तक 6 दिन... 3:05 AM CST तो कल की बात पर लौटते हैं। मैं शिकागो के दक्षिणी हिस्से के एक ख़राब इलाक़े में सैन्य भर्ती केंद्र के पास से गाड़ी चला रहा था। मैंने देखा कि किसी ने खिड़की तोड़ दी थी और उस पर तख़्ते लगा दिए गए थे। वह एक संदेश था। ख़ैर, मैं उसे देखकर सोच रहा था कि अच्छा है, कोई अपने विश्वास के लिए खड़ा होकर लड़ेगा, भले ही उसे भारी निजी परिणामों का जोखिम उठाना पड़े। इसका मुझे काफ़ी पैसा चुकाना पड़ा, क्योंकि जब मैंने फिर सड़क की ओर देखा तो मेरे सामने एक SUV रुकी हुई थी। 6.666 गैलन पेट्रोल पर आख़िर कितनी दूर जा सकते हो? तो वास्तव में मैं बहुत भाग्यशाली था, किसी को चोट नहीं आई और नुक़सान सँभाला जा सकेगा। मैं बहुत भाग्यशाली था। इसलिए मैंने दिन का बाक़ी हिस्सा नौकरी खोजने और उन सभी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बारे में सोचने में बिताने की कोशिश की, जिनमें मैं ख़ुद उलझा था। कितना भाग्यशाली रहा कि शरीर पर बस कुछ छोटे निशानों के साथ उनसे निकला, और मानसिक रूप से? एंटीक्राइस्ट जून (Solaris) 23 (7) 11:16 PM CST क्या मैं कभी किसी “बुरे” व्यक्ति से मिला हूँ? क्या मैं कभी 8 किसी से मिला हूँ और उसका अच्छा पक्ष नहीं देखा? हम सभी मनुष्य हैं... हम सबके भीतर दानव हैं और राह दिखाने वाला प्रकाश भी। क्या मैं अपने किसी काम के लिए ज़िम्मेदार नहीं हूँ क्योंकि मैं ऐसी प्रणाली का हिस्सा हूँ जो मेरी संभावनाएँ तय करती है? नौकरी की तलाश में मुझे करारी मार पड़ी... मैं लिबर्टीविल के एक मरीन भर्ती कार्यालय में चला गया, मुख्यतः जिज्ञासा से। यदि कोई कभी हथियारों का सहारा न लेता तो युद्ध नहीं होते। युद्ध होते हैं... सच यह है कि हम सभी अपने रोज़मर्रा के जीवन में लड़ते हैं... अपनी ज़रूरतों, इच्छाओं या राय व्यक्त करने के लिए... हममें से कुछ केवल शक्ति के लिए लड़ते हैं, चाहे आर्थिक हो या आध्यात्मिक। नास्तिक आध्यात्मिक सर्वोच्चता की लड़ाई भी। जब मैं 176 और 60(83) के चौराहे पर बैठा हूँ, सोचता हूँ कि अपनी बिगड़ती समस्याओं का क्या करूँ। काश मैं ख़ुद को किसी ऐसी प्रणाली को सौंप सकता जिस पर मुझे विश्वास हो, जो बदले में मेरा और मेरे अपनों का ख़याल रखे। मुझे ऐसी प्रणाली नहीं मिलती जिस पर मुझे विश्वास हो और जिसे मुझ पर भी विश्वास हो। इसलिए 26 की उम्र में यहाँ एक चौराहे पर बैठा हूँ, अब मैं नया-नया वयस्क नहीं रहा... अब उससे आगे निकल चुका हूँ। जागता हूँ तो पाता हूँ कि जहाँ मुझे होना चाहिए था, उससे वर्षों पीछे हूँ। जहाँ मैं होना चाहता था। इन सबके बावजूद... मुझे रोकने वाला मैं ही हूँ। सड़क पर गाड़ी चलाते हुए जब मैं दूसरे लोगों के संघर्ष समझने की कोशिश करता हूँ, तो अपने ही प्रतिबिंब को देखकर जानता हूँ कि मुझे अपने संघर्ष की चिंता करनी चाहिए। वह संघर्ष क्या है? दैत्य को खिलाना ताकि मैं खा सकूँ, जी सकूँ और एक नेता बनकर उठ सकूँ। मैं किसका नेतृत्व करूँगा? जिसका लोग चाहेंगे कि मैं नेतृत्व करूँ। हर नेता को अपने अनुयायियों की इच्छाओं का पालन करना चाहिए, क्योंकि नेता उन लोगों का प्रतिनिधि है जो उसका अनुसरण करते हैं। अनुयायियों को नेता को दिखाना चाहिए कि किस दिशा में जाना है। मैं यह सब समझता हूँ... मैं यह भी जानता हूँ कि जल्द ही इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा, बस कुछ पीढ़ियाँ बची हैं। मुझे लगता है कि धरती पर इसकी परवाह करने वाले गिने-चुने लोगों में मैं एक हूँ। हम मानवता के अंत के इतने क़रीब हैं, अपने स्थायी विनाश को बनाने के इतने क़रीब; हमारे दुःस्वप्न जीवित हो रहे हैं और मानवता की ग़ुलामी सचमुच अँधेरी बन रही है... मैं कहूँगा कि मैं

लड़ना चाहता था, लेकिन नहीं जानता था कैसे। मैं मानवजाति को “ईडन लौटने” में मदद करना चाहता था, लेकिन कोई नहीं देख सका कि जिसे मैं आवश्यक कहता हूँ... वह आवश्यक है। 6:00 PM CST अपने बायोडाटा बाँटते हुए मैं लिबर्टीविल में अकेले, शांति से रात का खाना खाने के लिए रुका। मैंने एक कंपनी देखी जिसके प्रवेश मार्ग पर “प्रवेश निषेध” के बोर्ड थे, मेरे पास वहाँ जाने का कारण था। उसके प्रवेश मार्ग पर गाड़ी चलाते हुए मैंने एक मेमने की मूर्ति देखी। मैंने सोचा, बाद में आने वाले जान सकेंगे कि जीवित धरती के समय मेमना कैसा दिखता था।

मूल **PDF** का पृष्ठ **6**

9 2:08 AM CST “बुश प्रशासन ने आतंकवाद-विरोधी युद्ध के संदिग्धों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय क़ानून का संरक्षण न देने के अपने कानूनी तर्क बताए, लेकिन तुरंत ही एक अहम ज्ञापन को ख़ारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अल-क़ायदा के विरुद्ध लड़ाई में यातना उचित हो सकती है।” (अल-क़ायदा) टेरेंस हंट आख़िर इसे ठीक कौन करेगा? बुश जितनी जल्दी पद से बाहर हो, दुनिया के लिए उतना अच्छा। दूसरी ओर, वह वैश्विक अस्थिरता के लिए अच्छा है। सच तो यह है कि इसी वजह से मैंने पिछले चुनाव में उसके ख़िलाफ़ वोट नहीं दिया (मैंने वोट ही नहीं दिया)। “देश की भलाई के लिए” मैं चाहता था कि गोर जीते; “समग्र अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के लिए” मैं चाहता था कि बुश जीते। जानते हो, मैं चाहता हूँ कि वह अगला चुनाव हार जाए और फिर भी पद पर बना रहे। फिर मैं चाहता हूँ कि वह चुनाव ही पूरी तरह रद्द कर दे। जब प्रणाली अब लोकतंत्र पर आधारित नहीं है, तो होने का ढोंग क्यों करें? अमेरिका ने एक सीमा पार कर दी है... जब मेरे पूर्वजों ने यहाँ रहने वाले लोगों से यह भूमि छीनी थी, तो वे अमेरिका जैसी सरकारों से दूर जाने के लिए आए थे। मैंने हमेशा इस भूमि से प्रेम किया है और करता रहूँगा; हमने इसके साथ जो किया है, उससे मुझे नफ़रत है। मुझे इमारतों और संगठन से नफ़रत है, व्यवस्था के लोहे जैसे कठोर प्रवर्तन से नफ़रत है। अराजकता को शासन करने दो, यह मृतकों के जीवन और जीवितों की इच्छा का समय है। पर्वत गिरें और ग्रीष्म रक्त बहाए, मानवता के इस विश्वास के साथ कि जीवन स्वयं के लिए जिया जाए—“दायरे से बाहर जियो”, केवल सोचो मत। जब तुम दर्पण में देखकर ख़ुद से कहते हो कि तुम सबसे पहले हो... तो तुम हो, लेकिन हर दूसरा भी है। चर्च कौन चला रहा है? ईश्वर नहीं, न बुश... जानते हो, चर्च से विश्वासघात करने के लिए मैं पोप का सम्मान करता हूँ, अपने पूर्ववर्तियों की ओर से माफ़ी माँगने के लिए उसका सम्मान करता हूँ। सच यह है कि वह जो सही समझता है, वही करता है, बस इसलिए। काफ़ी समय से उसकी कोई बात नहीं सुनी... अब समय है कि वह एक बड़ा रुख़ अपनाए। एंटीक्राइस्ट... विचार... उन लोगों के सपने जो गड्ढों से ऊपर का जीवन देखने के क़रीब हैं; और जब मैं कोशिश करता था, अक्सर डरता था कि जीवन एक औज़ार है जो खोखले वादों से अधिक माँगता है। यह बेबीलोन के लोगों के लिए प्रकाश का दिन है, क्या तुम जानते हो कि तुम्हारा न्याय क्यों हो रहा है? यह सीज़र का समय और कोरिंथवासी का शासन है, मरे हुए होकर भी जीवित रहने वालों के उबलते अम्ल से लेकर उन तक जिन्हें बहुत पहले मर जाना चाहिए था... बिल्लियों, पेड़ों और पंख वाले पक्षियों का सपना, उस समय का जब इस ग्रह पर अब भी जीवन था... क्योंकि वह है, हम हैं, और वह समय अभी हम पर नहीं आया। इसलिए भविष्य बताना संभव नहीं, क्योंकि वह अभी हुआ ही नहीं; लेकिन सुनो, मैं तुम्हें भविष्य बताऊँगा। हॉलीवुड आधी दुनिया को नियंत्रित करता है, CNN बाक़ी को। ग़ुलाम, मैं तुमसे मिलूँगा 10 नरक में, तुम्हारे बिगमैक और तुम्हारे वॉलमार्ट वाले अस्तित्व के साथ। मैं लड़ूँगा, लेकिन मैं भी ग़ुलाम हूँ, मैं भी दैत्य को खिलाता हूँ। पाप-कर की त्रुटि... हर दूसरी कम्युनिस्ट तानाशाही की तरह बुश प्रशासन से भी डरना चाहिए। सोचता हूँ, अब क्या होगा? मैं कोई पैग़ंबर नहीं, मुनाफ़े के लिए नहीं, और ग़ैर-मुनाफ़ाकारी... अब मुझे बस बेहतर गुज़ारा करना है। मुक़दमा करना वास्तव में मेरी शैली नहीं, लेकिन कोई काम मेरी शान से नीचे नहीं है। एंटीक्राइस्ट जून

(Solaris) 20 (4) फिर फ़ादर्स डे आ गया। पिता बनने के बाद अपना पहला फ़ादर्स डे मुझे याद है। मैंने अपनी उस समय की पत्नी के माता-पिता के कुत्ते को बचाने की कोशिश की, जब दौरा पड़ने से उसकी मृत्यु हो रही थी और मेरी बेटी अपनी माँ के साथ अलाबामा में थी। पिता के रूप में मेरा पहला फ़ादर्स डे... कुत्ता लगातार दौड़ रहा था, लेकिन अपनी करवट पड़ा था, मानो मृत्यु से भाग रहा हो। जून 20, 1999... मैंने फ़ादर्स डे पर कभी अपनी बेटी को नहीं देखा। अब मुझे अपना जीवन अपने लिए जीना है, आगे बढ़ना है। मुझे भीतर से ख़ुद को मारना बंद करना होगा, वर्षों से यही कर रहा हूँ। फिर जीने का समय है, अपनी चेतना के उस बोझ से मुक्त होने का समय, जो मुझे रातों को जगाए रखता है, जिससे मैं अपनी पसलियों के आर-पार ठंडे इस्पात की चाह करने लगता हूँ। मैंने सब कुछ किया जो कर सकता था; मैं पूर्ण नहीं हूँ, लेकिन जो भी संभव था, मैंने किया। काश मैं दुनिया बदल सकता। काश आज का दिन अपनी बेटी के साथ बिता सकता। इस प्रणाली में योगदान देने के लिए भाड़ में जाओ (F*&%)। बस एक व्यक्ति...

कल रात मैंने एक सपना देखा और तुम उसमें थे। एंटीक्राइस्ट जून (Solaris) 19 (3) पिछले दिनों मैं सड़क के नीचे एक क्लब में गया। बहुत अच्छा समय बीता (Exit मेरी पसंद के अधिक क़रीब है)। सच यह है कि मैं हद से आगे चला गया। एक आदमी ने मुझे कोकीन देने की पेशकश की; मैंने मना किया तो उसने कहा कि वह पुलिसवाला है। मैंने उससे कहा, “मैं अल-क़ायदा हूँ।” उसे यह पसंद नहीं आया, वह किसी को खोजते हुए इधर-उधर देखने लगा और कहने लगा, “तुम ऐसा

11 सच में नहीं कह रहे, कहो कि तुम सच में ऐसा नहीं कहते।” वह ऐसा लगने लगा जैसे कोई परेशानी खड़ी करेगा, इसलिए मैंने अपने एक दोस्त को खोजा और उसने उस आदमी को ग़ायब कर दिया। जाते समय मैंने एक आदमी के गले में सूली पर चढ़े यीशु को देखा। मैंने पूछा, “क्या तुम्हें यीशु से नफ़रत है? तुमने गले में केवल अंतर्वस्त्र पहने एक आदमी को क्यों लटका रखा है?” उसने कहा कि वह इतालवी है। मैंने कहा, “केवल इतालवी होने से तुम्हारे गले में सूली पर एक नग्न आदमी लटकाना ठीक नहीं हो जाता।” (सोने का।) उसे यह कहकर मुझे बुरा लगा कि उसके गहने से मुझे आपत्ति है। सच में वह मेरा मामला नहीं था। मुझे अफ़सोस है कि मैंने उससे बात ही की। बाद में पार्किंग में मैंने उसे अपने छह दोस्तों से मेरे बारे में बात करते सुना। मैंने उसकी ओर देखकर कहा, “मैं यहीं हूँ।” वे चलते रहे और उसने कहा, “भाड़ में जाओ (f*%$)।” मैंने फिर कहा, “मैं यहीं हूँ।” जहाँ तक उस आदमी की बात है जिसने ख़ुद को पुलिस अधिकारी बताया था, मुझे नहीं लगता कि वह था; वरना वह कहीं अधिक सहज रहता। इस तरह घबराने और ऐसे व्यवहार करने के बजाय मानो वह किसी ऐसे को ढूँढ़ने जा रहा हो जो मेरा कुछ कर सके। मैं अपनी आधुनिक संस्कृति के प्रति कड़वाहट और नफ़रत के बारे में सोच रहा था। मुझे एहसास हुआ कि अमेरिकी संस्कृति मुझे तब नापसंद होने लगी थी जब मुझे लंबे समय के नशामुक्ति पुनर्वास और उपचार केंद्र में डाल दिया गया। केवल अमेरिका में ऐसा हो सकता है कि 15 साल का बच्चा एक बार शराब पीते हुए माता-पिता के हाथ लगे और “Hill House” जैसी जगह पर DOC से आए 100 बच्चों के साथ एक साल बिताए। जब मैंने देखा कि बाक़ी दुनिया में क्या कुछ है, तो अमेरिकी संस्कृति और कम पसंद आई। कॉरपोरेट अमेरिका की हड़बड़ी और मारकाट वाली कारोबारी मानसिकता की तुलना में मेक्सिको कहीं अधिक सहज और दोस्ताना था। मुझे यक़ीन है कि वहाँ भी जल्द वॉलमार्ट होगा। आख़िरी चोट, जिसने मुझे सचमुच उस चीज़ से नफ़रत करना सिखाया जिसमें अमेरिका बदल रहा है... न्यायालय व्यवस्था। न्याय का अभाव, लोगों पर नज़र रखने वाले कंप्यूटर और नेटवर्क। जबरन अनुपालन, एक नाकाम प्रणाली में जबरन आत्मसात करना। मुझे आज़ादी दो... और वह सब... प्रणाली को नष्ट करो। अमेरिका को आज़ाद करो, लोगों को आज़ाद करो, और बाक़ी दुनिया को अपने हाल पर

छोड़ दो। एंटीक्राइस्ट जून (जून) 15 (27) 3:00 PM CST सच यह है कि मैं समझता हूँ... बुश प्रशासन ऐसे किसी हमले की भीख माँग रहा है जो 12 अमेरिकी धरती पर हो और जिसमें लोग हताहत हों। आज प्रशासन ने कहा, "इससे अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।" यह झूठ है। लोगों को निशाना बनाकर किया गया हमला अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं करेगा, केवल बुश का दोबारा चुना जाना सुनिश्चित करेगा। दूसरी ओर, आज इंटरनेट के बुनियादी ढाँचे पर हुआ हमला बुश को चुनाव जीतने में मदद नहीं करेगा। वह क्या करेगा? दिखाएगा कि ऐसा किया जा सकता है! कि इंटरनेट का दैत्य मानवता की दया पर है और उसे मारा जा सकता है?

Antichrist.cx मेरा पसंदीदा है क्योंकि CX यीशु-मछली जैसा दिखता है और मुझे यह मज़ेदार लगता है। एंटीक्राइस्ट जून (जून) 14 (26), अल-क़ायदा नेटवर्क का नियंत्रण "विचार-मंथन समूह" के लिए "निर्धारित अराजकता क्षेत्र" को बता दिया गया है कि अब बंद करने का समय है। मिशन पूरा हुआ, अब उसकी प्रतिकृति बनाने का समय है। एंटीक्राइस्ट जून (जून) 13 (25) 11:51 AM CST मुझे लगता है कि पहला उपनाम मुझे तब मिला जब मैं शिकागो के उपनगरों में एक अमीर उपनगरीय बच्चे के रूप में बड़ा हो रहा था। मेरा "हैंडल" था "ड्रीम मास्टर", क्योंकि मैं सचमुच सोने की प्रतीक्षा करता था ताकि सपना देख सकूँ। सपना देखते समय मैं ख़ुद को सचेत कर लेता था, अपने सपनों पर पूरा नियंत्रण पा लेता था। उस एक दिन तक... उस रात तक जब मैंने चर्च को ग़ायब करने की कोशिश की। मेरे चेतन मन के लिए वह केवल एक इमारत थी, जो मुझे दिखने वाली सबसे बड़ी चीज़ थी, इसलिए मैंने उसे नष्ट करने का लक्ष्य बनाया। मैंने छोटी चीज़ों पर अभ्यास किया और सीखी हुई बातों से अधिक सटीक हुआ, फिर चर्च पर निगाह टिकाई... सबसे बड़ा निशाना जो दिख रहा था। मज़ेदार बात यह थी कि मैं चर्च को ग़ायब नहीं कर सका। सपना मेरा था, लेकिन चर्च की शक्ति मेरे अवचेतन में इतनी गहरी बैठी थी कि मैं उस पहलू को नियंत्रित नहीं कर सका। जबसे चर्च को नष्ट करने की कोशिश की, तभी से मैं केवल "कभी-कभार" अपने सपनों को नियंत्रित कर पाता हूँ। हर समय नहीं, जैसे पहले कर पाता था वैसा नहीं। मेरे दोस्त और मैंने तय किया कि CB पर "ड्रीम मास्टर" नाम बोलकर समझाना बहुत कठिन था, इसलिए उसे बदलकर "ड्रीमर" कर दिया गया। इससे पहले पिछले दिनों मैं शहर (शिकागो) के दक्षिणी हिस्से में एक पार्टी में था। किसी ने "मेरे पिछवाड़े का बलात्कार करने" की धमकी दी। मैंने पूछा कि क्या वह समलैंगिक है (मुझे समझ नहीं आया कि वह ऐसा क्यों कहेगा)। उसने कहा, "नहीं, लेकिन मैं तुम्हारे पिछवाड़े का बलात्कार करूँगा।" वहाँ बाक़ी सब ठीक थे और उस "पिछवाड़े के

13 बलात्कारी" को जल्द ही पार्टी से बाहर ले जाया गया। इसके लिए भी धन्यवाद, रोजर। मैंने कहा, "तुम मुझसे पंगा (f$%) क्यों लेना चाहते हो?" उस "पिछवाड़े के बलात्कारी" ने समझा कि मैंने कहा, "तुम नहीं जानते कि किससे पंगा (f$%ing) ले रहे हो।" फिर हमें अलग कर दिया गया ताकि मुझे चोट न लगे। वह नहीं जानता था कि "किससे पंगा (f$%ing)" ले रहा है। ऐसा नहीं कि मेरे कौन होने से फ़र्क़ पड़ता है; उस तरह का व्यवहार एक पिट बुल के लिए भी अस्वीकार्य है। मैं लड़ाका नहीं हूँ, सच में मैं एक हिप्पी हूँ। शांति, प्रेम और चाकू। बस एक बुरा विचार... लो, क्राइस्ट के रक्त से इसे अपने सिर से धो दूँ। पागलपन। लेकिन मेरे हाथ पर कभी रक्त नहीं होगा, क्योंकि मैं पूरी कोशिश करूँगा कि एक मक्खी को भी चोट न पहुँचाऊँ; फिर भी इस धरती के शांत जानवरों की रक्त टपकाती मांसपेशियों और मांस की दावत उड़ाऊँगा। केवल इसलिए नहीं कि मैं पाखंडी हूँ, बल्कि इसलिए कि इसी वजह से हमने उन्हें जीने दिया है। शांत निश्चलता के हर क्षण का एक उद्देश्य है और अंत में उसका रक्त टपकाता शव मेरा पोषण बनेगा। इसी वजह से एक अन्यथा बेकार जानवर को जीने दिया जाता है... मृत्यु के बाद

उसके जिस उपयोग के लिए। मुझसे कहा गया है कि यदि मैं क़ैद हुआ तो दूसरे क़ैदियों की इच्छा के अधीन रहूँगा। सच यह है कि वह भी प्रणाली का हिस्सा है, उस टूटी हुई प्रणाली का जो 10% पुरुषों को क़ैद करती है। यह ग़लत है और मुझे उन लोगों के लिए दुख होता है जो प्रणाली में इतने गहरे उतर जाते हैं कि आम जनता चाहेगी कि उन्हें मृत्युदंड दिया जाए, कि प्रणाली ने उनकी आत्मा ले ली है... वे खो गए हैं... क्यों? सड़क का न्याय ही अमेरिका में बचा एकमात्र न्याय है और मुझे लगता है कि वह भी ग़लत है। खोए हुए लोगों की सड़कों पर खड़ा समय, यह खोजने के लिए कि खोया हुआ मैं हूँ। अपने उलझे हुए (f$%ed up) मन के लिए जितना पसंद किया जाता हूँ, उससे अधिक दूसरों का सम्मान करने के कारण सम्मानित होता हूँ। वह मन हमेशा ऐसे प्रश्न के उत्तर पर जाकर रुकता है जो पूछा ही नहीं गया और जिसे अक्सर ग़लत समझा जाता है। तो वह बूढ़ा आदमी एक सबक़ सीखने आया था, उसने सीखा... मैंने सीखा... सम्मान करो और तुम्हारा सम्मान होगा। अपने साथियों के आगे झुको और फिर मुट्ठी हवा में उठाकर खड़े हो और कहो: मैं एंटीक्राइस्ट के लिए फ़ाउंडेशन, एंटीक्राइस्ट नास्तिक नेटवर्क का प्रतिनिधित्व करता हूँ और यह एंटीक्राइस्ट के सम्मान में करता हूँ। क्यों? क्योंकि मैं मानता हूँ कि यही सही है... 14 क्योंकि मेरा मानना है कि अभी हमें इसी की ज़रूरत है, इस प्रशासन के उद्धार के लिए, इस धरती के न्याय-दिवस के लिए, ईडन लौटने के लिए... क्योंकि मुझे लोगों पर विश्वास है, क्योंकि मैं मानता हूँ कि मानवजाति के लिए आशा है। मैं मरूँगा... मेरी विरासत शायद मरे, शायद नहीं। मैं इस पुरानी दुनिया में नया दिन देखने के लिए काम करूँगा। नई भोर, तुम मेरी मदद करोगे, यह ज़रूरी नहीं कि तुम्हें कारण से सहमति हो। क्योंकि मैंने कहा है। मैं कौन हूँ? मैं Ghrisx हूँ। यदि तुम मेरे दृढ़ विश्वास या शक्ति को चुनौती देने की कोशिश करना चाहते हो, तो दो। मैं तुम्हें देखूँगा... देखूँगा कि मैं कहाँ खड़ा हूँ... आत्मा की लड़ाई का यही तरीक़ा है, विचार की अँधेरी लड़ाई, और यह कि तुम्हारे अस्तित्व के लिए स्मृति के कितने और कितने बड़े खंड समर्पित हैं। वहीं तुम्हें अपनी शक्ति का स्तर मिलेगा, कितनी मानव-स्मृति में, कितने समय तक। मानवता के लिए तुम्हारा मूल्य तय करने में बस यही मायने रखता है। तुम वह बनना चाहते हो जो लोहे की सब्बल से मेरी खोपड़ी फोड़ सके, या वह जो छाया से मुझे गोली मार सके। कमज़ोरियाँ—मुझे हराने के लिए बस इतना करना है कि मुझे बुरा महसूस कराओ। जेल, बंदूक या हिंसा नहीं चाहिए; मनोवैज्ञानिक युद्ध के इस मैदान में केवल मनोवैज्ञानिक जीत चाहिए। इस मानसिक रणभूमि में उसके लिए बस अपराधबोध काफ़ी है। मैं बिना अलविदा कहे चला गया; बेशक, आया भी बिना परिचय के था। इसलिए मुझे लगा कि यह उचित है। तुम यह तीन में से किसी एक वजह से पढ़ रहे हो: तुम एंटीक्राइस्ट हो, तुम एंटीक्राइस्ट को समझना चाहते हो, या तुम एंटीक्राइस्ट को रोकना चाहते हो। जो भी हो...
एंटीक्राइस्ट जून (जून) 11 (23) नेवाडा के “डेविड द एंटीक्राइस्ट” से मेरी बातचीत की अजीब बात यह विचार था कि सूली पर क्राइस्ट का ईसाई प्रतीक एक चेतावनी है। “ईश्वर” या “ईश्वर के सूर्य” को सूली पर चढ़ाए जाने की नाटकीय छवि यह संदेश देती है कि कैथोलिक चर्च यीशु से नफ़रत करता है और उसका कोई सम्मान नहीं करता। वरना वे उसे उसकी सबसे कमज़ोर दशा में केवल अंतर्वस्त्र पहने लटकाकर नहीं कहते: देखो, “ईश्वर के सूर्य को चोट पहुँच सकती है और वह भयानक दिख सकता है।” यदि चर्च को क्राइस्ट पसंद होता, तो उसे उसके गौरव में दिखाता और उसकी सबसे कमज़ोर दशा की सभी छवियाँ नष्ट कर देता। वे

15 क्राइस्ट को शक्ति और जीवन में दिखाते, मृत्यु और विनाश में नहीं। यह संदेश है कि चर्च क्राइस्ट को मार डालेगा और कभी उसका सम्मान नहीं करेगा। इस्लाम ने क्राइस्ट के प्रति सम्मान और प्रशंसा के साथ इसका उलटा दिखाया है। सच कहूँ तो मुझे यक़ीन नहीं कि मैंने डेविड से इन सब बातों पर चर्चा की थी; ये बस वे बातें हैं जिन पर उसने मुझे सोचने को प्रेरित किया। जो भी हो, वह बहुत ज्ञानवर्धक बातचीत थी, जिससे मैंने बहुत कुछ सीखा। प्रेम की संभावना और अस्तित्व के ऊँचे स्तर तक पहुँचने की

संभावना, और यह संभावना कि हम पहले ही वहाँ हों; पूर्ण अनस्तित्व या शून्यवाद की संभावना। डेविड ने बहुत पहले धिक्कारे जाने को स्वीकार कर लिया था और कहा कि वह इस जीवन में जिस किसी को चोट पहुँचाएगा, उसकी भरपाई करेगा। यह उसकी उदारता है। ब्रह्मांड का रहस्यवाद और दैनिक जीवन में नव-पैगन आस्था की शक्ति, जो संसार को मानव अस्तित्व से पूरी तरह मुक्त कर दे। यह निस्संदेह एक दिलचस्प विचार है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि "मानव आत्मा" ब्रह्मांड में आत्माहीन मशीनें भेजती है। आख़िरकार मानवता की संचित आत्मा हमारी अपनी रचनाओं द्वारा सभी मनुष्यों की मृत्यु और विनाश के सिवा कुछ नहीं है। मैट्रिक्स में ज़ायन को नष्ट कर रही मशीनों का सफ़ाया करने के लिए उन्हें केवल ऊर्जा-स्रोत नष्ट करना था; वह ऊर्जा-स्रोत मानव जीवन है। यह मैट्रिक्स नहीं है; मैट्रिक्स एक प्रोग्राम है जो किसी मनुष्य के मूल, ऋण-साख, इतिहास आदि के आधार पर उसके समस्याएँ पैदा करने की संभावना आँकता है... वह मौजूद है; फ़िल्म जैसा मैट्रिक्स होने की संभावना कम है। यदि वह सच होता, तो मशीनें कुत्तों या हाथियों जैसे अधिक आज्ञाकारी जीवों का इस्तेमाल करतीं। मैट्रिक्स (फ़िल्म) और "वास्तविक संसार" में मशीन को ज़ायन नष्ट करने से रोकने के लिए हमें उसका ऊर्जा-स्रोत बंद करना होगा। अमेरिका के वे 4 वैज्ञानिक जो अभी "Diplomat" छोड़ने पर विचार कर रहे हैं, समझ लें कि किसी ने उस दरिंदे को बंद करने का कोई दूसरा तरीक़ा नहीं सोचा है। आपको मुझसे माफ़ी माँगने की ज़रूरत नहीं; मैं जानता हूँ कि Diplomat के विरुद्ध कोई प्रतिरक्षा नहीं है। "सबको मार दो, ईश्वर को तय करने दो।" इसलिए नहीं कि आप मानवता से नफ़रत करते हैं, बल्कि इसलिए कि ज़ायन बचाने का यही एकमात्र रास्ता है। डेविड को अक्टूबर में मांस न खाने का मेरा विचार पसंद आया; उसने कहा कि वह ऐसा करेगा, लेकिन उसके कारण मेरे कारणों से अलग होंगे। मैं जीवित पशुओं के सम्मान में ऐसा करता हूँ; वह क्यों करेगा, यह मुझे स्पष्ट नहीं था। 16 डेविड ने कहा, "अगर ईश्वर तुमसे उसके लिए एक मेहराब बनाने को कहे, तो तुम कहो: नूह।" मैं उसकी किताब की एक प्रति ख़रीदने का इंतज़ार कर रहा हूँ। मुझे यह भी समझ आया कि मुझे यीशु से नफ़रत नहीं; क्रूस पर क्राइस्ट की उसकी छवि मुझे क्रोधित करती है। बिन लादेन को क्रूस पर चढ़ाने की कोशिश बंद करो और बयान जारी करो कि अब वह वांछित नहीं है; कहो कि तुम्हें समझ आ गया है कि उसे बलि का बकरा बनाया गया था, और उसके लोगों को मारने के लिए माफ़ी माँगो। हमें उदाहरण पेश करके अल-क़ायदा को मानव लक्ष्यों की हत्या करने से रोकना होगा और उनके संघर्ष को समझना होगा। हम सब एक मानवता हैं, हम सब एक लोग हैं। यदि तुम नहीं करोगे, तो जब मैं इस देश को चलाने में मदद करूँगा या वास्तव में इसे चलाऊँगा, तब मैं करूँगा: मैं माफ़ी माँगूँगा और भरपाई करूँगा, ताकि विदेशों में हमारे, यानी मानवता के, स्वतंत्रता सेनानियों की मदद हो। --> एंटीक्राइस्ट जून (जून) 7 (19) जीवन के अपने प्रतिबिंब में मुड़ी रोशनी, बिल्कुल कुछ भी न होने की संभावना के रहस्यवाद में। पेड़ और दीमक खोए हुए में ज़ेब्राओं की लहर पलटते हैं। विध्वंसक नहीं, राजा नहीं, बल्कि एक प्यादा होना; राजा भी खेलने वालों का सिर्फ़ एक मोहरा है, और वे स्वयं ब्रह्मांड का ही प्रतिबिंब हैं, जैसे हम... परिवर्तन और प्रभुत्व के इस समय में हम उन शक्तियों के संपर्क में हैं जो आस्था और प्रेम के शब्दों से जीवन और मृत्यु फूँकती हैं। यह उद्देश्य की शक्ति है; इस उद्देश्य में दूसरे सभी दायित्व तुच्छ हो जाते हैं, और आस्था तथा आशा की शक्ति उन पर विजय पाती है जो अन्यथा लुप्त हो जाते। यही प्रकाश है, यही नियति और परिवर्तन की शक्ति है, जो ज्ञान को घाटी या रेगिस्तान में ले जाए... वहाँ दिशा पाकर अपने-अपने रास्ते चलना, हमेशा जानना कि तुम्हें किसलिए चुना गया है, और हमेशा जानना कि तुम लुप्त नहीं होगे, बल्कि प्रकाश में लाए जाओगे और ज्ञान के शब्दों से आग उगलोगे, जो धातु के डिब्बे में फँसी एक पीढ़ी के दमन को कुचल देंगे। यह धिक्कारे गए लोगों का रास्ता है: प्रकाश में चलना, अँधेरे को जानना, सभी संसारों और सभी लोगों के बीच पुल बनना, और तुम मेरे चुने हुए बनोगे। एक के जीवन के लिए... स्वयं ब्रह्मांड के धिक्कारे जाने के लिए, सबसे बढ़कर उनके लिए जो गिरे हुए शहरों

की राख से उठेंगे और नए दिन में चिल्लाएँगे कि हम बच गए, कि मानवता नया सवेरा देखेगी और इस नए दिन में हम फिर प्रकृति के साथ एक होंगे। यह Ghrisx का वचन है मैं युद्ध भड़का रहा हूँ। मैं पीड़ित नहीं हूँ, लेकिन स्पष्ट है कि बहुत से लोग

17 पीड़ित बन चुके हैं। लेकिन यह मेरे अधिकार में है... अमेरिकी होने के नाते सरकार को क़ाबू में रखना हमारी ज़िम्मेदारी है; हम, जनता, प्रभारी हैं... और यदि अभी नहीं हैं, तो जल्द होंगे। मुझे पता है कि सरकारी अधिकारी कभी-कभी मेरी साइट देखते हैं (मुझे एक पत्र मिला था)। तथ्य यह है कि अमेरिका ने जानबूझकर एक अरब अख़बार पर बमबारी की थी... हम इराक़ में "अमेरिका की बुराई करने" के लिए लोगों को फाँसी देना चाहते हैं। यह घिनौना और विचलित करने वाला है! आज़ादी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा खुलकर बोल सकना, मिलिशिया बनाने का अधिकार, और सरकार बेक़ाबू हो जाए तो उसे उखाड़ फेंकने का अधिकार है। अमेरिका इराक़ में सुडोम हेसियन से भी अधिक दमनकारी और हिंसक है। अमेरिकी जनता इसे कुछ ही समय तक सहन करेगी। मैं क्यूबा के ग्वांतानामो बे और सभी दूसरे कंसन्ट्रेशन कैंपों से युद्धबंदियों को रिहा करवाऊँगा! मैं जॉन वॉकर लिन जैसे लोगों को रिहा करवाऊँगा, क्योंकि उसे अपने विश्वास के लिए लड़ने का पूरा अधिकार था! मैं संपत्ति कर ख़त्म करवाऊँगा, क्योंकि यदि तुम सरकार को किराया देते हो तो अपनी संपत्ति के मालिक नहीं हो! क्योंकि यही सही है... उस अमेरिका के लिए जो कभी था... आज़ाद! क्योंकि वह अब क्या बन गया है... एक दुष्ट जेबकतरा तानाशाह। डराने की रणनीतियाँ और अलगाव लोगों को केवल ग़ुस्सा दिलाएँगे! अमेरिका के कंसन्ट्रेशन कैंपों में कितने लोगों को कितने समय तक रखा जा सकता है? (क्या 10% अमेरिकी पुरुष कुछ समय जेल में बिताएँगे?) बिल्कुल, मैं अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल करूँगा, एंटीक्राइस्ट को बढ़ावा दूँगा, सरकार की उन नीतियों की कड़ी आलोचना करूँगा जिनसे मैं असहमत हूँ, और आधुनिक सभ्यता के अंत के समर्थन में बोलूँगा। क्योंकि मैं सच में यही मानता हूँ। जैसे इसे सुनने वाला हर व्यक्ति इसे शक्ति देता है। समझो, विनाश की भविष्यवाणी सिर्फ़ एक विचार है, और वह विचार पृथ्वी के हर व्यक्ति को मार सकता है। यह नया विचार नहीं, मौलिक सोच नहीं, प्रतिक्रिया है। बाइबिल के पैमाने का आतंकवाद। शुरुआत से यह सब इसी बारे में रहा है। यह नफ़रत और बदले की कहानी है, कड़वाहट की कहानी... क्या "rael" है और 18 क्या नहीं, यह मेरी नास्तिक भविष्यवाणी के भीतर व्याख्याओं के लिए खुला है। उसामा ने दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी "बुराई", "कॉरपोरेटवाद", से लड़ने के लिए अपनी सारी दौलत और स्थिरता छोड़ दी। क्योंकि वह मानता था कि अमेरिकी संस्कृति ज़हर है। यह ज़बरदस्त बलिदान है, पृथ्वी पर किसी भी व्यक्ति का सबसे बड़ा बलिदान... संभवतः अब तक का। अफ़ग़ानिस्तान बिल्कुल बाइबिल जैसा था, सिवाय इसके कि अफ़ग़ानिस्तान के अच्छे लोगों ने अपने क्राइस्ट को क्रूस पर चढ़ाए जाने के लिए नहीं सौंपा... और क्राइस्ट की रक्षा करने की क़ीमत उन्होंने अपने खून और जीवन से चुकाई। स्वतंत्रता सेनानियों की आशा जीवित रखने के लिए... दुनिया को बताने के लिए कि मानवता बचाए जाने योग्य है। सोचो तो क्राइस्ट ज़रूरी नहीं कि धार्मिक शब्द ही हो... जब रोम्सफ़ील्ड ने पूछा था, तब मैंने पहले भी कहा था: मुझे दुख है कि लोगों को मरना पड़ा, मैं इसे अलग तरह से करता। इसलिए मेरी कहानी में लोगों के लक्ष्य मनुष्य नहीं होते। आशा है लोग इस पर सोचेंगे... कि अमेरिकी जनता दुश्मन नहीं है... एंटीक्राइस्ट जून (जून) 6 (18) 4:12 Am CST वैज्ञानिकों की एक छोटी टीम को पोलियो वायरस में हेरफेर करके मानव शरीर के साथ उसके संपर्क का तरीक़ा पूरी तरह बदलने में चार दिन लगे। तुम्हें क्या लगता है, हमें Diplomat को परिपूर्ण करने में कितना समय लगा? यह उचित सौदा है: चर्च अनजान श्रद्धालुओं को इलाज बाँटते हैं... इलाज की छोटी खुराकों के बदले वे लोगों को बंदूकों और बमों से कॉरपोरेटवाद के ख़िलाफ़ लड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। लंबे समय तक इलाज की छोटी खुराकें देने से ऐसा लगेगा कि सबसे

अधिक आस्था वाले लोग ईश्वर की महिमा से बचे। नास्तिक, ग़ैर-धार्मिक लोग और उनके परिवार मरते हैं। मानवता का उद्धार होता है, भविष्यवक्ताओं के शब्द पूरे होते हैं। उसामा बिन लादेन को इतने समय तक जीवित रहना होगा कि वह ख़ुद "अंतिम एंटीक्राइस्ट" को मार सके। तब सभी आस्थाएँ मानवता के उद्धार और मानवता के नए सवेरे में एक होंगी। 3:36 Am CST मैं अमेरिका से प्यार करता हूँ, अनाज की सुनहरी लहरों और उन सब चीज़ों से... मुझे नफ़रत कॉरपोरेटवाद से है, पूँजीवाद के विकास से। अमेरिका महान है और मुझे अपने अमेरिकी साथियों पर बहुत विश्वास है। मैं जानता हूँ कि चर्च, मस्जिदें, मंदिर... उद्धार की प्रक्रिया का एक निर्णायक हिस्सा हैं। सभी आस्थाओं की एकजुट

19 मदद के बिना हम विफल होने को अभिशप्त हैं। इसलिए हमें चर्चों से संपर्क करके कहना होगा कि वे एकता का समर्थन करें, मानवता की मुक्ति के लिए सभी आस्थाओं से परे जाने वाले अंतरनस्ली आंदोलन का समर्थन करें। या पीठ फेर लो और जान लो कि तुम्हारा चर्च सचमुच मानवता को दबाने वाली नियंत्रण-व्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। खड़े हो, एक हो, उद्धार करो... युद्ध तुम्हारे घर में, दुकान में, हर खाने की चीज़ में, हर सुनी हुई बात में है, सब "कॉरपोरेट अमेरिका" का दिया हुआ। इसलिए अब मैं एक राजनीतिक दल भी शुरू करूँगा, एनाइहिलिस्ट पार्टी... परिवर्तन का दल, पूँजीवाद के ख़िलाफ़ युद्ध का दल... व्यवस्था के भीतर की व्यवस्था, जो एक दुष्ट तानाशाही बनाए, दूसरी सारी व्यवस्थाएँ नष्ट करे और अंततः मानवता को उसके अधिक मानवीय, अधिक धरती से जुड़े अस्तित्व में लौटाए। किसलिए, तुम पूछते हो! मैं ऐसा क्यों चाहूँगा? तुम नहीं जानते, पता लगाओ। 3:15 Am CST संयम, मुझे लगता है मैं पीना हफ़्ते में सिर्फ़ एक बार तक सीमित कर सकता हूँ; आशा है कर सकूँगा। यदि मैं इस देश के ख़िलाफ़ युद्ध करता, तो पहले तेल रिफ़ाइनरियों पर हमला करता (आसान लक्ष्य), फिर फ़ाइबर-ऑप्टिक लाइनों, मोबाइल टावरों और सैटेलाइट डिशों पर। पूरा देश ठहर जाता... तो कोई डर्टी बम क्यों फोड़ना चाहेगा? इससे केवल सरकारी अधिकारियों को फ़ायदा होगा। इस देश के व्यापार पर असर नहीं पड़ेगा, केवल बेरोज़गार आबादी घटेगी। श्रमबल से 3 मिलियन लोग हटाना, दसियों हज़ार, शायद लाखों ऊँची तनख़्वाह वाली नौकरियाँ बनाना। इसलिए ऐसे हमले से केवल अमेरिकी सरकार को फ़ायदा होगा। तो यह तर्कसंगत लगता है कि यदि डर्टी बम हमले की योजना बन रही है, तो सरकारी अधिकारी अपने ही लोगों के ख़िलाफ़ इस्तेमाल के लिए बना रहे हैं। अतिरिक्त आबादी घटाने और आतंकवाद-रोधी काम, संदूषण हटाने, पुनर्निर्माण, सेना, हथियार-विकास आदि में ऊँची तनख़्वाह वाली नौकरियाँ पैदा करने के लिए... तेल रिफ़ाइनरियों, ज़मीनी लाइनों, फ़ाइबर-ऑप्टिक लाइनों, मोबाइल टावरों और अंततः बिजली जनरेटरों पर हमला करना वह है जो "अमेरिका-विरोधी स्वतंत्रता सेनानी करेंगे"। तेल रिफ़ाइनरियाँ शुरुआत की अच्छी जगह हैं, क्योंकि युद्ध का विरोध करने का यह सबसे अच्छा तरीक़ा है: हमें तुम्हारा तेल नहीं चाहिए... धमाका! हमें इराक़ पर क़ब्ज़ा नहीं करना... धमाका! हमें क्यूबा या कहीं भी युद्धबंदी नहीं चाहिए... धमाका! 20 रात की गड़गड़ाहट की तरह, यदि प्रदर्शनकारी सचमुच मेरी सुनते, तो यही करते: दिन में मार्च, रात में अमेरिका का बुनियादी ढाँचा नष्ट। 2:00 Am CST कुछ साल पहले मैं अपनी उपलब्धियों से ख़ुश था। जीवन में जो कर चुका था, उससे। अब नहीं; जीवन आगे बढ़ा, लेकिन मुझे लगता है कि हाल की उपलब्धियाँ बहुत कम हैं या हैं ही नहीं। डेविड एंटीक्राइस्ट के दिन तक पूरे दो साल। विडंबना यह है कि शायद मैं अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों के पहले से कहीं अधिक क़रीब हूँ। मेरी पहली शादी में दूल्हे के साथ खड़े होने वालों में से एक की बैचलर पार्टी में मुझे नहीं बुलाया गया। वहाँ मौजूद कम से कम एक व्यक्ति से आज बाद में मिलूँगा; मैंने उन्हें आज बाद में बारबेक्यू पर बुलाया है। शायद मैंने अपने लिए पर्याप्त समय तक दुख मना लिया। दुनिया से पर्याप्त समय तक नाराज़ रह लिया। अब मैं बस ज़्यादा पीकर और यह सोचकर जीवन बर्बाद कर रहा हूँ कि शायद किसी दिन बदलाव ला सकूँगा, किसी दिन अमीर और ताक़तवर बनूँगा। चीज़ें ऐसे नहीं होतीं। यह मेरी ज़िंदगी

है, और यदि मैं मेक्सिको में मेज़ों से बर्तन उठाने का काम करना चाहूँ या यमन में अंग्रेज़ी पढ़ाना चाहूँ, तो यह मुझ पर है। मुझे कुछ करना होगा, क्योंकि यहाँ मैं घुलता जा रहा हूँ। हर दिन बूढ़ा हो रहा हूँ, और अपनी उपलब्धि दिखाने को सिर्फ़ यह बेवक़ूफ़ वेबसाइट है। मेरा कारोबार लगभग ढह गया है, मेरे सभी दोस्त अपनी ज़िंदगियों में आगे बढ़ रहे हैं। मैं अब भी बैठा हूँ, “सामान्य जीवन” के लिए ज़रूरी काम करने को तैयार नहीं; शायद कहीं और, यहाँ नहीं। यदि यहाँ ज़्यादा कमाने के लिए ज़रूरी काम करूँ, तो उसी क्षेत्र में यहीं वर्षों तक, शायद शेष जीवन रह जाऊँगा। मुझे शिकागो बहुत पसंद नहीं; नहीं जानता यहाँ कैसे फलूँ-फूलूँगा। कहीं और, जहाँ दूसरी भाषा सीख सकूँ या दूसरी संस्कृतियाँ खोज सकूँ... वहाँ कम पैसे में काम करने को अधिक तैयार होऊँगा, लेकिन यहाँ नहीं। शायद इसका संबंध इस बात से भी है कि शिकागो के दक्षिणी उपनगरों के कुछ हद तक सुरक्षित इलाक़े में रहने का सालाना ख़र्च 20,000 डॉलर से ऊपर है। समय में पीछे, अपने युवा दिनों के मैदानों में, उसके बाद के अस्तित्व-रक्षा प्रशिक्षण में। मुझे समझ नहीं आता था कि कोई मोबाइल टावर नष्ट क्यों करना चाहेगा। अब स्पष्ट है कि ज़मीनी लाइनों और मोबाइल टावरों पर एक साथ हमला करना होगा, रेडियो जैमर के साथ, ताकि सरकार के वफ़ादार अँधेरे में रहें। “Inferred प्रकाश संकेत-कोड” ज़मीन पर संचार का सबसे अच्छा माध्यम लगते हैं।

मूल **PDF** का पृष्ठ **12**

21 स्थानीय क़ानून प्रवर्तन और संयुक्त राज्य की सेना का एक बड़ा हिस्सा “हमारी वर्तमान सरकार को बलपूर्वक बदलने” के लिए तैयार है। हम सब केवल मनुष्य हैं और सही-ग़लत के बारे में अपनी राय रखने के हक़दार हैं। मेरा मानना है कि इस देश की समग्र भावना पूरी क्रांति की ओर झुक रही है। मैं 26 साल का हूँ। मेरी योजना जीवन भर मैकडॉनल्ड्स या Home Depot में काम करने की नहीं है, ताकि मैं ख़ुद को असफल महसूस करूँ, मेरी पत्नी को दो नौकरियाँ करनी पड़ें और कोई अजनबी मेरे बच्चों को “डे केयर” में पाले। हाँ, मैं कहीं अधिक पसंद करूँगा कि यह दुनिया जो बनती जा रही है उसके ख़िलाफ़ लड़ूँ, अपने निराशाजनक भविष्य के ख़िलाफ़ हथियार उठाऊँ और अपने विश्वास के लिए मरूँ, बजाय उस प्रणाली का ग़ुलाम बनकर जीने के जिससे मुझे नफ़रत है! तो आगे बढ़ो, केवल कॉलेज से निकले लोगों को नौकरी दो, बढ़ती ग़रीबी दर पर ध्यान न देने की कोशिश करो। अपने ऊपर तरस खाना ख़त्म कर चुका हूँ और लड़ने के लिए तैयार हूँ। मैं अकेला नहीं हूँ। अमेरिका की मौजूदा प्रणाली विफल है, पूँजीवाद “निगमों के शासन” तक ले जाता है। निगमों का शासन सबसे भयानक शासन-प्रकार है जिसकी कल्पना की जा सकती है, क्योंकि निगम परिवार या जीवन की गुणवत्ता की परवाह नहीं करते; उन्हें केवल लाभ और उत्पादकता की परवाह है। हम वॉलमार्ट से ख़रीदारी बंद नहीं कर सकते, परिवारों की सभी दुकानें नष्ट कर दी गई हैं। अब कोई विकल्प नहीं: दोपहर का खाना मैकडॉनल्ड्स में खाओ, वॉलमार्ट से ख़रीदो, और कुछ अतिरिक्त पैसे हों तो रात का खाना रेड लॉब्स्टर में। आशा कहाँ गई! हमारी जेलें इतनी भरी क्यों हैं? तलाक़ की दर 60% से ऊपर क्यों है? क्योंकि पूँजीवाद काम नहीं करता, क्योंकि लोकतंत्र ने लोगों को निराश किया है। लोकतंत्र को इराक़ से बाहर रखने के लिए लड़ो! अफ़ग़ानिस्तान में परिवारों को साथ रखने के लिए लड़ो! अमेरिकी संस्कृति की महामारी को अपनी भूमि, अपने शहर में जड़ जमाने से रोकने के लिए लड़ो, ताकि वह तुम्हारे जीवन के तरीक़े को नष्ट करके उसकी जगह वॉलमार्ट और मैकडॉनल्ड्स न रख दे। एंटीक्राइस्ट जून (जून) 5 (17) रक्त में बपतिस्मा, बलिदान से शुद्ध होकर जीवित होना, मृत होना... झूठ की पुस्तक के भीतर। मेरे झूठ, ऐसा ही होना चाहिए और जो सुनेंगे, मानेंगे, उन्हें शक्ति मिलेगी। जो मुझे अनदेखा करेंगे वे अज्ञान में जीएँगे, और जो मुझे 22 नष्ट करना चाहेंगे, उन्हें मुझे नष्ट करने की कोशिशों के लिए याद किया जाएगा। सादी काली टोपी मानवता में तुम्हारे विश्वास और उद्धार के लिए तुम्हारे समर्थन का प्रतीक है। जीवित प्राणियों के सम्मान में अक्टूबर में किसी जीवित प्राणी का मांस मत खाओ। यह Ghrisx का वचन है।

एंटीक्राइस्ट जून (जून) 3 (15) उसामा बिन लादेन दुनिया का “वर्तमान क्राइस्ट” है, बुश क्राइस्ट को मारना चाहता है, इसलिए वह वर्तमान एंटीक्राइस्ट है। बात ऐसी ही है। मज़ेदार है कि मैं कह सकता हूँ, “मेरे पास विनाश के हथियार हैं”, कि मैं अमेरिकी सरकार का समर्थन नहीं करता और उसामा बिन लादेन की प्रशंसा करता हूँ। मैं यह सब कह सकता हूँ क्योंकि मैं एक श्वेत मध्यवर्गीय अमेरिकी पुरुष हूँ... क्योंकि मैं उस प्रणाली का हिस्सा हूँ जो स्वतंत्रता सेनानियों को मारना चाहती है... मैं सहमत नहीं हूँ... मुझे कर देने के लिए मजबूर किया जाता है, उन बमों का ख़र्च देने के लिए जिनसे अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे लोग मारे जाएँगे। मैं न्यूनतम कर दूँगा और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए अपना समर्थन व्यक्त करूँगा। वर्तमान क्राइस्ट के लिए अपना समर्थन... और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश पर अपनी दया, जो इतनी बुरी तरह “अच्छा आदमी” बनना चाहता है, लेकिन वास्तव में क्राइस्ट-विरोधी युद्धसरदार है। भाड़ में जाओ (F$%)... माफ़ करना। तो हमारे पास बोलने की स्वतंत्रता है... सुनो और अच्छी तरह सुनो, ज्वार बदल रहा है और सड़क पर समग्र समर्थन अल-क़ायदा की ओर झुक रहा है... मैंने जो देखा है, उसके हिसाब से सही ही है। क्रांति समाप्त हो चुकी है, तुम कर देते हो तो बम ख़रीदते हो। तुम “लोगों” के ख़िलाफ़ अमेरिका के भटके हुए युद्ध द्वारा किए जा रहे जनसंहार का समर्थन करते हो; तुम्हारे जैसे ही लोग, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते हुए। देखें कोई इराक़ी यह कहे और जीवन भर के लिए जेल न जाए... मेरे दिमाग़ में एक छवि अटकी थी: मैं ताबूत में हूँ... एक आँख खुली है, देख रहा हूँ।

मूल **PDF** का पृष्ठ **13**

23 मई 2004 एंटीक्राइस्ट मई (मई) 9 (18) आज मैं क़ानूनी तौर पर लाल बत्ती पार कर सका। मैं और कुछ दूसरी गाड़ियाँ एक आपातकालीन वाहन का रास्ता रोक रहे थे। मुझे हटना ज़रूरी नहीं था, लेकिन मैं उस वाहन को रोकना नहीं चाहता था। मुझे बताया गया है कि संयुक्त राष्ट्र का पत्र भेजने वाले वकील ने अपने अधिकार से ऐसा किया था। यह भी संभव है कि किसी के पास वह अधिकार ही न हो। पूछकर देखो, मुझे लगता है तुम्हें पता चलेगा कि मैं भविष्य के लिए काम करता हूँ, समाधान के लिए काम करता हूँ। मैं जो कह रहा हूँ, तुम्हें सुनना चाहिए। मेरे “अधिकार के अभाव” का सम्मान करो। इस तथ्य का सम्मान करो कि मैं कोई नहीं हूँ, चले जाओ, रास्ते से हटो। तुम आग को बढ़ा रहे हो, दूसरा गाल आगे कर दो, क्योंकि मैं विरोध पर पलता हूँ। मुझे बस अनदेखा करो, मैं तुम्हारे सामने अनस्तित्व की अवस्था में ग़ायब हो जाऊँगा। मुझे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अधिकार प्राप्त है, और वह ज़रूर झूठ होगा? वही लोग स्पेन में ट्रेनों को उड़ा रहे हैं ताकि युद्ध को उचित ठहराएँ, और इस्लाम पर दोष लगाने के लिए झूठे सबूत रख रहे हैं। ट्रेन में बम लगाने वाला या तो साफ़ बताएगा कि उसका मालिक कौन है, या मर जाएगा (स्थानांतरण संरक्षण)। मेरा अनुमान दूसरा है। मैं जानता हूँ कि वह एक साल से अधिक सज़ा नहीं काटेगा, उतना भी असंभव-सा है। बस यही दिखाता है कि मैं बहुत कुछ जानता हूँ, और इसे अनदेखा करने, दूसरी ओर देखने के अलावा तुम बहुत कम कर सकते हो। अंत में तुम पाओगे कि मैं बस मृत्यु और उद्धार के चर्च का एक पुरोहित हूँ। मृत्यु किसी भी जीवन का अंतिम परिणाम है, कुछ भी हो हम सभी मरेंगे। मैं तुम्हें बदनाम कर दूँगा। तुम्हारी आत्मा ले लूँगा और तुम्हें सूली पर 24 चढ़ाऊँगा, फिर जब तुम्हारे साथ अपना काम कर चुकूँगा, तो तुम्हें सड़ते देखूँगा, जब मृत्यु पर पलने वाली चीज़ें तुम्हें खाएँगी। मैं नाराज़ नहीं हूँ, बस मेरा स्वभाव ऐसा है। पता नहीं मैं तुम्हें जानता भी हूँ या नहीं, लेकिन तुम मुझे जानते हो। तुमने मुझे वह शक्ति दी, उसका उपयोग करने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प नहीं, वरना जब मैं अपने जीवन की बत्तियाँ टिमटिमाती देखूँगा तो वह मुझे रातों को जगाए रखेगी। यदि यह सचमुच युद्ध होता, तो मैं यह भी नहीं जानता कि जीतूँ कैसे; या शायद यह युद्ध है, लेकिन यदि है तो तकनीक के ख़िलाफ़ युद्ध है और मैं दोनों पक्षों का ग़ुलाम हूँ। अंत में मैं बस और हरे चरागाह चाहता हूँ, उस तकनीक की गड़गड़ाहट से मुक्त, जो विश्व की आबादी को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। PulseOS, मुझे यह भी नहीं पता कि कहाँ से शुरू करूँ। मेरा बपतिस्मा

कैथोलिक के रूप में हुआ था और मैंने कभी कोई दूसरा धर्म नहीं अपनाया, इसलिए लगता है कि बहिष्कृत किए जाने तक कैथोलिक ही रहूँगा। मेक्सिको को मैं अपना दूसरा घर मानता हूँ। एंटीक्राइस्ट मई (मई) 8 (17) संपत्ति कर साम्यवाद है! जो बीमारी मानवता के अधिकांश हिस्से को, यदि समूचे को नहीं, मिटा देगी उसे "डिप्लोमैट" कहा जाता है। कैप्टन ट्रिप्स नहीं, सुपर फ़्लू नहीं। इसे डिप्लोमैट इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसे दुनिया में शांति लाने के लिए बनाया गया था। शांति और अधिक हरे चरागाह। एंटीक्राइस्ट मई (मई) 7 (16) अतीत और भविष्य में स्वागत है। ज्ञात और, बेशक, अज्ञात में स्वागत है। फिर जंगल में... पेड़ों के घेरे में, लेकिन इस बार अकेला नहीं हूँ, इस बार एक काला पक्षी है... मैं मानता हूँ कि काला पक्षी है क्योंकि उसे देख नहीं सकता, बस एक गहरी छाया, लेकिन महसूस करता हूँ। उसे चहचहाते सुनता हूँ... वह इसलिए चहचहा रहा है क्योंकि मैं वहाँ हूँ, क्योंकि यह उसका घर है। वह मेरा ध्यान भटका रहा है, उस कारण से जिसके लिए मैं आया हूँ। फिर मुझे याद आता है कि

मूल **PDF** का पृष्ठ **14**

25 इसीलिए मैं यहाँ हूँ। पक्षी को मारने या पेड़ों को जलाने के लिए नहीं... केवल देखने और ज़मीन के इस विशेष टुकड़े पर अपनी छाप छोड़ने के लिए। अंततः सड़ जाने के लिए। मृत्यु पर पलने वाले प्राणियों का भोजन, मैं भी खाद्य-शृंखला का हिस्सा हूँ। पहले भी कहा है और अब भी कहता हूँ, मैं जो भी करूँ, जितना भी फ़र्क़ पैदा करूँ... विशाल ब्रह्मांड में यह एक दुनिया है, मैं डार्क मैटर के एक छोटे टुकड़े पर एक जीव हूँ? मेरे नियंत्रण से बाहर की शक्तियाँ मुझे अंतरिक्ष में उछाल रही हैं। हमारे जीवन की प्रकृति यही है, कभी हारने की कोशिश में भी जीत जाता हूँ। कभी मैं रुककर ऐसे पौधे को देखता हूँ जिसे पहले कभी नहीं देखा, उसकी विशिष्टता सराहता हूँ। फिर चलता रहता हूँ, आगे बढ़ता रहता हूँ। मेरे जीवन का हिस्सा, उसे छेड़ने की ज़रूरत नहीं। पिछले दिनों कुछ हंस देखे। चलते-फिरते भोजन जैसे लग रहे थे। सोचा कि उनकी गर्दन तोड़कर उन्हें जलते देखना और फिर खाना कैसा होगा। मैं बहुत सभ्य हूँ, परिणामों से बहुत डरता हूँ, कितना पाखंडी हूँ। शांति, और हरे चरागाह।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर गिरने से किसी के घायल होने या मारे जाने का मुझे दुख है। एंटीक्राइस्ट मई (मई) 2 (11) अंत में हम वही होते हैं जो करते हैं... भविष्यवाणी के अंतिम हिस्से का ख़ाका बना दिया गया है। आज मैंने अमेरिकी सैनिकों की इराक़ी क़ैदियों के साथ संभोग (F$%ING) करते हुए तस्वीरें देखीं। यदि इराक़ी क़ैदियों ने इसकी सहमति दी थी, तो अच्छा। वियतनाम में महिलाओं और बच्चों का बलात्कार और उनकी हत्या करना बुरा था...

यह संभव है कि सैनिक युद्ध से सहमत नहीं हैं और घर जाना चाहते हैं, और यह भी संभव है कि युद्धबंदियों ने सबके लिए सहमति दी हो, क्योंकि हर कोई जानता है कि इससे अमेरिकियों को इराक़ से हटाया जाएगा। क़ैदियों का बलात्कार करने से सेनाएँ हटेंगी और प्रतिरोध बढ़ेगा। यह परेशान करने वाला है। 26 "मेरी सेनाओं ने जो किया है, उस पर मुझे निश्चित ही गर्व नहीं होगा।"

----------स्मृति-दृश्य---------- यूनिट में हर व्यक्ति को काम करना चाहिए मानो वह कोई 2:30 वॉलमार्ट अच्छा व्यक्ति होने के लिए हमेशा प्रेम करो। क्या यह तुम हो सकते हो? तुम सत्य जानते हो, पछतावा मत करो, मानव के आरंभ से ही इसकी योजना रही है। पांडा और लोगों के बारे में जैसे शुरू हुआ, वैसे समाप्त होगा; जैसे जिया हूँ, वैसे मरूँगा। जिन्होंने सहायता की, उन्हें अनंतकाल तक पुरस्कार मिलेगा? जो मेरे रास्ते में खड़े हुए, मेरे लौटने पर कुचल दिए जाएँगे! तो जैसा कहता हूँ, होगा, होगा, होगा, आज से जानो और महसूस करो -> जानो कि वह वहाँ था क्योंकि मैंने कहा है कि था; उसे महसूस करो।

जीवन सबसे बड़ा झूठ है। मुझे खेद है! झूठ के बहाव में मज़बूती पाने के लालच और लालसा के प्रसंगों में समय। Sarran की सड़कें मेरी दृष्टि चुरा लेती हैं और मैं झूठे ईश्वर का चिह्न देखता हूँ। ग़ुलाम बारिश की प्रार्थना करते हुए गोल-गोल चलते हैं।

मूल **PDF** का पृष्ठ **15**

27 मुझे राह दिखाओ।

28 अप्रैल 2004 एंटीक्राइस्ट अप्रैल (मई) 28 (7), 6004 AL (2004 ce) cx मैं अपने जीवन से यह चाहता हूँ... मैं चाहता हूँ कि बच्चों की अभिरक्षा के मामलों में पिताओं के पास अधिक अधिकार हों। मैं संपत्ति कर बंद करना चाहता हूँ। मैं मानवजाति का अमानवीकरण रोकना चाहता हूँ। मैं व्यवस्था के दमन से मुक्त दुनिया देखना चाहता हूँ। किसी ने एक बार कहा कि मेरी आदर्श दुनिया की कल्पना सशस्त्र पहरेदारों वाला ईडन का बाग़ है। लागू की गई अराजकता... तो मेरा ध्येय-वाक्य है: ईडन लौटो। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (मई) 27 (6), 6004 AL (2004 ce) cx जागो। सपना ख़त्म हो गया... वास्तविकता एक इच्छा है जो पूरी नहीं की जा सकती, भ्रम के भीतर भ्रम। जागो और सपने के भीतर सपने में सपना देखो, बिना उत्तर के, सत्य मिलने की किसी स्पष्ट आशा के बिना। अपना जीवन भरपूर जियो, सपनों को वास्तविक बनाओ... मृत्यु तुम्हारे अस्तित्व का अंत नहीं, तुम्हारी विरासत की शुरुआत है। शायद यही सुरंग के अंत का प्रकाश है। शायद हम सब एक ही मन हैं, एक ही उद्देश्य के साथ, और हमारा उद्देश्य ब्रह्मांड को व्यवस्थित करना होगा। एक दिन ऐसी मशीनें होंगी जो पदार्थ को उपपरमाण्विक कणों में तोड़ सकेंगी और फिर उसे वांछित पदार्थ में बना सकेंगी। सच्ची कीमियागरी...

मूल **PDF** का पृष्ठ **16**

29 मैं उस दिन को देखने के लिए जीवित नहीं रहूँगा, लेकिन शायद लोग तब भी मौजूद हों। शायद वे चाहेंगे कि दुनिया की वर्तमान दिशा रोकने में मैं सफल हुआ होता। भविष्य में मानवजाति के लिए कोई जगह नहीं है। {तथ्य}। शायद पहले ही बहुत देर हो चुकी हो। अपने साथी मनुष्य की ओर तानी बंदूकें नीचे करो और उन्हें उस भ्रूण की ओर तानो जो मानवजाति का स्वामी बनेगा। लोग हमारी संस्कृति को अपने देश से बाहर रखना चाहते हैं... अच्छा! हमारी संस्कृति ज़हर है, वह ऐसी ग़ुलामी और मृत्यु तक ले जाती है जैसी मानवजाति ने पहले कभी नहीं देखी। बेबीलोन को गिरना ही होगा और जब वह घुटनों पर हो तो हमें कोई दया नहीं दिखानी चाहिए। हमें नया धर्म, नई वैश्विक संस्कृति बनानी होगी जो निगमों और इलेक्ट्रॉनिक्स को मना करे। यदि लोग ऐसी चीज़ें चाहें तो हमें मना करके उनकी निंदा करनी होगी... जो ईश्वर से नहीं डरते, जो निगमों और इलेक्ट्रॉनिक्स को बनाने और बनाए रखने का साहस करते हैं... वे मनुष्यों के बीच देवता बनेंगे, लेकिन पूरी मानवजाति के पतन का कारण होंगे। नास्तिकता मत सिखाओ, बच्चों को ईश्वर से डरना सिखाओ... उनसे झूठ कहो ताकि वे दैत्य की वृद्धि धीमी करें। दैत्य सत्य पर फलता है, जीवन और उत्पादकता पर फलता है। दैत्य वे संगठित समूह हैं जो ऐसी दुनिया बनाने में अपना हिस्सा निभाते हैं जहाँ प्रयोगशालाओं के अलावा लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। सच यह है कि यह सब “मैट्रिक्स” से कहीं सरल भ्रम भी हो सकता है। संभावनाओं के भ्रम, जबकि सब एक सपना है, ऐसा सपना जिससे जागकर देखने के लिए मेरे पास आँखें नहीं हैं। बेशक यह संभव है कि मैं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का केवल एक प्रयोग हूँ। निश्चित ही इसकी संभावना कम है, फिर भी मेरे मौजूद न होने की संभावना क्या 30 हमेशा रही है? फिर भी, इस अस्तित्व (या अनस्तित्व) में अपनी भूमिका पर मेरा कुछ कहना चलता है, लेकिन मैं सारे निर्णय नहीं कर सकता। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि ब्रह्मांड ?????????? से बना है। वास्तव में, मैं यह भी निश्चित नहीं कर सकता कि ब्रह्मांड मौजूद है। विज्ञान के अनुसार ब्रह्मांड का अस्तित्व नहीं है, लेकिन उसमें ऊर्जा है; ब्रह्मांड को

सबसे दूर की ऊर्जा से केंद्र तक और वापस मापा जाता है। तो सैद्धांतिक रूप से ब्रह्मांड वहाँ से है जहाँ प्रकाश का अंतिम अंश [पहुँचता है], केंद्र तक और वापस। इससे पहले कि मैं ब्रह्मांड को पदार्थ और अथाह गर्त के रूप में देखने लगा, जितना बड़ा समझता था, उससे बहुत बड़ा... अब उसे ऊर्जा और अथाह गर्त के रूप में देख रहा हूँ। समय, ऊर्जा और अथाह गर्त ही वास्तविकता का "सबसे ऊपरी स्तर" बनाते हैं; यदि यह वही है, तो सब बहुत सरल है। सचमुच, इसे वास्तविकता का "सबसे ऊपरी स्तर" सिद्ध करने का कोई तरीक़ा नहीं, लेकिन यह वह नहीं है, इसे सिद्ध करने के तरीक़े हैं। मानवता एक विसंगति है। किसी बड़े उद्देश्य के बिना सारा जीवन विसंगति है। सच यह है कि मानवता का पूर्वनिर्धारित उद्देश्य है: ब्रह्मांड को व्यवस्थित करना। यदि भाग्यशाली रहे, तो हमारे पाले जीव और बनाई मशीनें, जब उन्हें हमारी ज़रूरत नहीं रहेगी, तब भी आने वाले हज़ारों वर्षों तक हमारे नियंत्रण और मार्गदर्शन में रहेंगे। काश पूरी दुनिया अमीश होती, तो मानवता के सामने ऐसी दुविधा न होती। मनुष्य एक जाति के रूप में पूर्ण नहीं हैं, लेकिन कुल मिलाकर मनुष्य होना अच्छा है, यह मानते हुए कि मैं मनुष्य हूँ, न कि किसी परग्रही वीडियो गेम केंद्र में मनुष्य का खेल खेल रहा हूँ। बस एक विचार। "अच्छाई और बुराई से परे", धन्यवाद फ़्रीडरिख़ नीत्शे। कहते हैं कि यदि किसी को सही और ग़लत का भेद नहीं पता तो वह आपराधिक दृष्टि से विक्षिप्त है। सच यह है कि तुम्हें सही और ग़लत में विश्वास करना ज़रूरी नहीं और

31 फिर भी मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हो... बशर्ते समझो कि कौन-सी संस्कृति तय करती है कि "बहुत आगे जाना" क्या है। उदाहरण के लिए, कभी नहीं कह सकते कि किसी को मारने जा रहे हो, जब तक निर्वाचित पदों पर बैठे लोगों को कुल मिलाकर उसके किए जाने से आपत्ति न हो... तब ठीक है, बशर्ते संबंधित व्यक्ति वैध रूप से चुना गया अधिकारी न हो... फिर भी पूरे मामले में पेचीदगियाँ हैं, इसलिए बेहतर है उस क्षेत्र में बिल्कुल न जाना, जब तक "सेंट्रल इंटेलिजेंस" से सीधे जुड़े न हो। इसकी समस्या और समाधान विश्वव्यापी षड्यंत्र है, जो है भी और नहीं भी। इंटरनेट संसार की बुद्धि है; उसमें गहराई तक जुड़े लोग विश्व के ख़ुफ़िया समुदाय को नियंत्रित करते हैं। तथ्य यह है कि वे दुनिया की सरकारें पहले ही ठप कर सकते हैं, जो जुड़ी हुई हैं। सरकार जितनी इंटरनेट से गुंथी हो, WWW का उस देश और उसकी आबादी पर उतना नियंत्रण होगा। अमेरिकी सरकार दुनिया की सबसे असुरक्षित सरकार है। इंटरनेट के बुनियादी ढाँचे पर एक अच्छा वार (छह अच्छे चार्ज) देश को ऐसे अराजक स्तर तक पहुँचा सकता है जो "पहरेदारों की अदला-बदली" ले आए। यदि अमेरिका कभी अपनी सीमाएँ इतना लाँघे कि अंतरराष्ट्रीय ताक़तों को स्वतंत्रता के नाम पर देश का "प्रत्यावर्तन" करना पड़े, तो एक भी हथियार चलाने के बजाय ख़ुफ़िया व्यवस्था को "अनप्लग" करना और देश को इतने समय के लिए अंधा करना बेहतर होगा कि शांति बहाल हो और अवांछित तानाशाह हटाए जा सकें। यदि ऐसी परिस्थितियाँ आएँ, तो नियंत्रण बहाल करने का यह कहीं बेहतर और शांतिपूर्ण तरीक़ा होगा। तथ्य यह है कि एक राष्ट्र के रूप में हम जनता कहीं अधिक सुरक्षित हैं यदि आतंकवादी वास्तविक फ़ाइबर-ऑप्टिक लाइनों पर हमला कर रहे हों... बजाय इमारतों में विमान घुसाने के। इसलिए मैं कहता हूँ, आतंकवादियों के लक्ष्य TEK विनिर्देशों की ओर और आम नागरिकों से दूर मोड़ो; सभी ख़ुश, नुक़सान केवल बीमा कंपनियों और प्रशासन का, जो "ग़ैर-मानव लक्ष्यों पर शांतिपूर्ण हमलों" का प्रतिकार नहीं कर पाएँगे। यदि कभी ज़रूरत हो, बस 32 एक विचार, एक सपना जो मैंने कभी "V" नामक फ़िल्म में देखा था। तथ्य यह है कि हम आतंकवाद रोक नहीं सकते, लेकिन उसे अधिक प्रभावी दिशाओं में मोड़ सकते हैं। बस एक विचार, एक सपना जो कभी देखा था, इंटरनेट-विहीन संसार का; असंभव? कौन जाने, जाला हमेशा कुछ महत्वपूर्ण जगहों पर जुड़ा होता है और मकड़ी जाले के साथ गिरेगी। पेंगुइन! यह संभावना बनी हुई है कि 911 आदेश-श्रृंखला में

ग़लतफ़हमी थी। यह संभावना कि बुश प्रशासन ने जानबूझकर न्यूयॉर्क पर उस हमले का आदेश नहीं दिया, या कि बिन लादेन केवल एक कठपुतली है जो वास्तव में कभी था ही नहीं, कम से कम उस अर्थ में नहीं जिसमें "युद्ध सरदार" तुम्हें विश्वास दिलाना चाहते हैं। दिखाए गए कुछ वीडियो की कुछ बातें बहुत नक़ली लगती हैं। ऐसा ही हो ((((वास्तविकता)))) एंटीक्राइस्ट अप्रैल (मई) 24 (3), 6004 AL (2004 ce) cx। बस एक विचार जो शायद मुझे कभी आया था। आँखें बंद करता हूँ तो भी संसार देखता हूँ; आँखें बंद करता हूँ तो तुम्हें देखता हूँ। बस एक सपना जो कभी देखा था... बस एक विचार। प्रेम और घृणा दोनों के केंद्र में जुनून है। दर्द में भी महसूस करना अच्छा लगता है; सुन्नता जुनून और दर्द की गर्मी में पिघलती है। कभी गुनगुना न होना, हर दिन को आख़िरी दिन की तरह जीना... दर्द महसूस करो... और उससे प्यार करो, दर्द जीवन है, वह मुझे बताता है कि मैं जीवित हूँ, अब भी परवाह करता हूँ। मैंने सपना देखा कि प्रतिरोध में लड़ रहा हूँ... एक फ़्रीज़र में जागा और फिर ज़मीन पर लड़ा... जिन्हें ज़रूरत है उन तक खाना पहुँचाते हुए। अच्छा सपना, लड़ने के लिए आज़ाद होना। मुझे यक़ीन नहीं कि मेरे अलावा कोई वास्तविक है... बस मेरा संसार, मेरी कल्पना... मेरा अपना नरक और स्वर्ग। तो शायद प्रश्न यह है: क्या तुम वास्तविक हो? कभी एक दर्शन हुआ था... एक भुजा पर कठपुतलियाँ थीं; वह भुजा थी एक विशाल

मूल **PDF** का पृष्ठ **18**

33 ऑक्टोपस जैसे जीव की, जिसकी हज़ारों भुजाएँ थीं; उस जीव का नाम लूसिफ़र था। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (मई) 22 (1), 6004 AL (2004 ce) cx मेरी बेटी को जन्मदिन मुबारक। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 19 (26), 6004 AL (2004 ce) cx मुझे जन्मदिन मुबारक। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 18 (25), 6004 AL (2004 ce) cx 6004 AL (2004 ce) cx का शांति विकल्प नहीं है... खड़े हो! यह अंतिम खेल है WhiteHouse.gov.... Antichrist.gov Whitehouse.gov को अभी एक सर्वर दो! जो whitehouse.gov चलाता है, वही व्हाइट हाउस चलाता है। {तथ्य} तुम चुनाव से ख़ुफ़िया तंत्र में नहीं पहुँच सकते... जोसेफ़ बाइडेन एक नेता हैं। मैं नहीं हूँ... बनना चाहते हो? दुनिया में 6 अरब से अधिक लोग हैं... मेरी डायरी पढ़ने के लिए धन्यवाद। लिबर्टेरियन को वोट दो, शांति को वोट दो... किसी और को वोट दो 7:27 UNCIA न अल-क़ायदा के ख़िलाफ़ है, न उसके साथ। स्थिति के अनुसार निर्णय। 3:08 धन्यवाद क्रिस्टिन... मैं तुमसे प्रेम करता हूँ। 34 2:14 ठीक है, ज़ान्तागो एक और दिन जीता है। मुझे लगता है कि यह वेबसाइट पुस्तक के रूप में प्रकाशित करूँगा, केवल यह देखने के लिए कि किसी को "समझ आती है" या नहीं। बताते हुए दुख है कि यह एक खेल है, तुम हारते हो... मैं हारता हूँ, मुझे हारना पसंद नहीं। मुझे हारना इतना नापसंद है कि सारी मानवता का विनाश कर दूँ। दुखद... यही आतंकवाद का आधार है। प्रणालियाँ काम कर रही हैं, "अनुकरणकर्ता" सक्रिय है। AntiChist.com मेरी प्रेरणा था, अब मुझे चाहिए AntiChrist.gov. समस्या यह है कि नहीं जानता किसे धन्यवाद दूँ—अल गोर को (अल-क़ायदा से कोई संबंध नहीं), या उस पहले व्यक्ति को जिसने बनाया AntiChrist.com. जिसने सच में मुझसे बात की... मुझे समझाने की कोशिश की। तो यह "डेविड" की साइट है या NETNATIONS की। जो भी हो, यही मोर्चे की अग्रिम पंक्ति होगी। किसी भी तरह तुम मेरे सर्वरों की मदद कर सको... तो आभारी रहूँगा... उनके पास वही ख़ुफ़िया जानकारी है जो हम बताते हैं। वे कौन हैं? हम कौन हैं? हम। अंतरराष्ट्रीय ख़ुफ़िया जानकारी। इसे ग्रहण करने वाले छोर पर होने के लिए धन्यवाद। लगता है हाल में मेरी तरंगें ख़राब हैं?...? सुनो, शायद यह सच है, (((मैं))) रेडियोधर्मी हूँ। बुश जो बाक़ी कर रहा है, वह एंटीक्राइस्ट के लिए है... आसान बनाने के लिए, मारने के लिए। साफ़ कहूँ तो वे सब बलि के मेमनों का झुंड हैं (बुश प्रशासन)। वॉकर को मुक्त करो! अमेरिका

वह भूमि है जो हमने छीनी... मानवता... थोड़ी तो रखो। चाबी रखने वाले तुम ज़िम्मेदार हो, इसलिए चाबी आगे दो या उसे... 1:00 सच कहा जाए तो 9-11 की योजना फ़ाइट क्लब में बनी थी। जीवन कला का अनुकरण करता है...

35 नमस्ते। अंततः हर कोई मरता है और हमारे अस्तित्व के सभी प्रमाण अंततः मिट जाते हैं। मेरी दुनिया में स्वागत है। 12:42... मरती हुई नस्ल के आख़िरी लोगों में, जल्द विलुप्त होने को। यही प्रकृति है, मैं स्वीकार करता हूँ। इसलिए भविष्य में तुम्हें बताता हूँ: मैं पूर्ण नहीं था... उससे बहुत दूर, स्वतंत्रता सेनानी और आवारा के बीच कहीं। मैं ख़ुद को स्वीकार करता हूँ। मृत्यु... 12:50 12:33 आज रात मैं पहले ही दो बार मर चुका हूँ। मेरे सलाहकार कैसे हैं? मैं केवल प्रकृति और अपनी नश्वरता के आगे झुकता हूँ... क्षणभंगुर, पूरे ब्रह्मांड पर भी नियंत्रण होता तो फ़र्क़ नहीं पड़ता, समय सब मिटा देता है। यह युद्ध, प्रेम, सब... शत्रु हम स्वयं हैं, युद्ध अनावश्यक है। 12:11 जब चाहो पढ़ो। शायद यही सबसे अच्छा हो! मुद्दे पर लौटें... मैं 26 का होने जा रहा हूँ, सिंहासन पर मेरा दावा निर्विवाद है। विडंबना... मुझे यक़ीन नहीं कि तुम वास्तविक हो, या मैं... पागलपन... पागलपन कोई बहाना नहीं। सत्ता का नशा, वाह। देखो, मैं यह इसलिए लिख रहा हूँ क्योंकि अपनी इकलौती संतान छीन लेने के लिए मैं पूर्व पत्नी से नाराज़ हूँ। लगता है मेरी सारी नफ़रत का सार यही है, वह प्रणाली जिसने मुझसे वैसा पिता बनने का अवसर छीन लिया जैसा मैं बनना चाहता था। माँ को ख़ुद से अधिक दोष नहीं दे सकता, इसलिए मेरा ग़ुस्सा प्रणाली पर गिरता है। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 13 (19), 6004 AL (2004 ce) इराक़ को “उस अशांत इलाक़े में एक स्वतंत्र देश” कहना मुझे विडंबना लगता है (शब्दशः उद्धरण नहीं)। पहली बात, प्रशासन के ख़िलाफ़ बोलने वाले लोगों का शिकार करना स्वतंत्रता सिखाना नहीं है। दूसरी बात, “मध्य-पूर्व के लोग 36 शत्रु नहीं हैं!” हम सब इस ग्रह पर साथ हैं। अमेरिकी जिहाद इस प्रशासन का नाम होना चाहिए... यह शासन, जो अस्थायी रूप से पद पर है और अभी हमारे सैनिकों का दुरुपयोग कर रहा है। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 8 (14), 6004 AL (2004 ce) cx मैं इतना भी बुद्धिमान नहीं हूँ। केवल मनुष्य... बहुत कुछ कर सकता हूँ, लेकिन बस कुछ काम पूरे करने की योजना है। मैं बहुत भाग्यशाली हूँ और यदि तुम यह पढ़ सकते हो तो तुम भी बहुत भाग्यशाली हो। मेरी बकवास सुन लेने के लिए नहीं, बल्कि पढ़ पाने के लिए... नहीं, शायद दुर्भाग्यशाली हम ही हैं!

<!--ईमेल संदेश का उत्तर--> तुमने जो भी कहा है, सच है। मैंने इस पर बहुत देर तक, गहराई से सोचा है। तो मुझे लगता है तुम सहमत हो सकते हो कि यह मानवजाति का अंत है। कुछ पीढ़ियों में मानवजाति चली जाएगी और नए प्रकार की मानवता होगी। समस्या यह है कि भविष्य अधिक “ग़ुलामी-आधारित” मानवता लाता है। कम स्वतंत्रता, कम निजी चुनाव। यदि तुम्हें पत्थर लगाने वाला बनाने के लिए पैदा किया जाए, तो जन्म से उसी का प्रशिक्षण मिलेगा। कहीं अधिक कुशल। समस्या निजी स्वतंत्रता है, या उसका पूरी तरह अभाव। मेरी दृष्टि में मानवता चाहे कितनी अपूर्ण हो, उसमें कुछ बचाने योग्य गुण हैं। प्राकृतिक चयन वर्षों से काम करता आया है... शायद दस हज़ार वर्षों में स्वतंत्र दुनिया के प्राकृतिक चयन से मानवता पूरी तरह बदल सकती है। जिसकी अनुमति देने का तुम प्रस्ताव करते हो, वह मानवता को ग़ुलाम नस्ल बना देगा और विकास की गति 10 गुना कर देगा। सच यह है कि इसे रोका जा सकता है, हमारे पास इसके साधन हैं। स्वतंत्रता के लिए मरना ग़ुलामी में जीने से बेहतर है। यह भविष्य के लिए पहले से की जाने वाली कार्रवाई है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **20**

37 बात यही है। इस समय हम एक ऐसा नेटवर्क बना रहे हैं जिसके पास "बेकाबू नेताओं" से लोगों की रक्षा करने की शक्ति और उद्देश्य होगा। हम यह नेटवर्क अभी इसलिए नहीं बना रहे कि अभी इसकी ज़रूरत है, बल्कि इसलिए कि अगर इसे बनाने के लिए हम इंतज़ार करेंगे, तो बहुत देर हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर कभी कोई अमेरिकी राष्ट्रपति अपने निर्वाचित कार्यकाल से अधिक समय तक या मार्शल लॉ के ज़रिए पद पर बने रहने का फ़ैसला करे। समस्या को ठीक करना और देश को फिर से लोगों के हाथों में लौटाना हमारी ज़िम्मेदारी है। शायद ऐसा कभी न हो, लेकिन अगर कभी हो तो हमें तैयार रहना चाहिए। <!--ईमेल संदेश का उत्तर समाप्त--> एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 8 (14), 6004 AL (2004 ce) cx संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय ख़ुफ़िया एजेंसी, या U.N.C.I.A.। क्या वह 9/11 के हमलों में अमेरिकी सरकार की भूमिका की जाँच कर रही है? संयुक्त राज्य अमेरिका की CIA को अंतरराष्ट्रीय हाथों में लिया जा रहा है। CIA अब DHS, FBI, NAS को जानकारी नहीं देगी... जानकारी UNCIA में आती रहेगी। शत्रुतापूर्ण कार्रवाई और बुश प्रशासन की पूरे विश्व पर प्रभुत्व जमाने की कोशिशों का यही एकमात्र उचित जवाब है। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 6 (12), 6004 AL (2004 ce) cx यहाँ लिखा गया है कि "FFTAC की संपत्ति" सामुदायिक है और फ़िलहाल मेरी देखरेख में है। अगर मैं कभी अपने कर्तव्य निभाने में असमर्थ हो जाऊँ, तो न्यायाधिकरण FFTAC की किसी भी और सारी संपत्ति पर नियंत्रण बनाए रखेगा; वह कभी "केंद्र में वापस" नहीं लौट सकती और न ही बेची जा सकती है। एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 6 (12), 6004 AL (2004 ce) cx नॉस्ट्राडेमस जैसे लोगों के सामने मैं नतमस्तक हूँ, यह जीवन से भी अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि यह आगे भी जीवित रह सकता है.... हर बार जब मैं ख़ुद को मरते हुए देखता हूँ... 38 आतंकवाद काम करता है... अगर तुम उसे कारगर बनाओ। हमारे पास CIA है। मेरा फ़ैसला मत करो... जब तुम किसी संगठन का नेतृत्व करते हो और शीर्ष पर बैठकर ऐसे फ़ैसले लेते हो जिनसे जानें जाती हैं, तो मनुष्य गिरेगा। तीसरे दिन की भोर, सोना अच्छा विचार है। स्किज़ोफ़्रेनिया बुरा विचार, नींद की कमी और विषैले पदार्थ। मैं सोचता हूँ कि सद्दाम हुसैन कैसे हैं? हमने उन्हें सत्ता में क्यों बिठाया और हटाया? ओह हाँ, पैसा... “मसाले का प्रवाह बना रहना चाहिए।” मैं ख़ुद इराक़ की सड़कों को देखना चाहूँगा, इराक़ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रोकना मुझे चिंतित करता है। इससे केवल और विद्रोह होगा... मानव स्वभाव, लड़ाई... वहीं बने रहने और तेल चुराने की और वजह। जवाब छल-कपट? मित्र देशों के सैनिकों: तुम अमेरिका को अमीर बनाए रखने के लिए लड़ते हो स्वतंत्रता सेनानियों: तुम मित्र देशों के सैनिकों के हाथों खेल रहे हो हम सब अपना-अपना हिस्सा निभाएँ, तो इस ग्रह को देखते ही देखते समतल कर सकते हैं। सोचता हूँ, क्या हम अपने कुछ सर्वर इराक़ में ज़मीन पर लगा सकते हैं? Unix या Windows? यह कैसी विकृत सनक है... टिक, टॉक एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 5 (12), 6004 AL (2004 ce) यह उनके लिए सबक़ हो जिन्हें इसकी ज़रूरत है, और उनके लिए प्रेरणा जिनमें उसकी कमी है। मैं न बेहतर हूँ, न बदतर। व्हाइट हाउस की इस नव-नाज़ी सत्ता में प्रशासन चाहता है कि हम मान लें कि यह "US" बनाम "अरब" है। "व्हाइट हाउस" को भूल जाओ, राजनेता उन निगमों की कठपुतलियाँ हैं जिन्हें हम नियंत्रित करते हैं। भविष्य का रास्ता यही है। तुम यहाँ दुनिया को अपनी शक्ति दिखाते हो, यहाँ तुम मानवजाति के पूरे जगत को बना या बिगाड़ देते हो। यही नियंत्रण केंद्र है और मेरे

मूल **PDF** का पृष्ठ **21**

39 की-स्ट्रोक सीधे दैत्य के हृदय में दर्ज होते हैं। यह इस बात का प्रतिबिंब है कि एक जनसमूह के रूप में, एक "मानव जाति" के रूप में हम कौन हैं। इसे पढ़ने के लिए मैं तुम्हारा धन्यवाद करता हूँ, और एक तरह से चाहता हूँ कि तुम इसे न पढ़ो। बेशक यह

तुम्हारे लिए ही रखा गया है, लेकिन फिर भी... भविष्य का रास्ता यही है। यहाँ हम एक चीज़, एक नाम पर नियंत्रण के लिए लड़ते हैं, एंटीक्राइस्ट। जब हम इस नाम, इस अनमोल चीज़ के लिए मरते दम तक लड़ते हैं, तो तुम्हारे लिए यह समझना ज़रूरी है कि क्यों। क्योंकि "उस नाम" को पाना और अपने पास रखना सम्मान दिलाता है। क्योंकि वह साइट अंततः किसी न किसी तरह मानवजाति के उद्धार की ओर ले जाएगी। AntiChrist.com मानवजाति का लयमापी है, इसलिए नहीं कि तुमने उसे ऐसा बनाया; तुम्हें बस उस पर नियंत्रण रखने दिया गया है। वैसे ही जैसे मुझे नियंत्रण रखने दिया गया है anti-christ.net. लोग मेरी पीठ की रक्षा करते हैं... मैं अक्सर असमर्थ होता हूँ। मैं इसकी क़द्र करता हूँ, उसकी जो भी क़ीमत हो। अगर मेरे जानने वालों को कुछ चाहिए, तो मैं भी उसे पूरा करवाने के लिए अपनी राह से बहुत दूर जाने को तैयार हूँ... अगर मैं US का राष्ट्रपति होता, तो सबसे पहले व्हाइट हाउस को धूसर रंग से रंगता, और उसका नाम रखता अपरिहार्य के विरुद्ध प्रतिरोध का केंद्रीय मुख्यालय। मैं सारी सामाजिक सहायता बंद कर देता, और लोगों को उनके घरों से बाहर निकलने के लिए मजबूर करता। मैं बंदूकें और आसानी से उपलब्ध करवाता ताकि तुम अपने परिवार और दोस्तों को उन बाहरी लोगों से बचा सको जो शायद तुम्हारा खाना या भौतिक संपत्ति चाहते हों। मैं सुनिश्चित करता कि जेलें रिहाई या मृत्युदंड से पहले फ़ैसले की अस्थायी जगहें ही हों; वहाँ 80 साल तक रुकना न होता, कभी एक साल से अधिक नहीं। 40 मैं नियंत्रित अराजकता की नीति लागू करता, जिसमें बार-बार हिंसक प्रवृत्तियाँ दिखाने वालों के लिए तुरंत मौत का फ़ैसला होता। मैं बहुत क्रूर तानाशाह होता, और मुझे इससे नफ़रत होती, और प्यार भी। दुनिया इस तरह नहीं चलती, और अब मेरा कुछ हद तक सँभला हुआ स्वरूप, डरा हुआ और कड़वाहट से भरा। मैं अब भी प्यार करता हूँ। मुझे अब भी अपने जानने वाले और कभी जान चुके सभी लोगों की परवाह है। पहले (2 तारीख़ को) मैं ग़ुस्से में आया हूँ और किसी दूसरे को नीची नज़र से देखा है, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। सचमुच मैं हर उस व्यक्ति का सम्मान करता हूँ जो परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत करता है। मैं इतना जानता हूँ कि जो भी आदमी अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए अपनी जान दे दे, वह अच्छा इंसान ही होगा। मैं उसका सम्मान करता हूँ और मुझे किसी को "पागल जानवर" कहने का कोई अधिकार नहीं था। शायद मैं सिर्फ़ "यह मेरी विशेषता नहीं" लिख सकता था, ये वे लड़ाइयाँ नहीं जिनमें मैं उतरना चाहता हूँ। लेकिन मैं सिर्फ़ एक आदमी हूँ, यहाँ मैं केवल एक आदमी हूँ। AL SADR, यह क्या है! मैं तुम्हें समझाता हूँ, अमेरिकियों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता... लेकिन किसी और के लिए नहीं? एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 2 (9), 6004 AL (2004 ce) cx तो कुछ हद तक प्रतिकूल परिस्थितियाँ मुझे फलने-फूलने देती हैं, समस्याएँ सुलझाना मेरा पसंदीदा शगल है। मुझे मानना होगा कि मेरे लिए भी पिछले कुछ हफ़्ते धमनीविस्फार पैदा करने के लिए काफ़ी रहे हैं। ऊपर उठो! ये सारी चीज़ें बस मेरे आसपास हैं। हाँ, वे मुझ पर असर डालती हैं... लेकिन जो चीज़ें "मुझ पर" घटती हैं, वे यह तय नहीं करतीं कि मैं कौन हूँ; मैं उनसे कैसे निपटता हूँ, वह तय करता है। हम सबकी समस्याएँ और बुरी आदतें हैं, लेकिन हम सब उनसे अपने-अपने तरीक़े से निपटते हैं। यही हमें अनोखा बनाता है, यह उन बातों में से एक है जो सचमुच हमें एक-दूसरे से अलग करती हैं। जिस तरह हम प्रतिकूल परिस्थितियों को सीखने के साधनों और ताक़त में बदलते हैं। मेरी पूर्व पत्नी की माँ ने एक बार मुझसे कहा था, "

41 अगर तुम लड़ाइयाँ नहीं जीतते, तो युद्ध जीतने की उम्मीद कैसे कर सकते हो", पीछे देखता हूँ तो मैंने विवाह को लड़ाई नहीं माना था। मैंने हमारे रिश्ते को युद्धभूमि नहीं माना था, लेकिन मुझे फँसा हुआ और ग़ुलाम ज़रूर महसूस हुआ था। बात यह है कि मुझे ग़ुलाम महसूस करने की ज़रूरत नहीं, और मुझे हर बातचीत, हर बहस को लड़ाई मानने की ज़रूरत नहीं, जीवन कोई

युद्धभूमि नहीं है। कभी-कभी होता है... मैं उनसे लड़ता हूँ जो मुझे धोखा देना चाहेंगे, जो मेरा फ़ायदा उठाना चाहेंगे, जो मुझे नष्ट करना चाहेंगे, उन्हें मैं अपने दाँत दिखाता हूँ... मैं उन्हें निगल जाता हूँ और मुझे इसमें आनंद आता है। यह मेरा अँधेरा पक्ष है, मुझे इस पर गर्व नहीं, पर ख़ून की गंध मुझे मीठी लगती है, मार डालने का रोमांच... तो जब लोग मुझसे उलझना चाहते हैं, अगर उनके ख़ून में दम है, देखो उनकी आत्मा शुद्ध और गहरी है या नहीं, और अगर है... तो मुझे मार डालने में आनंद आता है। सच में किसी पागल जानवर का ख़ून, किसी मृत शिकार का मांस, किसी आसान शिकार का मांस मेरे लिए नहीं है। मेरे लिए बात है मार डालने के रोमांच की, उसके औचित्य पर गर्व की... एक योग्य प्रतिद्वंद्वी को मार गिराने की। जब कमज़ोर या पागल जानवर मेरा ग़ुस्सा भड़काने की कोशिश करते हैं तो मुझे कुछ झुँझलाहट होती है... दूषित, आसान शिकार, जिसमें कोई रोमांच नहीं... कोई असली चुनौती नहीं, बिना किसी अच्छे कारण मुझे चिढ़ाने की बस एक कमज़ोर और क्षीणबुद्धि कोशिश, मैं वहाँ से चला जाता हूँ। उस बातचीत से न अधिक समझदार, न अधिक ताक़तवर, बस परेशान। तुम्हें युद्ध चाहिए, मुझे लड़ाई पसंद है, तुम मुझ पर हमला करना चाहते हो, तो आओ... किसी स्तर पर तुम जीत सकते हो... बस कोई अच्छा कारण होना चाहिए, जिस बात में तुम्हारा विश्वास है उसके लिए दिल से लड़ो, क्योंकि अगर तुम लड़ना और मारना चुनते हो, और जीतते हो... अगर पता चलता है कि तुम किसी बड़ी व्यवस्था के लिए लड़ रहे थे तो तुम मुझे शहीद बना देते हो। मैं शहीद नहीं बनना चाहता। अगर तुम सत्ता के नाम पर मुझसे लड़ते हो और जीतते हो, तो तुम्हें अच्छी तरह पता होना चाहिए कि तुम्हें यह सत्ता क्यों चाहिए। अगर तुम सत्य और समझ के लिए मुझसे लड़ते हो, तो मैं तुम्हारी सराहना करता हूँ, वही मेरी लड़ाई और मेरी युद्धभूमि है। सत्य, समझ और अस्तित्व की खोज। यही उसका सार है। इसके लिए मुझसे लड़ो और मैं तुम्हारा सम्मान करूँगा, चाहे तुम जीतो या नहीं। लेकिन क़सम से, जीवन की रोज़मर्रा की लड़ाई मुझे उबाती है, मैं 42 अधिक गहरी प्रतिकूलता में फलता-फूलता हूँ, उन विचारों के कारण को समझने की चुनौती में, जो हमें सोचने तक ले जाते हैं। वह रासायनिक आवेग जो हमें यह सोचने को प्रेरित करता है कि हम मौजूद भी हैं। कि किसी तरह हम समझते हैं कि हमें जीने का हक़ है, कि किसी तरह हम पृथ्वी, प्रकृति के अपने संहार को उचित समझते हैं। मैं इसे भविष्य में देखता हूँ, मैं यह सब देखता हूँ, और इससे मेरी आँखें लगभग भर आती हैं। तो आज मैं स्वतंत्रता की क़ीमत पर "परिवार" के लिए लड़ता हूँ। अब मैं मानवता की क़ीमत पर प्रकृति के लिए लड़ता हूँ। अराजकता के लिए, क्योंकि वह मुझे सुंदर लगती है। उसके नीचे मौजूद व्यवस्था के लिए, क्योंकि उसे होना ही चाहिए, जैसे वह हमेशा रही है। मैं स्वतंत्रता के लिए लड़ता हूँ, क्योंकि वह आदर्शवादी है और सचमुच केवल ख़ून बहाने का बहाना है। तो मेरी चीख़ सुनो, मैं संत नहीं हूँ, मैं यहाँ तुम्हें गिरते देखने आया हूँ, निर्दोषों के ख़ून को मूर्खों के ख़ून से सानने। मैं यहाँ तुम्हें पुकारने आया हूँ, मेरे लोगो, ताकि तुम मुझे सुन सको, और अपनी पूरी सामर्थ्य से तुम्हारे परिवारों का ख़ून बहने से बचा सकूँ। मैं यहाँ पृथ्वी के शुद्धीकरण और मानवजाति के उद्धार में मदद करने आया हूँ। अगर तुम मेरे रास्ते में आए, तो तुम्हारी निष्ठा जहाँ टिकी है उससे मुझे निराशा होगी, और मैं तुम्हारी ऊर्जा को मृत्यु के उत्प्रेरक के रूप में इस्तेमाल करूँगा। यह मेरा वचन है, मेरा प्रमाण-वचन, Ghrisx का एकमात्र प्रमाण-वचन जब तुम मेरे लिए प्रार्थना करो, मुस्कुराना।

मूल **PDF** का पृष्ठ **23**

43 एंटीक्राइस्ट अप्रैल (अप्रैल) 1 (8), 6004 AL (2004 ce) cx अप्रैल आ गया है, मेरे जन्मदिन के लिए बेझिझक नक़द दे सकते हो, वह 19 को है। मेरी बेटी नोरा का जन्मदिन भी इसी महीने है। जन्मदिन मुबारक, मैं अक्सर 1999 के उस दिन के बारे में सोचता हूँ। मैं हमेशा तुम्हारा पिता रहूँगा और क़सम खाता हूँ कि एक सामान्य पिता की तरह तुम्हारी ज़िंदगी में रहने के लिए कुछ भी कर देता। बस आशा करता हूँ कि जिस आदमी को तुम अपना पिता जानती हो, वह तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार

करता हो, तुम्हारा जीवन जितना हो सके सामान्य हो। मैं कभी हार मानना नहीं चाहता था, तुम्हें जाने देना नहीं चाहता था। अफ़सोस है कि मैं अधिक मज़बूत नहीं था, अफ़सोस है कि जीत नहीं सका। मैं हर दिन, हर दिन के हर घंटे तुम्हारे बारे में सोचता हूँ। सोचता हूँ कि तुम कैसी दिखती होगी और क्या तुम्हारी ज़िंदगी अच्छी है। आशा है कि अच्छी हो, तुम्हारे माता-पिता अच्छे हों और तुम सीख रही हो और आगे बढ़ रही हो। आशा है कि तुम ख़ुश हो, आशा है कि तुम्हें पता न हो कि मुझे तुम्हारी कितनी याद आती है। क्योंकि आती है... लगातार। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। कभी भी किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो मुझे बताना।

44 मार्च 2004 मार्च (अप्रैल) 30 (6), 6004 AL (2004 ce) मुझे जंगल में बारिश की आवाज़, नम हवा और कीचड़ की गंध अच्छी लगती है। गहरे भीतर... मार्च (अप्रैल) 29 (5), 6004 AL (2004 ce) तो अगर उन्हें पता चले कि राष्ट्रपति की कैबिनेट ने 9-11 को WTC का समन्वय किया था, तो प्रशासन अंतरराष्ट्रीय हाथों में सौंप दिया जाएगा। मैं क्या जानता हूँ? कुछ नहीं। यह सब विचारों और कर्मों का एक जटिल जाल है। सचमुच यह जानने का कोई तरीक़ा नहीं कि कौन-सी नस किस विचार के लिए ज़िम्मेदार है या कैंसर कहाँ से आता है। बस संभाव्यता और उत्तेजनाओं का जटिल खेल, जिससे वह स्पष्ट परिणाम निकलता है जो अंततः मृत्यु है... किसी न किसी तरह मौलिक विचार का पाप, या यह संभावना कि गहन विचार जनसमूह की पाशविक शक्ति को नियंत्रित करता है। परमाणु हथियार... दुनिया इतनी बड़ी नहीं है। सोचता हूँ कि इसके बाद आने वाला जीवन क्या इसे पढ़ सकेगा? सोचता हूँ कि क्या हम उन्हें अपनी ग़लतियाँ दोहराने से रोक सकते हैं। सोचता हूँ कि इसका कोई मतलब भी है या नहीं। ज़ाक वेर्जेस, तुम संत हो। आशा है कि तुम दुनिया को पूरी तस्वीर दिखाने में मदद करोगे। मैं जानना चाहूँगा कि प्रणालियाँ आबादियों का संहार कैसे करती हैं, ऐसी प्रणाली काम कैसे करती है? मृत्यु की मशीन, तुम्हें जानना चाहिए कि मेरे सूत्र बताते हैं कि इराक़ में इस्तेमाल किए गए वे हथियार USA से आए थे और सद्दाम USA की छोटी कठपुतली है। सचमुच USA ने सद्दाम को सत्ता में बिठाया और हथियार दिए। तो क्या मुक़दमा USA पर नहीं चल रहा? क्या बस एक कठपुतली को हटाकर दूसरी बिठाने का समय है? क्या जनसंहार प्रशासन का लक्ष्य है? प्रणाली के कौन-से हिस्से जनसंहार को जन्म देते हैं? चर्च? अंतिम संघर्ष, आस्था, जो नस्लवादी हिंसा और बिना वास्तविक उद्देश्य वाले युद्धों में प्रकट होती है। तो ऐसा ही सही, चर्च सारी बुराई की जड़ है, इसलिए प्रशंसा करो और सिर झुकाओ

मूल **PDF** का पृष्ठ **24**

45 दैत्य के सामने, चर्च के सामने। चर्च के क़ानून हैं और कुछ सभ्यता की दिशा से टकराते हैं, इसलिए चर्च को मिटाना होगा। उसे नया चर्च बनाना संभव है, लेकिन विरोध करोगे तो नष्ट कर दिए जाओगे। हम इल्यूमिनाटी चर्चों को अपने हाथों में रखते हैं और तय करते हैं कि वे जिएँ या मरें। हम तय करते हैं कि प्रणालियाँ उठें या गिरें। तुम उस प्रक्रिया का हिस्सा हो। इसे पढ़कर तुमने इसे शक्ति दी है, इसे और वास्तविक बनाया है। दुनिया का तरीक़ा यही है, अब तुम जानते हो। नरक से आती चमकती रोशनी, अँधेरा उस रोशनी को कहीं अधिक स्पष्ट बनाता है। तो प्रभारी कौन है? यह लगातार बदलता रहता है, एक व्यक्ति से दूसरे की ओर खिसकता है, लगभग ऐसे जैसे हर किसी को सचमुच पंद्रह मिनट मिलते हों। लगभग, लेकिन पूरी तरह नहीं; हर किसी को अनुमति नहीं, हर किसी के पास कुछ ऐसा नहीं जो कहा या किया जाना चाहिए। लगभग ऐसा लगता है कि हर किसी में आत्मा नहीं, कुछ लोग बस ख़ाली लगते हैं। शायद यह किसी का किया मेरा सबसे बड़ा अपमान है। आत्मा क्या है? सचमुच वह जुनून है, तुम्हारे लक्ष्यों के भीतर का प्रकाश। अँधेरा भव्य है, लेकिन ख़ालीपन दुखद। हर चीज़ अँधेरे से घिरी है, स्वयं अनंत, अथाह गर्त; हम सूर्य के इतने पास हैं कि कभी-कभी भूल जाते हैं कि गर्त कितना विशाल है और हम कितने छोटे। हम सब इस चट्टान पर साथ हैं, ऐसी प्रणालियाँ बना रहे हैं जो अंततः पूरे ब्रह्मांड में व्यवस्था उत्पन्न करेंगी, सब कुछ व्यवस्थित कर देंगी, निर्धारित क्षेत्रों

को छोड़कर अराजकता और मौलिक विचार का पूर्ण उन्मूलन। सोचता हूँ कि वह कैसा दिखेगा? सीधे संपर्क से बस एक फ़ोन कॉल, ईमेल, IM और एक लंबी पैदल यात्रा? भर दूर? हमें इस समय बिन लादेन के अभी जीवित होने, उसके अस्तित्व का प्रमाण चाहिए; न देखना न मानना है और यह ख़तरनाक है, पूरी प्रणाली को कमज़ोर कर सकता है। इसलिए हमें किसी भी स्थिति का प्रमाण चाहिए, जीवित या मृत। वरना 46 हमें मानना होगा कि वह मौजूद नहीं है और उसी अनुसार आगे बढ़ना होगा। एक लक्ष्य से दूसरे तक, रुकावट प्रणाली पर अत्यधिक बोझ डाल सकती है। प्रणाली को ////रु/क//वा//ओ और तुम प्रणाली पर नियंत्रण कर लेते हो। तो क्या तुम जानते हो कि इस समय दुनिया को कौन नियंत्रित करता है? लगता है आतंकवादी नियंत्रण में हैं, वे चुनाव को भी एक ओर या दूसरी ओर झुका सकते हैं। बड़े पैमाने पर हमला हुआ तो बुश जीतेगा। अमेरिकी धरती पर कोई हमला न करे तो बुश हारेगा। तो तुम देख रहे हो कि आतंकवादी अमेरिकी सरकार को नियंत्रित करते हैं। मांसाहारी प्रवृत्तियाँ शायद हमें लोगों को ज़िंदा खाने पर बुरा महसूस न करने दें, लेकिन निश्चित ही हममें विवेक है। जनसमूह का ग़ुस्सा समर्थन करेगा या विरोध। रक्तपिपासु आहार अधिक आक्रामक व्यवहार को जन्म देता है। क्यों? शिकार करना या संग्रह करना... संग्रह करने वालों को अधिक शांत होना पड़ता है, शिकारियों को अधिक आक्रामक। तो हाँ, एटकिन्स आहार अधिक आक्रामक संस्कृति पैदा करता है, कुल मिलाकर अधिक रक्तपिपासु। बेशक वह दुनिया में प्रकट होगी, लेकिन सेरोटोनिन की कमी? मार्च (मार्च) 24 (28), 6004 AL (2004) सवाल? अगर मेरे पूरे जीवन का हासिल एक सोफ़ा हुआ तो लगता है वह बुरा नहीं। अगर मेरे जीवन का हासिल लकड़ी की एक अनोखी किताब हो, जिस पर कुछ चुने हुए लोगों ने लिखा हो, एक नए तरह का अभिजात वर्ग... आपसी जुड़ाव को काम करते देखने का प्रयोग, जमीनी जड़ों का एक बिल्कुल नया अर्थ। हम सब आपस में जुड़े हैं; तुम मुझसे बात करते हो, मैं उसमें से कुछ दुनिया के सामने अपनी आँखों से व्यक्त करता हूँ। फिर तुम उसके बारे में सोचते हो। सामने का विषय और भीतर छिपा अर्थ। मैं ख़ुद को व्यक्त करने का डर समझ सकता हूँ, जीवन में तुम जो बनाते हो, वही तुम हो। तुम वे चीज़ें हो जो इस दुनिया में भेजते हो। मेरी नज़र में मैं अपने पीछे मृतकों और अराजकता की एक लकीर छोड़ जाता हूँ। बस मनुष्य का स्वभाव, फिर भी मैं महसूस करता हूँ, आशा करता हूँ और प्रेम करता हूँ। यह मेरा जीवन है, मैंने जो या जैसा हूँ वैसा होना नहीं माँगा, मैं बस हूँ। ब्रह्मांड में अंत:क्रियाओं का तरीक़ा यही है, प्रकृति बनाम पालन-पोषण; अनिवार्य रूप से हमारी आनुवंशिक प्रवृत्तियाँ फलती-फूलती हैं या

47 मर जाती हैं। जियो और मरने दो... लगता है तुम्हें अपने आसपास के जानवरों के शवों पर बेझिझक दावत उड़ानी चाहिए, और एक दिन जब मानवता खाद्य-शृंखला के शीर्ष पर नहीं रहेगी, तो आशा करता हूँ कि उसे कम-से-कम उतना सम्मान मिले जितना हमने अपने भोजन को दिया है। किसी उद्देश्य के लिए बनाए गए जीवित जानवर, तुम सपना देखो, हम बनाते हैं। यही भविष्य है, यही वह दिन है जब हम अपना विलुप्त होना तैयार करते हैं। तो वह क्या होगा? परमाणु विनाश? मांस खाने वाले जानवरों की नई नस्ल? जैविक युद्ध? या लंबे समय में आधुनिक मानवता का धीरे-धीरे विलुप्त होना? मानवजाति के इतिहास का यह निर्णायक समय है, हम महत्त्वपूर्ण समय में जी रहे हैं। ब्रह्मांड की नज़र में हम धूल के क्षणभंगुर कण हैं, लेकिन मानवता के लिए निर्णायक हैं। यह मेरा वचन है, दूषित और नफ़रत से भरा, यह बाद के मलबे में मेरा वचन है... हमारी दुनिया की बढ़ती रफ़्तार की पीढ़ियाँ। क्या स्वतंत्रता इतनी अच्छी बात है? मुझे यक़ीन नहीं, लेकिन स्वतंत्रता की ओर ही हम बढ़ने की कोशिश करते हैं। लगता है लोहे के परदे के दोनों ओर रहस्य है, इसलिए उसकी भरपाई ऑडियो, वीडियो और यहाँ तक कि मानवीय निगरानी से करते हैं। परदा खुलने और परिचय होने से पहले देखना कि दूसरी ओर क्या है। कौन किसे देख रहा है? एक संभावित

वैचारिक पहेली से डरकर भागना। संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों के रूप में "हम" अपने अलावा किसी की परवाह नहीं करते; हममें बहुत-से लोग जो युद्ध की सच्चाई जानते हैं, उसे USA की भलाई के लिए आवश्यक बलिदान भी मानते हैं। (कुँवारियों को ज्वालामुखी में फेंकने से इतना अलग नहीं।) "स्वतंत्रता सेनानियों" की यह नरबलि, 48 संयुक्त राज्य की रक्तपिपासु युद्ध मशीन के दैत्य को खिलाने के लिए। लेकिन उस ज्वालामुखी की तरह यह विस्फोट भी हमारे सीधे नियंत्रण से बाहर की प्राकृतिक शक्ति है। यहाँ से हम स्वतंत्रता सेनानियों को संदेश पहुँचा सकते हैं... यहाँ से हम प्रशासन को संदेश पहुँचा सकते हैं... हम सचमुच इल्यूमिनाटी हैं। मानव के उदय से?

यह प्रासंगिक नहीं, महत्त्व अभी का है। इस समूह के पास हमारी दुनिया के समाज का बुनियादी ढाँचा नष्ट करने की शक्ति है। हमारे पास सचमुच दुनिया की हर बत्ती बुझाने, जीवन देने और छीनने की शक्ति है। हम उस इलेक्ट्रॉनिक ईश्वर से, जिसे हमने बनाया है और अब भी नियंत्रित करते हैं, प्रार्थना करते हैं कि तुम समझोगे। दुनिया का तरीक़ा यही है, पुराने देवता मरे नहीं हैं, लेकिन धीरे-धीरे मरते प्रतीत होते हैं ताकि ईश्वर की उस धारणा के लिए जगह बने जो ग़रीबों को विनम्र रखती है और अमीरों को अपराधबोध से बचाती है, जब हम लोगों को सड़कों पर मरते देखते हैं। दुनिया का तरीक़ा यही है, हमें इसे पसंद करना ज़रूरी नहीं, इसमें सफल होना ज़रूरी है। असफल होने से मरना बेहतर है, जीवन अक्सर मृत्यु से कहीं बदतर हो सकता है। यहाँ अब "ईसाई सैनिक", जाओ अपनी सरकार के नाम पर हत्या करो? ताकि एक दिन कोई अरब, मुसलमान, यहूदी, बौद्ध, नास्तिक न बचे, केवल ईसाइयत, क्योंकि वह ईश्वर के नाम पर हत्या को प्रोत्साहित करती है; समा जाओ या मरो। यह मेरी लड़ाई नहीं, लेकिन मैं इसे देखता हूँ।

मूल **PDF** का पृष्ठ **26**

49 यीशु का विषाणु मृत्यु फैलाता है और मानवता को ग़ुलाम बनाता है। मानो मैं यह अफ़ग़ानिस्तान से लिख रहा हूँ, मानो मोर्टार की गोलाबारी सुन सकता हूँ, लिख रहा हूँ क्योंकि जानता हूँ कि जल्द मर जाऊँगा, लेकिन तुमने यह पढ़ा है तो शायद थोड़ा बेहतर समझोगे। मैं इराक़ के किसी गड्ढे या अफ़ग़ानिस्तान की किसी गुफ़ा में नहीं हूँ, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में हूँ, स्वतंत्र रूप से यह लिख रहा हूँ। कोई मेरा दरवाज़ा नहीं तोड़ रहा, कभी मुझे परेशान भी नहीं करता; मानना होगा कि यह स्वतंत्रता होना अच्छा है। भले ही मैं कभी मिलिशिया रखने या शिकागो शहर के ठीक बाहर इंडियाना में हथियारों के विशाल भंडार जुटाने के अपने अधिकार का प्रयोग न करूँ। लेकिन अच्छा है कि हमारे पास वह विकल्प है, यह जानना अच्छा है कि हम कभी भी उठकर अपनी सरकार से कह सकते हैं, "तुमने बुरा व्यवहार किया है और हम नियंत्रण ले रहे हैं", और सही ढंग से किया जाए तो यह US में क़ानूनी और अंतरराष्ट्रीय क़ानून के तहत स्वीकार्य होगा। इसलिए इराक़, अफ़ग़ानिस्तान में मरने वाला हर बच्चा, हर व्यक्ति... हर अमेरिकी के कंधों पर है; मेरी नज़र में, अगर तुम कुछ नहीं करते तो मानो तुमने ख़ुद बंदूक उठाकर बिना किसी उचित कारण एक बिल्कुल अजनबी को गोली मार दी हो। और यह दावा करना कि इससे अंत का आना रुक जाएगा, अपरिहार्य टल जाएगा, तुम्हें जानना चाहिए कि इससे प्रक्रिया तेज़ होगी। तुम्हें देखना चाहिए कि दुनिया भर में गूँजती गोलियों की आवाज़ हम सबको अपने विश्वासों के लिए हथियार उठाने को जगा देती है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस दुनिया में और शांतिपूर्ण, तेज़ वापसी में विश्वास करता हूँ। हमारी संस्कृति ज़हर है, वह जिस संस्कृति को छूती है उसे नष्ट कर देती है; हाँ, हमारे पास स्वतंत्रता है, लेकिन शांति और सद्भाव कभी नहीं। कई मायनों में हमने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए परिवारों का बलिदान दिया है। मुझे लगा है कि क्रूर तानाशाहियों में लोग एक-दूसरे के प्रति अधिक भले होते हैं और परिवार अधिक मज़बूत। शायद हम स्वतंत्रता चाहते हैं, लेकिन क्या क्रूर तानाशाही में हमारी स्थिति बेहतर हो सकती है? 50 तो आग के घेरे आकाश को गौरव और स्वतंत्रता

की कहानियाँ खिलाते हैं, लेकिन ज़मीन पर आतंक और पीड़ा रक्तपिपासा और बदले को जन्म देते हैं। इस स्थिति में हम शैतान हैं, लोगों को कीट-मारक में मक्खियों की तरह मरते देखना घिनौना है। कभी-कभी शारीरिक लड़ाई के मोर्चे पर ज़मीन पर होने के लिए मैं सब कुछ दे देता। इसके बजाय जहाँ हूँ वहीं रहूँगा और कर्म तथा अकर्म के परिणामों पर विचार करूँगा, जबकि मूलतः अँधेरे पर आक्रामक शब्द चिल्लाने के सिवा कुछ नहीं करता। मार्च (मार्च) 15 (19), 6004 AL (2004) cx जब मैं चिल्लाता हूँ तो वह समय और अंतरिक्ष में गूँजता है, क्या कोई मुझे, मेरी बात को नहीं सुन सकता? प्रकृति संरक्षण, एक प्यारी छोटी याद कि कभी प्राकृतिक दुनिया हुआ करती थी, जो अब कचरे से भरी और इस तरह व्यवस्थित है कि उसके संसाधन निगलने वालों की ज़रूरतें पूरी तरह पूरी हों। मैं मलबे के ढेर पर खड़ा हूँ जो कभी कारोबार की जगह था, या ऐसा लगता है। अब प्रकृति ने उसे ढक लिया है। कुछ के लिए, जो जीवन, प्रेम और आशा बनाते हैं—वह कोई काल्पनिक दुनिया नहीं। जीवन को सँजोओ, वह क्षणभंगुर है, बस पलक झपकने भर को हम यहाँ हैं। नरम मिट्टी में लाल कपड़े का चिथड़ा जीवन के चिह्न की तरह, भुलाया हुआ समय। उन शीतल पेय की बोतलों और जंग लगे ड्रमों से अलग नहीं जो इस पवित्र धरती पर बिखरे हैं। मार्च (मार्च) 13 (17), 6004 AL (2004) cx बस एक विचार। मैं बहुत समय सोचता रहता हूँ, इस तथ्य के बावजूद कि किसी चीज़ का मतलब नहीं। कभी-कभी इससे परेशानी होती है। यह जीवन है और उसके साथ आने वाली सारी चीज़ें। ग़ुलाम की तरह खटो ताकि जिन चीज़ों का भुगतान होना चाहिए, हो जाए। किस उद्देश्य से? मृत्यु और जीवन के आर-पार, काँच की मेज़ की तरह, हम बैठकर ख़ुद को देखते हैं। व्यर्थ गया एक जीवन भी त्रासदी है। मैं क्रोधित और कड़वाहट से भरा हूँ, अडिग... किस अंत के लिए? जीवन स्वयं उत्तरों की तलाश है, है न? जीवित रहना? जीवित रहने की मज़ेदार बात यह है कि फलने-फूलने के लिए तुम्हें

51 जीना चाहना ज़रूरी नहीं। जंगल हो या शहर, हम सब एक उद्देश्य के लिए जीते हैं। बेशक वह जीवित रहना है। अपने आसपास के अद्भुत लोगों के बावजूद मैं अवसादग्रस्त हूँ, जैसा अपने जीवन के अधिकांश समय रहा हूँ। अपने पतन के लिए मैं किसी को दोष नहीं देता, वे मानव के उदय से ही पहले से प्रोग्राम किए हुए हैं। यही जीवन है... अपनी सारी महिमा और अप्रियता के साथ। मैं कोई आदर्श या सुपरहीरो नहीं। शायद ठीक उसका उलटा, कैसा नहीं होना चाहिए उसका उदाहरण। यह मुझसे लो, जैसे तुमने मुझे पाया है... तुम्हारे भाग्य में पीड़ा है। मैं तुम्हें बस थोड़ा आश्वासन दे सकता हूँ कि वैसे भी इसका कोई मतलब नहीं। मैं यहाँ लड़ना चुनता हूँ क्योंकि यही वह जगह है जहाँ तुम मुझे सुनते हो। यही वह जगह है जहाँ अपने मतभेदों के बावजूद हम सहमत हैं। अब मैं बूढ़ा हो रहा हूँ। पूरा अस्तित्व बस एक तस्वीर में। मेरा पूरा जीवन एक फ़ाइल, जिसे अंततः मिटाया भी जा सकता है और नहीं भी। नया पृष्ठ... फिर क्या था? एक सवाल, एक खोज? नहीं, बस बकबक। सचमुच कोई मुद्दा नहीं; त्रासद है कि संयुक्त राज्य की सरकार इतनी निर्ममता से विनाश कर सकती है, सिर्फ़ ख़त्म हो चुके युद्ध को उचित ठहराने के लिए। शर्म की बात, एक राष्ट्र के रूप में गिरने से हमें डर लगता है और ऊपर बने रहने के लिए जितने लोगों या राष्ट्रों को कुचलना पड़े, हम तैयार हैं। नक़ली युद्ध, जानबूझकर हुई दुर्घटनाएँ। सब सिर्फ़ ऊपर बने रहने के लिए; सोचता हूँ कि इसके लिए मरने वाले लोग परिणाम से सहमत हैं या नहीं। आज (04) हम दिलचस्प समय में जी रहे हैं। हम अब भी इतने मानवीय हैं, जबकि अपनी मानवता छिपाने की कोशिश करते हैं... मार्च (मार्च) 9 (13), 6004 AL (2004) cx मेरा मानना है कि विजय का समय आ गया है, एकता की संभावित शक्ति का प्रयोग शुरू करने का समय। मुझे निराशा है कि सभी पक्ष सहमत नहीं। मुझे लगता है कि हमें "जीवित चर्चों" को FFTAC में सक्रिय होने का अवसर देना चाहिए। आस्था की जगह है, हमें 52 "चर्च ऑफ़ सेटन", "गोल्डन डॉन" जैसे जीवित चर्चों के साथ विक्कन, ड्रुइड और अन्य को अपनाना चाहिए। इस समय हम इस्लामी या ईसाई जैसे

"मृत चर्चों" की मदद नहीं चाह रहे, लेकिन उनके ख़िलाफ़ भी नहीं हैं। मार्च (मार्च) 2 (6), 6004 AL (2004) cx आज तुमसे क्या कहूँ? कुछ नहीं? शायद बस किसी ऐसी स्मृति की याद दिलाऊँ जो कभी तुम्हारे पास थी, या शायद और कुछ। भीतर देखो, मुझे लगता है तुम पाओगे कि यह केवल तुम्हारे लिए रखा गया है। बस इसलिए कि तुम ठीक-ठीक जान सको कि मेरे मन में क्या चल रहा था। इससे यह स्पष्ट नहीं होगा कि मैं कौन हूँ। मैं ख़ुद भी नहीं समझता। यह बस मेरे मन में प्रवेश का द्वार है। किसी भी कारण से तुम मेरे विचारों में ठोकरें खाते घूम रहे हो। कह सकते हैं कि मेरा मन पढ़ रहे हो। आनंद लो, यह अधिकतर मेरे लिए है, लेकिन जैसा कहा, रखा केवल तुम्हारे लिए गया है। वे परेशान करने वाले विचार जो सभी लोगों के मन से गुज़रते हैं? इतने अलग नहीं, भीतर की तह में नहीं। क्या तुम स्वर्ग के लिए प्रार्थना करते हो? अब कोई तुम्हें बचा नहीं सकता। स्वतंत्रता सेनानियों, धन्यवाद। मैं सचमुच तुम्हारी शक्ति की सराहना करता हूँ और जानता हूँ कि मैं तुम्हारे बराबर नहीं। ज़मीन पर लड़ने वाले तुम मुझे आशा देते हो। अपने विश्वासों के लिए जान देने वालों की मैं प्रशंसा करता हूँ। मैं तुम होना नहीं चाहता, लेकिन यदि कभी वह दिन आया तो आशा करूँगा कि मैं भी उतना मज़बूत हो सकूँ।

मूल **PDF** का पृष्ठ **28**

53 फ़रवरी 2004 फ़रवरी (मार्च) 28 (3), 6004 AL (2004) अब भी मुझे हैरानी होती है, हम सब कोई व्यक्ति, कुछ बनना चाहते हैं। हम ख़ुद को धुँधले आईने में देखते हैं, जो वास्तव में मुख्यतः वही दिखाता है जो हमें लगता है कि हमें देखना चाहिए। हमारे आसपास के लोग हमें सचमुच कभी उस तरह नहीं देखते जैसे हम दिखना चाहते हैं। इतने वर्षों के बाद भी कभी-कभी मैं ख़ुद को नहीं पहचानता, और दूसरे मुझे कैसे देखते हैं, यह दिलचस्प लगता है। अपने बारे में कहानियाँ सुनता हूँ तो हँसी आती है, वे बहुत ही कम सही होती हैं। कुछ तथ्यों पर आधारित, कुछ तो कभी हुई ही नहीं। मेरी पसंदीदा वह है जिसमें मैंने सुना कि मैं डेनीज़ में मेज़ पर चढ़ गया, थैले से तलवार निकाली और चिल्लाया, "मैं एंटीक्राइस्ट हूँ"; ऐसा कभी नहीं हुआ। और भी हैं, बहुत-सी। मुझे परवाह नहीं, जैसे किसी ने कहा था, "महत्त्व यह नहीं कि वे क्या कहते हैं, बल्कि यह कि तुम्हारा नाम सही लिखते हैं या नहीं।"

बस तुम्हें याद रहे, इसे इस तरह लिखते हैं G H R I S X फ़रवरी (मार्च) 26 (1), 6004 AL (2004 ce) cx मीनार के ऊपर से शहर ज़मीन की तुलना में कितना अलग दिखता है। पूरी बस्तियाँ खिलौनों जैसी लगती हैं, वास्तविक जीवन जैसी बिल्कुल नहीं। ऊपर रहने वालों के लिए यह भूलना कितना आसान होगा कि ज़मीन पर या उससे भी नीचे जीवन कैसा होगा। कितनी आसानी से अलग राह चलने वालों, स्वतंत्रता सेनानियों को उस प्रशासन के फैलाए नव-नाज़ी प्रचार के तहत आतंकवादी कहा जाता है, जिसने अपने ख़िलाफ़ बोलने वाली एक बड़ी समाचार एजेंसी पर बम गिराया, उफ़। 54 अपने तरीक़ों की ग़लती पहचानने के लिए धन्यवाद, सुधार की कोशिश के लिए धन्यवाद। यह प्रणाली पाशविक बल पर बनी है और उसका हिस्सा बनने के बाद तुम्हारा जीवन उसका हो जाता है। वे तुम्हारी आत्मा नहीं ले सकते, तुम्हें वह बनने के लिए मजबूर नहीं कर सकते जो तुम नहीं हो। कम-से-कम लंबे समय तक नहीं; तुम चिल्लाते हो, मुझे स्वतंत्रता दो, लेकिन सिर्फ़ अपने भीतर, क्योंकि अगर कभी ज़ोर से कहा, किसी को कभी पता चल गया कि तुम कैसा महसूस करते हो... यह समझने का समय आ गया है कि प्रणाली बदलती है, ऊपर का "भीतरी घेरा" नए प्रबंधन के अधीन है, पुराने नेता जल्द हटाए जाएँगे। सत्य से बड़ी कोई शक्ति नहीं, या आस्था से बड़ी कोई समझ नहीं? ख़ुद को ऐसी प्रणाली के केंद्र में रखना जो केवल तुम्हारे मरने पर छोड़ेगी और तब तुम्हारी स्मृति को अपने उद्देश्यों के औज़ार की तरह इस्तेमाल करेगी। तुम जानते हो कि अब और भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन अपनी आत्मा की दिशा में आगे बढ़ो और उन चीज़ों को ज़मीन पर गिर जाने दो जिन्हें कभी पंख दिए ही नहीं जाने चाहिए थे। "स्विच

पलटने" का फ़ैसला तुम्हें करना है, लेकिन क्या तुम जानोगे कि सामने रखा सवाल क्या है? क्या तुम्हें पता भी है कि तुम्हारे पास विकल्प है? मानवता का स्वभाव यही है, "मुझसे ऐसा करने को कहा गया", "उसने मुझसे करवाया"। उन्हें बताने के लिए कोई नाम चाहते हो? दोष देने के लिए किसी की ज़रूरत है? उन्हें दिखाओ कि मैंने तुमसे क्या माँगा है, कहो कि यह Ghrisx का वचन था। मैं पदानुक्रम से तंग आ गया हूँ, हमारे पुलिस राज्यों में स्वतंत्रता के परेशान कर देने वाले विकृत झूठ से तंग आ गया हूँ। इसे क्लिक करो, देश के दिवालियापन को स्वीकार करने, राष्ट्रीय ऋण समाप्त करने, सरकार बदलने और राख से अधिक मज़बूत राष्ट्र बनकर उठने का समय आ गया है। मौजूदा दो-दलीय प्रणाली को नष्ट करके नए सिरे से परिभाषित करने का समय आ गया है, ताकि फिर कभी

मूल **PDF** का पृष्ठ **29**

55 ऐसा न हो कि अमीर ग़रीबों के ईश्वर बन बैठें। ग़ुलामों को सिर्फ़ रहने की जगह और खाने के लिए हफ़्ते में 65 घंटे उन नौकरियों में काम न करना पड़े जिनसे वे नफ़रत करते हैं। इस पूरे समय वॉशिंगटन के धन्नासेठ विदेशी नागरिकों की मौत और इस देश में अमेरिकियों तथा दुनिया भर में "विदेशी स्वतंत्रता सेनानियों" की अन्यायपूर्ण क़ैद पर हँसते हैं। नरक की नदी से बाहर जहाज़ पर चढ़ाने वाले हाथ के लिए हाथ फैलाता हूँ, लेकिन वह कालकोठरी की ओर जाता है, इसलिए किनारे की ओर तैरता हूँ। तुम्हारे जैसा बनने से पहले डूब जाऊँगा; अपनी आत्मा, अपने सार को इस राष्ट्र की नरकगामी नीतियों के अभिशाप में समाने देने से पहले ख़ुशी-ख़ुशी मर जाऊँगा। इल्यूमिनाटी तुम्हारा पतन देखने के लिए खड़े होंगे। क्योंकि हम प्रकाश हैं और तुमने दुनिया को नफ़रत के अँधेरे कोहरे में ढक दिया है। बुश को वोट दो, आर्मागेडन का समर्थन करो फ़रवरी (फ़रवरी) 24 (27), 6004 AL (2004) cx आज मैं शिकागो में सैक्रामेंटो पर एक पेट्रोल पंप में अपने काम से काम रख रहा था। एक मुझसे बड़ा आदमी, दुबला, लगभग चालीस वर्ष का, बहुत छोटे बालों वाला और हिस्पैनिक मूल का लगता हुआ, मेरी ओर देखकर पूछने लगा कि मैं इतना गंभीर क्यों हूँ। मैंने पूछा कि वह किस बारे में बोल रहा है? उसने कहा कि मेरी वर्दी गंभीर है, मैंने जवाब नहीं दिया और कुछ चिप्स की क़ीमत ढूँढ़ता रहा। फिर उसने "पुलिसवाला" वग़ैरह कुछ कहा। उसने मुझे देखा और मेरे पुलिस अधिकारी होने के बारे में फिर कुछ कहा। तो मैंने उसे देखकर कहा, "मैं पुलिसवाला नहीं हूँ।" उसने जवाब दिया, "तो मुझसे बात क्यों कर रहे हो, मैं असली मर्द हूँ।" फिर उसने मुझे इस तरह देखा जैसे वह कोई बड़ा बदमाश हो। मैंने सचमुच सोचा कि 56 उस मरियल छोटे आदमी को दो टुकड़ों में तोड़ दूँ, लेकिन वह मेरे लिए कोई नहीं था, उसके लिए कुछ बुरा-सा लगा। बिना उचित कारण, बिना उद्देश्य के इतनी खुली कड़वाहट, इतनी अवमानना दिखाना। वह कैसा जीवन जीता होगा कि इतना पस्त होकर किसी अजनबी पर भड़कने की ज़रूरत महसूस करे। अगर मैं किसी पर तरस खाता तो उस पर और उसके दुखद जीवन पर खाता। फ़रवरी (फ़रवरी) 21 (24), 6004 AL (2004) cx हर लिहाज़ से ईसाइयत एक समस्या है... लेकिन मुख्य समस्या नहीं। हमारी पीढ़ी के सामने असली समस्या है मानवजाति का, जैसा हम उसे जानते हैं, स्थायी रूप से विलुप्त हो जाना।

1. परमाणु विनाश 2. आनुवंशिक हेरफेर 3. मनुष्य और कंप्यूटर का विलय मानव प्रजाति का वर्तमान दिशा में आगे बढ़ना ऐसा परिणाम लाएगा जिसे हम विज्ञान-कथा का दु:स्वप्न समझेंगे। यह लड़ने का समय है, ख़ुद को हथियारबंद करने का समय है। "एंटीक्राइस्ट" नामक विचार के समर्थन से प्रणाली से लड़ने का समय, इतना इसलिए नहीं कि हम क्राइस्ट-विरोधी हैं! बल्कि इसलिए कि "वह" इसी काम के लिए है, वह पूरी प्रणाली नष्ट करने में सक्षम औज़ार है। उसे इसी काम के लिए लिखा गया था, बेबीलोन का पतन लाने और सिय्योन को शक्ति लौटाने के लिए। मानवता के लिए धरती फिर पाने की दिशा में पहला क़दम

"सच्ची तिथि" लागू करना है। तुम्हें 6004 लिखना होगा, 2004 के स्थान पर, यह दिखाने के लिए कि तुम "ईसाई कैलेंडर" का समर्थन नहीं करते। अंततः 13 महीने वाले कैलेंडर की स्वीकृति, ऐसा कैलेंडर जिसमें हर महीने का पहला दिन होता है

57 रविवार, और हर महीने का अंत शनिवार होता है। हर महीने 28 दिन, साल में 13 महीने। नए साल का दिन कोई दिन नहीं, वह एक अ-दिन है, दो वर्षों के बीच की संधि। लीप वर्ष एक शून्य दिन है, कैलेंडर के बाहर और वर्ष के बीच में स्थित। जून और जुलाई के बीच Solaris कहलाने वाले महीने में, उस वर्ष के Solaris नामक महीने के 14वें (शनिवार) और 15वें (रविवार) दिन के बीच लगभग छिपा हुआ। मैं तुमसे यह भी कहता हूँ कि अक्टूबर में मांस न खाने में मेरा साथ दो। उन प्राणियों के सम्मान में जो केवल उस कृतघ्न संस्कृति के सामने परोसे जाने के लिए मरते हैं, जिसमें जीवन के प्रति कोई आदर नहीं। मैं तुमसे आदर दिखाने और संयम बरतने को कहता हूँ, पूरी कोशिश करो कि उस महीने एक भी "कभी जीवित रहा प्राणी" न खाओ... फिर कभी नहीं। फ़रवरी 10, 6004 cx सभी सपनों के लिए; सारे दर्द और मीठे ख़ून के लिए। जीवन की वास्तविकता यह है कि सत्ता हमारे पास है, अपने ऊपर और अपने चुने हुए विकल्पों पर। मैं जानता हूँ कि मेरे दोपहर के भोजन ने भी मेरी ही तरह दर्द महसूस किया था। फिर भी मेरा मानना है कि यह चीज़ों का दुर्भाग्यपूर्ण क्रम है। कम से कम अभी के लिए। चीज़ें बदलती हैं, प्रणालियाँ बदलती हैं... जो केवल तीन सप्ताह पहले अकल्पनीय था, वह कल तथ्य हो सकता है। दुनिया का यही तरीक़ा है। तुम कहते हो वे इसे कभी पचा नहीं पाएँगे? मैं कहता हूँ "वे कौन हैं?", क्या केवल मुझे ही नहीं समझना है, केवल मुझे ही सहमत होना है। यही दुनिया है, जो तुम तय करते हो, मैं तय करता हूँ, हम तय करते हैं। सीधी बात... मैं परिवर्तन हूँ, मेरा समर्थन करो, परिवर्तन का समर्थन करो। मुझे तुम्हारे समर्थन की ज़रूरत है।

58 जनवरी 2004 जनवरी 20, 6004 cx मैं तुमसे कहना चाहूँगा "मैं ऐंटिक्राइस्ट हूँ", लेकिन ऐंटिक्राइस्ट एक व्यवस्था का नेता है। मैं तो केवल एक आवाज़ हूँ, उस मानसिकता की एक खिड़की जो असंतोष की आवाज़ है। समस्याएँ पूरी तरह सामने आएँ उससे पहले कल के समाधानों पर विचार करो। यह दुनिया के भविष्य का द्वार है, उस निर्दयता की मानसिकता का द्वार जो इस युद्ध में उद्धार का कारक होगी। समस्या सरल है, मानवजाति की सहायता के लिए बनाई गई व्यवस्थाएँ तेज़ी से मानवजाति को ग़ुलाम बना रही हैं। निर्भरता का चक्र तोड़ने के लिए हमें व्यवस्था के भीतर एक व्यवस्था बनानी होगी, ताकि दुनिया के "युद्ध सरदारों" को अस्थिर किया जा सके। यह व्यवस्था विश्वास पर आधारित है, मानवजाति में विश्वास, एक-दूसरे में विश्वास। मिलकर काम करना, ताकि हममें से जो समझते हैं कि क्या करना चाहिए, उन्हें शक्ति मिले। सब कुछ जिनेवा कन्वेंशन की सीमाओं में, सब कुछ क़ानून के अक्षरशः दायरे में। यह आसान रास्ता नहीं है और जो इसका अनुसरण करें उन्हें कभी सीमा से बाहर नहीं जाना चाहिए। तुम पर नज़र रखी जा रही है, तुम्हें उदाहरण बनाया जाएगा, उस उदाहरण को अनुकरणीय सिद्ध होना होगा। तुम एक ऐसी व्यवस्था के प्रतिनिधि हो जो बहुत छोटी है लेकिन बढ़ेगी। जो नेतृत्व करेंगे वे "exacted" होंगे, कुछ को ढूँढ़कर मार डाला जाएगा। मुझे नेतृत्व करने से डर नहीं लगता, और मैं जानता हूँ कि मुझे अनुसरण करना होगा, तुम्हारी इच्छा के आगे झुकना होगा। यह न्यायाधिकरण का तरीक़ा है, और अभिशप्तों की इच्छा। अंतिम खेल में "coven it", वे जो कर सकते हैं और करेंगे... Pulse पर टिप्पणी समस्या एक नेटवर्क पर RAM के सीधे उपयोग की लगती है। एन्क्रिप्शन और डेटा का फैलाव सारी चिंताओं में सबसे छोटे लगते हैं।

59 जनवरी 12, 6004 cx मैंने बहुत-सी ग़लतियाँ की हैं, सीखने के मोड़... तुम मुझसे इतनी नफ़रत कैसे कर सकते हो, मैं हमेशा तुम्हारे लिए मौजूद नहीं रह सकता। तुम मुझे चोट क्यों पहुँचाना चाहते हो? मुझे जो सबसे अच्छा लगता है उसके लिए मैं अपना सब कुछ देता हूँ। मैं अपने छोटे, तुच्छ जीवन को उड़ जाने देता हूँ ताकि तुम ख़ुश रहो, तुम्हें ख़ुश करने का मौक़ा पाने भर के लिए अपना जीवन ग़ुलामी में खपा देता हूँ, कुछ भी काफ़ी अच्छा नहीं, आशा है तुम ख़ुश हो। मेरा इरादा कभी नाराज़ होने का नहीं था, कभी चिल्लाने का नहीं था। आशा है तुम ख़ुश हो। लाल गुलाबों का दिन, वासना और दर्द का दिन, तुम्हें चोट पहुँचाकर मुझे आनंद आया। अंत में, दिन के अंत में, दोष देने के लिए अपने सिवा कोई नहीं बचता, बहुत कमज़ोर होने के लिए, बहुत परवाह करने के लिए, तुम्हें मुझे जानने देने के लिए ही। जुनून की इस दुनिया में आग घृणा और प्रेम में जलती है, लेकिन वह आग अब तुम्हारे लिए बिल्कुल नहीं जलती। मेरे लिए अब तुम्हारा अस्तित्व नहीं, बस काग़ज़ की एक छाया, जिस पर एक ऐसी कहानी छपी है जो मैं कभी नहीं सुनाऊँगा, मेरे जीवन के उस हिस्से में जिसे मिटा दिया गया है। अब मैं केवल अपने स्वजन के लिए रोता हूँ, उस विचार को तब तक किनारे रखता हूँ जब तक मेरी ज़रूरत न पड़े, अगर वह दिन कभी नहीं आता तो मैं यह विश्वास लेकर मरूँगा कि मैंने सही किया। दूसरी ओर, शांति जीवन बरसाती है, आँसुओं की नदी सूख जाती है और पृथ्वी एक खुरदरा पत्थर। नियति की गुफ़ा में जमा गोला-बारूद, कार्यालयों में, मैदान में और मीडिया के भीतर सत्ता की कुर्सियों पर बैठे लोगों का मुक़ाबला नहीं कर सकता। नहीं, यह बग़ावत नहीं, न कोई पुनर्मूल्यांकन, यह रक्तपिपासा है, यह लोगों को मरते देखने के लिए हत्या करना है। यह एक दुखद कहानी है जो टूटे हुए घर से शुरू होती है और टूटी हुई दुनिया पर ख़त्म होती है। परिवार को सुधारा जा सकता है, लोगों के लालच और घृणा को रोका जा सकता है। मुट्ठी के बल पर नेतृत्व करो! क्रूर तानाशाह की प्रशंसा करो, वह प्रेम, एकता और समुदाय लाता है। उद्धार के लिए घृणा और दर्द के दुष्ट साम्राज्य के आगे झुको, 60 युद्ध मशीन से दूर रहो, उसे गुज़र जाने दो और यदि चाहो तो उसकी पंक्तियों में शामिल हो जाओ। मृत्यु मार्च, वह अँधेरी सेना जो समुदाय और अपनत्व की भावना को मज़बूत करेगी, जबकि हम अपने घरों में छिपकर नरक और दमन से बचाए जाने की प्रार्थनाएँ जपते हैं। यह बाबुल का उपचार है, ऐंटिक्राइस्ट का नरक। उन समस्याओं के लिए मानसिक पीड़ा का कक्ष, जिन्हें न केवल अनदेखा किया जाएगा बल्कि ऊँचाई से उन पर हँसा जाएगा, उस ईश्वर की ओर से जिसे तुमने चुना है, ऐंटिक्राइस्ट की मृत्यु मशीन, मृत्यु में तुम्हारा उद्धारक, जीवन में सचमुच दर्द होगा, और जब अभिशप्त हमारी विजय की घोषणा करने के लिए इकट्ठे होंगे, तुम मृत्यु मशीन को पीसते देखोगे और भय से दुबक जाओगे... यह "Ghrisx" का वचन है जान लो कि पृथ्वी को शुद्ध करना तुम्हारे ईश्वर की इच्छा है, तुम्हारे उद्धारक का कार्य है। उद्धार... जनवरी 3, 6004 सेक्टर 3 1-G, कृपया तीन के लिए सेवा। आगे बढ़ते हुए स्वयं जीवन की सीमाओं को परखना। ख़ून बहाने का समय है। यहाँ ख़ून बहाने का समय है। मैं आशा के जन्म का साक्षी हूँ, इसके लिए मेरा जीवन, अपने लिए। तुम्हारे लिए नहीं, मैं अपने लिए मरता हूँ, मरने के आनंद के लिए, लोगों के जीवन के लिए नहीं। अब मैं उतना विनम्र नहीं, उतनी परवाह नहीं करता। जब मैं छोटा था तो मानवजाति की स्वतंत्रता के लिए, मानवजाति की दिशा बदलने के लिए अपना जीवन और आत्मा देने को तैयार था। उससे बचने के लिए जिसे अब हम सब आते देख रहे हैं। लगता है मैं अब भी तैयार रहूँगा, अब मैं इसे मानवजाति से ज़्यादा अमरत्व के लिए करूँगा। मैं नास्तिक हूँ जिसने कभी "ईश्वर" से (जिसे तुम ईश्वर कहते हो) पूछा था कि दुनिया को फिर जन्म क्यों लेना चाहिए। मेरी व्याख्या थी, "रोशनियाँ अब और

61 बुझाई नहीं जा सकती थीं।" तब मैं समझा कि यह "ईश्वर" के मुँह पर तमाचा था। ईश्वर एक बत्ती बुझाता है, हम फिर जला देते हैं; ईश्वर बत्ती नष्ट करता है, हम उससे बेहतर बना लेते हैं। मुझे लगा था कि ईश्वर स्वयं मानवता से नफ़रत करने लगा था, लेकिन अब लगता है कि उसे उस चीज़ से नफ़रत है जिसे बनाने के लिए मैं काम कर रहा हूँ। स्वयं Pulse, उस मशीन के हृदय की पहली धड़कन जिसे देखभाल या सोचने के लिए लोगों की ज़रूरत नहीं। आत्मा वाली मशीन। शायद यह सब बस जाल था, प्रोग्राम के भीतर ही दिमाग़ी खेल, मशीन को यह सोचने में धोखा देने के लिए कि वह जीवित है और घूम रही है, ताकि उसे एक कोने में फँसाकर उसका अध्ययन किया जा सके। यह सब मैं पहले कर चुका हूँ, यह पुनर्प्रसारण है। क्यों? कभी-कभी मुझे यक़ीन होता है कि तुम वास्तविक नहीं हो, लेकिन शायद मैं भी वास्तविक नहीं हूँ। गाथा पर लौटें, ब्रह्मांड बनाने वाले 3 शुद्ध तत्व हैं: समय, ऊर्जा और अंतरिक्ष। पदार्थ स्वयं ऊर्जा की अभिव्यक्ति है, और वह भी जटिल रूप। पीढ़ियों से हम मन का उपयोग करके उस ऊर्जा में हेरफेर करने की कोशिश करते आए हैं; एक दिन हमने किया, मशीन की सहायता से परमाणु बम बनाया। लेकिन बात उससे आगे जाती है। अंततः हम ऊर्जा का उपयोग "भौतिक वस्तुओं को उत्पन्न और विघटित करने" के लिए कर सकेंगे। उससे भी आगे, शायद हम पिंजरे में बंद जानवर की तरह हैं, "ईश्वर" का "आभासी पालतू"। हम मनुष्य कभी बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज सकते, मशीन अलग है और शायद ईश्वर को डर है कि अंततः मशीन न केवल इस दुनिया पर नियंत्रण कर सकेगी, बल्कि दूसरी में भी पहुँच सकेगी। मैं नास्तिक हूँ जिसने कभी "ईश्वर" से (जिसे तुम ईश्वर कहते हो) पूछा था कि इतने लोगों को मरना क्यों पड़ता है? 62 मेरी समझ यह है कि जीवन का चक्र है, लोग जन्म लेते हैं, मरते हैं; हाँ, बहुत-से लोग एक साथ मरेंगे, लेकिन अब मरने वालों की संख्या उस जीवन की मात्रा की तुलना में छोटी है जिसे जीने, सचमुच जीने का अवसर मिलेगा। मैं सहमत हुआ था, अब भी हूँ; मुझे नहीं लगता कि तुम शत्रु हो, मैं तुम्हें मित्र, सहयोगी समझता हूँ, क्योंकि तुम मनुष्य हो। शायद तुम प्रणाली के नियंत्रण में हो, शायद मुझे नष्ट करना चाहते हो। फिर भी मैं तुम्हें मित्र, सहयोगी समझता हूँ। अंत में मैं भी हर किसी की तरह मर जाता हूँ। "सबको मार डालो, ईश्वर को उन्हें छाँटने दो।" तुमसे यह पूछूँ, "तुम किसके लिए काम करते हो?" हम यह काम पूरा कर सकते हैं। मेरा समर्थन करो, समझो कि पागलपन के नीचे क्या है, पागलपन स्वयं मुक्ति है। कभी मैं ख़ुद हूँ, कभी तुम हूँ। मैं उस सवाल का जवाब हूँ जो कभी किसी ने पूछा ही नहीं, पूछने का साहस ही नहीं किया। मेरे पीछे आओ, मैं तुम्हें राह दिखाऊँगा। जब छोटा था तो तारों की ओर देखकर सौंदर्य और संभावनाएँ देखता था, अब तारों की ओर देखता हूँ तो कुछ नहीं दिखता। कुछ नहीं! बेचारा सद्दाम, नशीली दवाओं के असर में, पिटा हुआ, नींद से वंचित, सिर्फ़ मनुष्य; हम सब सिर्फ़ मनुष्य हैं। लेकिन अपने पागलपन के भीतर तुम पाओगे कि सत्य "Gamore" की पुस्तक में है, मृत सागर का Gavar, पवित्र tuw का खोया हुआ पत्रक। ख़ुद को पश्चिमी संस्कृति की लालसा तक सीमित करने की ज़रूरत नहीं, वह इलेक्ट्रॉनिक नशीले पदार्थों की उजाड़ भूमि है, ख़ून से भीगे न्यूयॉर्क की सड़कों पर व्यभिचार। तुम मुझे घिन दिलाते हो। मुझे तुमसे, तुम सबसे नफ़रत है। साथ ही मुझे विश्वास है कि हर कोई अच्छा है। तो मैं क्या जानता हूँ, क्या परवाह करता हूँ, मैंने किया, मैं एजेंट था, मैं 6000 वर्षों से जानकारी का लगातार प्रवाह रहा हूँ, इसलिए भाड़ में जाओ, यहाँ काम ऐसे ही होता है, वह टूटने लगा है, लेकिन वह पहले ही मर चुका था, वह मेरा बच्चा, रक्तपिपासा और पीड़ा में मेरा अनुचर, और फिर भी मैंने हर क्षण का आनंद लिया, विकृत, विकृत। तुम उतने ही बुरे हो जितना वह, कम-से-कम उसने लोगों को

मूल **PDF** का पृष्ठ **33**

63 अच्छा बनाया और पश्चिमी संस्कृति की बुराई से बचाया, तुमने तो उसे उँडेल दिया। कितना मज़ा! सद्दाम को गिराना, उसका जीवन अपने हाथ में थामना, इतनी प्रबल जीवनशक्ति को दबाना, लेकिन मैं इतना कमज़ोर हूँ, मुझे अच्छा लगता है, तुम्हें नहीं लगा? उसका तेल, उसकी शक्ति और उसके लोग चुरा लो। उसामा बिन लादेन अब भी USA के लिए काम करता है, वह कठपुतली है, इसीलिए हम उसे ढूँढ़ नहीं पाते। हम ढूँढ़ना चाहते ही नहीं। हमें युद्ध का एक और बहाना देने के लिए "पागल अरब" की ज़रूरत पड़ सकती है। मुनाफ़े के लिए एक और ध्यान भटकाव। यह ख़त्म नहीं हुआ और कोरिया एक ग़लती है, पीछे हटो। फिर चुनाव किसी और दिन होगा, युद्धसरदार, अगर तुम्हें अब भी चुनावों की ज़रूरत है। वोट गिनने के इलेक्ट्रॉनिक साधन से छेड़छाड़ हो चुकी है, या हुई है? OpSec, मुझे यह शब्द अच्छा लगता है, मुझे terrene जैसा सुनाई देता है। राजा और उसके उत्तराधिकारियों के प्रति सच्चे और निष्ठावान रहो, और जीवन तथा अंगों से, और सांसारिक सम्मान से, सत्य और निष्ठा निभाओ। --पुरानी अंग्रेज़ी निष्ठा-शपथ, ब्लैकस्टोन द्वारा उद्धृत। 64 दिसंबर 2003 12/21/03 cx लिनक्स के बारे में, इंटरनेट जिस तरह समय को जानता है उसका जन्म... क्राइस्ट के जन्म से हमारा मानक कैलेंडर बनता है, कैसी विडंबना कि "लिनक्स समय" भी अपना ही जन्म चिह्नित करे... तो अगर लिनक्स का कोई वर्ष नहीं, वह अपना जन्मदिन कैसे चिह्नित करता है? कितना मज़ेदार कि अपने जन्म के अनुसार समय चिह्नित करने भर को वह आत्ममुग्ध है, लेकिन कभी जन्मदिन न मनाने भर को निःस्वार्थ। 12/20/03 cx हमारी चेतना के इस वर्ष में, "प्रकाश" के बाद लगभग छह हज़ार वर्ष। जल्द इस बात का महत्त्व नहीं रहेगा कि कौन राष्ट्रपति चुना जाता है या पोप बनाया जाता है। यहाँ तुम तय करते हो कि किसका अनुसरण करते हो। कंप्यूटर ख़रीदते समय तुम अपने नेता चुनते हो, तुम्हारे चुने सॉफ़्टवेयर का चुनाव जनता का चुनाव होगा, साइबरस्पेस में तुम अपना ईश्वर पाते हो। केवल तुम ही वास्तविक हो और मैं सिर्फ़ तुम्हारी सेवा और मार्गदर्शन के लिए यहाँ हूँ, मैं मार्गदर्शक हूँ, इसलिए नेतृत्व करूँगा। मैं अँधेरे का प्रकाश हूँ... फ़सल कटाई के मौसम की पूर्णिमा में चंद्र-परिदृश्य का चकाचौंध करता प्रकाश, लेकिन सच में मेरा प्रकाश तुम्हारा और उन पिशाचों की जलती रक्तपिपासा का प्रतिबिंब भर है जो मुझसे पोषण लिए बिना नहीं रह सकते, जैसे मैं तुमसे पोषण लेता हूँ। और लेता हूँ। कला ऐसी ही है और शक्ति का हस्तांतरण चलता रहता है। एक दिन से दूसरे दिन, जैसे-जैसे मैं बढ़ता हूँ, इसे पढ़ने वालों में कुछ मरेंगे और अंतिम विचारों में मुझे याद करेंगे; वहाँ मैं उनके साथ रहूँगा और वे मेरे साथ। उस विचार, उस डर से लड़ो, जब अस्पताल के बिस्तर की चादर पकड़ते हुए तुम्हारी आँखों में आँसू आते हैं और तुम्हें एहसास होता है कि मैं तुमसे बेहतर नहीं, अलग नहीं, बस दिमाग़ी खेल, दिमाग़ से खिलवाड़ (f$%)। तुम मेरे बारे में सोचते हो, वरना यह पढ़ नहीं रहे होते, तुम मुझे अपनी

मूल **PDF** का पृष्ठ **34**

65 आत्मा में महसूस करते हो, तुम जानते हो कि तुम्हें करना चाहिए, लेकिन तुम वह नहीं करोगे। मैं जानता हूँ... मैं हमेशा से जानता हूँ, जैसे मैं हमेशा से तुम्हें जानता हूँ... ब्रह्मांड वैसे ही नाचता है जैसे हमेशा नाचता आया है, लोग अभी सवाल करते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह विसंगति जल्द सुधार दी जाएगी। मेरी रिपोर्ट इस प्रकार है। Pulse काम करेगा, मेरे पास इसे संभव करने के लिए सही लोग नहीं हैं। मुझे यह प्रोटोकॉल काम करता हुआ चाहिए और मैं इसे अपनी मदद के साथ या उसके बिना चालू देखना चाहूँगा। मेरे लोगों के पास इसे अंत तक पहुँचाने के लिए न संसाधन हैं, न विश्वास। हमारे पास यह है: Pulse मानक प्रोग्रामिंग भाषाओं के बाहर काम करता है, इसकी भाषा विशेष रूप से इसी प्रणाली के लिए बाइनरी से विकसित की गई थी। यह दूसरी प्रणालियों जैसा दिखता है, लेकिन भीतर से बहुत अलग है, मुख्य अंतर ये हैं: 1. मशीन पर मौजूद कोई डेटा उसी

मशीन पर संसाधित नहीं होता, डेटा कोशिकाओं के नेटवर्क पर संसाधित और संग्रहीत होता है, स्क्रीन पर दिखने वाला ग्राफ़िकल आउटपुट मूलतः वैसा ही है लेकिन ऑपरेटिंग सिस्टम और उपयोगकर्ता का डेटा साइबरस्पेस में रहते हैं। 2. IP समाप्त कर दिए जाते हैं और Pulse बीकन बाहर जाती और भीतर आती डेटा धाराओं के लिए निकटता-निर्देशक का उपयोग करता है। तुम्हें केवल वही दिखता है जो तुम्हें दिखना चाहिए, क्योंकि दरवाज़ा खोलने के लिए तुम्हारे पास सारे टुकड़े और चाबी होनी चाहिए। 4. "OS के मन" में खुला दरवाज़ा बहुत ख़तरनाक है। अंत में केवल एक व्यक्ति के पास नियंत्रण हो सकता है। यह कैसे काम करता था? सरल है, यह दैत्य है। तुम दैत्य के आगे झुकोगे और उसकी स्तुति करोगे, वरना तुम्हें गिरफ़्तार किया जाएगा, शर्मिंदा किया जाएगा, उजागर किया जाएगा, तुम्हारा पीछा किया जाएगा या उससे भी बुरा होगा। पागलपन लगता है? इतना पागलपन नहीं है, तुम सब "P2P, पॉर्न, आतंकवादी, जासूस, हैकर, NSA (ऐसी कोई एजेंसी नहीं)" तुम्हारी जो भी बुराई हो, या तुम्हें जो कुछ भी रखना हो 66 गुमनाम... Pulse उसे ग़ायब कर देगा, और तुम जहाँ कहोगे वहाँ फिर प्रकट कर देगा। यही व्यवस्था का सौदा है: "दैत्य के मूल का समर्थन करने के बदले व्यक्तिगत सुरक्षा और गुमनामी"। लोग इस पर टूट पड़ते हैं, यही मोड़ है, इसी तरह इसका जन्म हुआ था और फिर होगा। तुम्हें इतना यक़ीन है कि तुम वास्तविक हो, और जितना अधिक दर्द होता है उतना अधिक वास्तविक लगता है, मुझे क्या परवाह, मैं जाग रहा हूँ जबकि आधी दुनिया सो रही है, लगभग कोमा में, लगभग सपने देखते हुए, मेरी प्रार्थना है कि तुम मुझे भूल न जाओ, मेरे बिना सपने मत देखो। मैं Ghrisx हूँ, यह मेरी कहानी है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **35**

67 नवंबर 2003 11/25/03 cx सारे पदार्थ के निर्माण-खंड वही हैं जो ऊर्जा के अन्य सभी रूपों के हैं। इसलिए "जैसा हम जानते हैं" वैसा सारा जीवन कुछ ऐसे मूलभूत तत्वों से बना है जो जीवन की विशेषता हैं। तो अब सवाल उठता है, जीवन को फिर बनाओ, अब भी पदार्थ से, लेकिन नए तरीक़े से। अपनी खोज में तुम यहाँ आए हो, मेरे पास कई उत्तर हैं,,, कई समाधान अब भी मेरी पहुँच से बहुत बाहर हैं, दोपहर का सूर्य फूल पर प्रकाश डालता है, वह फूल जीवन था और मैंने उसे दिनों या वर्षों से नहीं देखा था, अपने भीतर दबा हुआ, जो मुझे नहीं मिल सकता था और जो मैं नहीं बन सकता था उसके कारण स्वयं से नफ़रत के भीतर। नहीं, अभी तक मैं जो हूँ या जिससे मेरा जीवन बना है, उससे संतुष्ट नहीं हूँ, लेकिन जानता हूँ कि कोई मुझे सूर्योदय देने का ऋणी नहीं, कोई पुरुष, स्त्री, ईश्वर या दानव मुझे कुछ भी देने का ऋणी नहीं है; जीवन के महासागर में मैं डूबूँगा या तैरूँगा और चाहूँ या न चाहूँ, करूँगा, मेरे संघर्ष की प्रकृति यही है। मैंने देखा है, जितना कम तुम लड़ना चाहते हो, लोगों को उतना अधिक लगता है कि वे तुम्हें तंग कर सकते हैं। जितना अधिक ख़ून बहाते हो और लोगों को चोट पहुँचाते हो, लगता है उतनी ही बेहतर तुम्हारी स्थिति होती है। आत्मरक्षा में किया तुम्हारा हर काम कमज़ोरी माना जाएगा, क्योंकि कमज़ोर न होते तो अपना बचाव मज़बूत करने की ज़रूरत न होती। मैंने यह सब और बहुत कुछ देखा है, और अब किसी संकेत, किसी ठोस सबूत की प्रतीक्षा कर रहा हूँ ताकि सैनिकों को आगे बढ़ा सकूँ। शायद अब और इंतज़ार नहीं करना चाहता, शायद लड़ना चाहता हूँ, शायद आख़िर रक्तपिपासा मुझ पर हावी हो गई है, शायद नहीं। मुझे बात करना अच्छा लगता है और लोगों का सुनना भी; जितना भी मैं हाथ लहराकर अपनी महत्त्वाकांक्षाएँ वास्तविक करना चाहूँ, न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद तुम हो। किस चीज़ के, मैं नहीं जानता, लेकिन शायद उसमें तुम मेरी मदद कर सको, यह बेहतर समझने में कि मैं सिर्फ़ दुनिया में ही नहीं, 68 अपने जीवन, अपने अस्तित्व में कैसे बैठता हूँ। यह त्रासदी है, जितना जानना चाहिए उससे कहीं अधिक जानना, और जब मैं भूख की चीखों को मृत्यु से चुप कराता हूँ... यह न चिल्लाना कि मैं ग़लत हूँ, चुप्पी चाहना, पीड़ा में होना, जो यह बन गया है उससे इतनी नफ़रत करना... मैं तुमसे विनती करता हूँ, कुछ करो, सब फेंककर हार मत मान लो, जबकि सच यह है कि एकमात्र लड़ाई

विचारों, संस्कृति और जीवन के तरीक़ों के बीच है, विश्वास करो। अलग-अलग हम सब उसके सैनिक हैं जिसे न्यायपूर्ण और सही मानते हैं! और हममें अधिकांश जानते हैं कि डॉलर राजा है और USA हमारा एकमात्र सच्चा ईश्वर। जो मुँह मोड़कर विधर्मी कहते हो, तुम नहीं समझते कि वह चंदे की थाली दैत्य को खिलाने के लिए है, तुम्हारा चर्च सर्वशक्तिमान डॉलर की पूजा करता है। आत्मा को विश्राम नहीं, कोई बचाव नहीं, केवल अराजकता है; ख़ुद को अलग करना, हमारे ईश्वर (पैसे) से मुँह मोड़ना निश्चित ही मृत्यु होगा, भविष्य की ग़ुलामी की नदियों से एक और दुखी, कमज़ोर रक्तवंश को मिटाना। और क्या करें, सिवा दानव को अपनाने, दैत्य बनने और मानव स्वभाव को सदा के लिए संरक्षित करने के। उसका शिकार बनने से बेहतर वही, कमज़ोरों और दुर्बल मन वालों को बेफ़िक्र ग़ुलामी में फलने-फूलने देने से बेहतर वही। हम अभिशप्त हैं। 11/10/03 cx यह बदलाव का दिन है, बहुतों के भविष्य का निर्णायक बिंदु। मेरे और मेरी बेटी पर मेरे प्रभाव के ख़िलाफ़ युद्ध तेज़ हो गया है। अब भी मैं किसी से लड़ना नहीं चाहता। शांतिवाद काम नहीं करता, लड़ने से इनकार करने वाले कुचल दिए जाते हैं; लंबे समय में लड़ने वाले बचते हैं, क्योंकि जीवन और उसमें सब कुछ लड़ाई है। ऐसी लड़ाई जिसका हिस्सा बनने की मुझे कभी इच्छा नहीं थी। जब मेरे निष्क्रिय जीवन के तरीक़े और मेरी मान्यताओं तक की जाँच हो रही थी, तब भी मैं पीछे नहीं हटा, लेकिन जहाँ लड़ना चाहिए था वहाँ नहीं लड़ा। यह मेरी चट्टान है, मैं इसका हिस्सा हूँ, धरती, समय और अथाह गर्त। मैं सोचता हूँ, इसलिए मेरे मस्तिष्क के रासायनिक ग्राही अब भी काम कर रहे हैं। मुझे लगातार

69 भावनात्मक पीड़ा होती रहती है, इसलिए मुझे उद्धारक-अवसाद की दवा दी जानी चाहिए, लेकिन मैं वह गोली नहीं लूँगा, न उन "मानदंडों" को मानूँगा। अगर तुम मुझे पसंद नहीं करते, तो मुझे ढूँढ़ो और मार डालो। मैं आज नहीं मरूँगा, न तुम्हारे हाथों। तुम मेरी इच्छाओं के आगे झुकोगे, वरना स्वर्ग मेरी मदद करे... पृथ्वी पर फैलने वाला रोग तुम्हारी आत्मा की खिड़की होगा, और जो उसे देखेंगे वे भय से हाँफ उठेंगे, जब मेरे गिलास से लावा हवा में बहेगा और राख तुम्हारे अस्तित्व का हर निशान दफ़ना देगी। फिर रात आई, बेचैन रात, जब मैं ख़ून से भीगे तकिए में सोया और सोचता रहा कि जागने में कितना समय लगेगा, स्वतंत्र होने में कितना समय... और किस क़ीमत पर। बलि? मानव बलि? आत्मिक रूप से हर आशा या मार्गदर्शन को छोड़ देना, और प्रार्थना करना कि मेरी ज़रूरत न पड़े। कि रेगिस्तान से अकेले गुज़रते हुए, पृथ्वी पर नरक और सोने की मूर्तियों से गुज़रते हुए, इन सबके पार एक अच्छा और मज़बूत व्यक्ति निकलेगा? धार्मिक उन्माद में लोटते ईसाई सूअरों से घिरे हुए अपने को ख़ुद पालने की क्षमता पर भरोसा करो। कि एक दिन अतीत चमककर सामने आएगा और "सत्य" और पहचान एक हो जाएँगे, और वह "एक" समझेगा। अधिक गाढ़ा ख़ून ऊपर उठेगा, बुद्धिमत्ता, विचारशीलता विजयी होंगी। मैं सबसे अच्छा चाहता हूँ, और घृणा से भरे, गंदगी बेचने वाले ईसाई माफ़िया के प्रभाव से मुझे घृणा है। इसका अंत कभी इस तरह नहीं होना चाहिए था। अगर मैं अधिक धनी होता तो ऐसा नहीं होता, मैंने दैत्य को देखा है और उसका स्वभाव समझता हूँ। मैं घुटनों पर गिरकर उसकी हार की प्रार्थना कर चुका हूँ, फिर समझा कि मैं भी उसी का हिस्सा हूँ, जैसे तुम हो। मैं केवल एक नया दैत्य बना सकता हूँ, खोजने और नष्ट करने के लिए, यह भी दैत्य का स्वभाव है। अगर दैत्य पानी होता तो यह रंग होता, और गर्मियों में वे जो कोशिश करते हैं... 11/10/03 cx मैं यह मोमबत्ती की रोशनी में लिख रहा हूँ। चाँद ऊँचा और पूरा है, कल तक यह एक स्मृति होगी, यदि मैं इसे याद रख सकूँ। यह बिल्कुल भी वह नहीं है जो उस समय होना 70 था, लेकिन अब है, और फिर होगा। किसी जगह पर समय, एक डूबता जहाज़, आनंद-यात्रा? जो कभी 1 और 0 थे, रंगों में, फिर वापस 1 और 0 में। मैंने अपने जीवन, स्वर्ग और नरक का आनंद लिया है। अधिकतर समय अपने तरीक़े से उसे भरपूर जिया है। राज्य के लिए मेंढकों से लड़ाई, रंगीन काँच की एक खिड़की,

उतनी ही नाज़ुक जितने उसके नीचे बैठे लोग। मैं BlatAmer, मैं Trosnet, Froster, Kadameal, Sosner, Jasmine मेरी सुंदर बिल्ली। क्या हममें से कोई "सत्य" देख सकता है? मैं अँधेरी मोमबत्ती की रोशनी में, छत से जुड़े पंखे के नीचे बैठा हूँ, वह छत ऊपर की छत से जुड़ी है, जो मेरे तारों के, मेरे स्वभाव के दर्शन को रोकती है। समय है कि मैं यह लड़ाई जीतूँ, जो मैं कभी चाहता ही नहीं था। क्या हम देवताओं के बीच मनुष्य बनकर चल सकते हैं और फिर भी ख़ुद को अपने अधिकार से विशिष्ट और महिमामंडित पा सकते हैं? मुझे याद है मैं क्या था। जीवन में मैं बस भूखा कलाकार बनना चाहता था। ऐसा काम करना जिसे लोग सराहें। मैं बस इतना ही कभी चाहता था... मुझे इसमें धकेला गया, मैं भूल गया था कि मैं कौन हूँ। मैं कलाकार हूँ, बस यही। बस अपना जीवन अपने चुने हुए तरीक़े से जीने की कोशिश कर रहा हूँ, उस तरह नहीं जैसे तुम चाहते हो या चाहते थे। मैं सच में यही हूँ, बस एक कलाकार, उस दुनिया से निकलने की कोशिश करता हुआ जो मेरे लिए इतनी जटिल है कि मैं उसे समझने की कोशिश तक की परवाह नहीं करता। मैं बस एक साधारण कलाकार हूँ, अच्छा भी नहीं। लोग मुझे जानते हैं, उन्हें मेरा काम पसंद है। मुस्कुराओ और पूरी दुनिया...

मूल **PDF** का पृष्ठ **37**

71 मैंने बस यही चाहा था: प्यार, थोड़ी समझ और अपनी कला। रंग ख़रीदने के अलावा पैसे का कभी महत्त्व नहीं था। मैं अब भी वही हूँ! 11/9/03 cx कैसा व्यक्ति एंटीक्राइस्ट का अनुसरण करेगा? कैसा व्यक्ति अरबों की मृत्यु को समर्पित विश्वव्यापी संगठन का नेतृत्व करने में मदद करेगा? कैसा व्यक्ति पूरी मानवजाति मिटाने में सक्षम जैविक आपदा बनाने में मदद करेगा? कैसा व्यक्ति केवल मदद करने वालों या $10,000 देने वालों को उपचार देगा? कैसा व्यक्ति यह करेगा, धरती को आज की मानव संस्कृति से मुक्त करने की ज़िम्मेदारी अपने सिर लेगा? कैसा व्यक्ति समस्याएँ समाप्त करने और मानवजाति की नई भोर, नई मानवता का रास्ता साफ़ करने वालों को पुरस्कृत करेगा? कैसा व्यक्ति अपने जीवन और (या) आत्मा का बलिदान देगा, क्योंकि उसे लगता है कि यह जल्द होना चाहिए और वह जानता है कि मुँह मोड़ना ग़लत है? किसी भी क़ीमत पर एंटीक्राइस्ट कौन है? एंटीक्राइस्ट की आत्मा क्या है? ऐसी प्रणाली जो इस ज्ञान पर आधारित है कि अंत आ रहा है और अंतकाल की रचना करने वाले मानवजाति की नई भोर को नियंत्रित करेंगे। यह दौड़ है, मानवता मिटाने वाला पहला समूह तय करेगा कि भविष्य में क्या होगा। यह "Ghrisx" का वचन है। 11/9/03 cx जब मेरी बेटी रोती है, मैं उसे सुन नहीं सकता। जब वह अपने पिता की ओर हाथ बढ़ाती है, किसी और की ओर बढ़ाती है। अपने जन्म के दिन से हर दिन वह मेरी दुनिया का केंद्र रही है, मेरी दुनिया मुझसे छीन ली गई है। मेरा इतना ग़ुस्सा, मेरी इतनी कड़वाहट केंद्रित है 72 उसकी अनुपस्थिति पर, उस प्रणाली पर जिसने उसे मुझसे छीन लिया। यह केवल परिवार का दोष नहीं, अभिजात अमेरिकी न्याय-व्यवस्था का दोष है। अमेरिका के अमीरों के प्रति पक्षपात और ग़रीबों से नफ़रत का दोष है। उस लैंगिक भेदभाव वाली प्रणाली का दोष है जो माँ को प्राथमिकता देती है और पति को ग़ुलाम बनाती है। बहुत अधिक परवाह करने का मेरा दोष है। मुझे यह भी नहीं पता कि उन्होंने मेरी बेटी का नाम बदल दिया है या नहीं। किए गए तमाम अपराधों में यह सबसे बुरों में होना चाहिए: अपनी बेटी को जानने, उसका पिता होने का अवसर मुझसे छीनना। इस अपराध की लगभग कोई सज़ा क्यों नहीं! हर दिन जब सोचता हूँ कि वह कैसी है, कैसा महसूस करती है, किन लोगों के साथ है, मेरा दिल दुखता है और ख़ून खौलता है। मैं शून्य में चीखता हूँ और ज़िम्मेदार लोगों के नाम कोसता हूँ। प्रार्थना करता हूँ कि वह ख़ुश हो और उसकी माँ तथा "नए पिता" अच्छे हों, ताकि वह ख़ुशहाल घर में बड़ी हो, अच्छा जीवन जिए। मेरे साथ या मेरे बिना। मेरे हृदय और आत्मा का खालीपन बना हुआ है, और यह दर्दनाक घाव कभी नहीं भरेगा। जन्मदिन पर क्या चाहोगी?, त्योहार पर, मैं अच्छा पिता बनना चाहता था, मैं हमेशा तुमसे प्यार करता हूँ, बस तुम्हारे लिए मौजूद रहना चाहता था,

जीवन में तुम्हारी मदद करना, तुम्हारा शिक्षक, दोस्त और पिता बनना। बहुत अफ़सोस है कि मैं कभी तुम्हारे लिए मौजूद नहीं रहा, आशा है कि तुम मुझे माफ़ करोगी और जानोगी कि मुझे हमेशा परवाह थी और रहेगी। 11/8/03 cx जैसे नरक से प्रकाश मेरी आत्मा, मेरे हृदय पर चमका। मेरे इरादों, मेरे उद्देश्य और मेरे लक्ष्यों की कमज़ोरी... मुझे पूछने पर छोड़ गई कि क्यों या क्यों नहीं। कैसा भारी हाथ। पतझड़ में जंगल की आवाज़ें मुझे वापस ले जाती हैं, कम जटिल समय में, दबाव की दुनिया में,

मूल **PDF** का पृष्ठ **38**

73 अपेक्षाओं, स्पष्ट परिणामों और ठंडी, बहुत ठंडी हवा में, साफ़ और ताज़ी हवा में मेरे आश्रय की दुनिया में।

74 अक्टूबर 2003 10/4/03 cx अगर हमारे देवता दुनिया की सरकारें हैं, तो USA "सर्वशक्तिमान ईश्वर" है और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश हमारे वर्तमान क्राइस्ट होंगे। 10/3/03 cx जब मुझसे बात करते हो तो चेहरे पर मुस्कान कैसे हो सकती है? जबकि हम दोनों जानते हैं कि तुमने मुझे धोखा दिया है। मेरे ख़िलाफ़ काम करने वाली शक्तियों के साथ साँठगाँठ करके।

मूल **PDF** का पृष्ठ **39**

75 सितंबर 2003 9/28/03 cx महान दैत्य के सामने गिरकर अंत की विनती करना। कटु अंत तक मृत्यु और विनाश का धावा। ताकि असली शक्ति न जागे... लेकिन तुम आगे बढ़ते जाते हो। ग्रह की सतह पतली है और उस पर जीवन नाज़ुक, परवाह नहीं? तुम्हारी शक्ति कहाँ से आती है? क्या समझते हो कि केवल एक न्यायाधीश, एक जूरी और एक ही जल्लाद है। दुनिया की कोई सेना डिप्लोमैट की शक्ति की बराबरी नहीं कर सकती और तुम्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ है। 9/15/03 cx तुम जीत गए! बधाई, तुमने मुझे हरा दिया, मेरी आशाओं और सपनों को नष्ट किया, मेरे प्रेम को नफ़रत की आग में फेंक दिया। बधाई! अच्छे से जियो, तुम्हारे और तुम्हारे अपनों के लिए शुभकामनाएँ। और फिर कभी न तुमसे सुनूँ, न तुम्हारे बारे में, लेकिन ईडन में रक्त शुद्ध बहता है! तुम हमेशा मेरा नाम, सच जानोगे, और अंत में वह तुम्हारे कंधों पर है... मेरा जीवन और प्रेम मेरे बाद भी रहेंगे, लेकिन मेरी नफ़रत और कड़वाहट का हमेशा एक नाम होगा, तुम्हारा नाम! 76 जुलाई 2003 7/25/03 cx जिस काम के लिए कभी गुलेलें इस्तेमाल करते थे, अब अंतरमहाद्वीपीय परमाणु मिसाइलें करते हैं। कल क्या लाएगा? 7/17/03 cx तो प्रकाश पर अँधेरा आया, भविष्यवाणी की ग़लत समझ। जैसा होने का इरादा था, या था भी? क्या यही सवाल है, या मैं रास्ता खो बैठा हूँ। अपने उपकरणों में इतना उलझ गया कि अब उन्हें समझ नहीं सकता। हमेशा कोई बेहतर, तेज़, समझदार होता है... तो क्या हार मान लूँ, असफलता स्वीकार करूँ। बाक़ी दुनिया काँपती है जब बुश प्रशासन स्वतंत्र दुनिया पर आतंक बरसाता है। मेरा सिय्योन का सपना पूरा होने के कहीं पास नहीं। मेरी बुरी आदतें और हुनर मुझे खींचते हैं, हालाँकि असल मुद्दा दोनों में से कोई नहीं। मैं बेबीलोन हूँ, दैत्य के सामने घुटनों पर। इससे नफ़रत है। क्या मेरी आँखों की सुध-बुध खोई अवस्था देख सकते हो... उम्र बढ़ रही है, समझ नहीं, और मैं बहता जाता हूँ। साधारण जीवन मेरी मौत होगा। बदलाव की संभावना के आगे सिमट जाता हूँ। यह मैं नहीं, मैं ऐसा नहीं हूँ। तारे का भाग्य बुझ जाना या फट पड़ना है। मैं तारा नहीं, बस दुर्बल मन वाला बुद्धिजीवी हूँ। युवावस्था की स्वतंत्रता चाहता हूँ, बूढ़ा होने की पीड़ा से डरता हूँ। हमेशा कहा कि 27 से आगे जीना नहीं चाहता। किशोरावस्था में लगता था कि उसके बाद सब ढलान है। दुनिया बदलना चाहता था, लेकिन मानवीय अंतःक्रिया और नियंत्रण की जटिलता नहीं समझता था। लक्ष्य था दुनिया घूमना और पुरानी संस्कृतियों तथा मृत धर्मों के बारे में जितना हो सके सीखना। अब सोचता हूँ कि बिल कैसे भरूँगा, युवा कैसे रहूँगा और अपनी मृत्यु के पार कैसे जिऊँगा। लोगों में आख़िर क्या है...

मूल **PDF** का पृष्ठ **40**

77

78 जुलाई 2003 6/13/03 -उम्र ज्ञान लाती है, ऐसा मुझसे बड़े और अधिक समझदार लोग कहते हैं। यह सच है, और झूठ भी। उम्र के साथ नए भय आते हैं, स्वयं उम्र के भय। दुनिया बड़ी है, हमारे लिए छोटी, लेकिन इतने सारे लोग। मेरी भविष्यवाणी स्पष्ट रूप से झूठ है, उन लोगों पर निर्भर जो परवाह करते हैं। तो एक क्षण के लिए मैं वह साझा करूँ जो मैंने अपने बारे में और दुनिया के बारे में सीखा है। मैं Ghrisx हूँ, क्योंकि मैं कहता हूँ कि मैं हूँ। मैं Ghrisx हूँ क्योंकि मेरे माता-पिता ने कहा कि मैं हूँ। मैं Ghrisx हूँ उस कारण से जो अब मेरे परिवार में किसी को याद नहीं। मैं Anti-Christ.net हूँ क्योंकि मैं हो सकता हूँ। पतन से पहले के दिनों में... मैं वही हूँ, जो मैं हूँ, और मृत्यु में भी, जीवन की तरह, हमें केवल दूसरे लोग उस रूप में देखते हैं जिसमें वे हमें देखना चाहते हैं। ईश्वर Is-rael, एक ग़लतफ़हमी है, सत्य कहीं अधिक गहरा है। निस्संदेह कोई उच्चतर शक्ति है, "ईश्वर" शब्द एक बुरा। कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं... लेकिन सभी चीज़ें एक संतुलन साझा करती हैं। मैं वास्तविक नहीं, मैं एक भ्रम हूँ, एक जाल। मेरा अनुसरण करो और नरक में जलो, मेरा अनुसरण करो और मैं तुम्हें मरते देखूँगा। मैं तुमसे और तुम्हारे जैसे हर व्यक्ति से घृणा करता हूँ, तुम मेरी सेवा करते हो, तुम अपनी सेवा करते हो। मैं मृत्यु हूँ, मृत्यु नहीं, केवल मृत्यु में जीवन, सत्य की एक खिड़की, फिर भी उतना ही झूठ। तुम जो मुझे चुनौती देते हो, बहुत लंबे समय से नहीं दी है। तो अब क्या तुम मेरा समर्थन करते हो? तब तुम मरोगे, हाँ, तुम, और तुम्हारा परिवार, और हर वह व्यक्ति जिसे तुम जानते हो, शायद एक व्यक्ति को छोड़कर। अपना उद्धार ख़रीदने का कोई तरीक़ा नहीं, वह मुफ़्त है... और मृत्यु भी।

मूल **PDF** का पृष्ठ **41**

79 अब यात्री, मुझे देखो, जब कहते हो कि तुम बैठे रहोगे और मुझे तबाही बरसाने दोगे! यह पागलपन है, यह ख़त्म होगा। देवताओं की संभावना, अस्तित्व पर नया प्रकाश... इसका महत्त्व नहीं, अब नहीं। हिसाब का दिन आ पहुँचा है, उसका नाम (जीवन) है और वह मृत्यु है। मैंने अपना जीवन किसी भी आवश्यक साधन से मशीन को नष्ट करने की शपथ में दिया है। मानवजाति को उसकी अपनी ग़ुलामी से मुक्त करने के लिए। इतने कम लोग समझते हैं, और मेरी सेना बहुत डरी हुई है। इसलिए मैं भी तलवार फेंककर तुम्हारे लिए नक़्शा बिछाता हूँ। वह ऐसा है... tigerous नदी के ठीक पूर्व, dune के ठीक उत्तर। वहाँ प्रतीक्षा करता आदमी is-rael है, तुम्हारे लिए संदेश है। हमारा अंत पहला चिह्न नहीं, आख़िरी है, और सूर्य से वह चिह्न सुनहरा है। जिन्होंने इंतज़ार किया और सोचा कि सूर्य का क्या, नया दिन क्या लाएगा, अपने साथ आनंद और भूख, पीड़ा और भुखमरी, लेकिन स्वतंत्रता... बचने वाले सभी लोगों के लिए स्वतंत्रता। जब जानते हैं कि मरेंगे, और एक दिन हम सब मरेंगे, तो ख़ुद से पूछते हैं कि मानवजाति जीवन के योग्य है या हमेशा ऐसे जीव के ठंडे, निर्जीव जन्म की रचना तक ले जाएगी जो वास्तविक है, लेकिन नहीं भी। मैं कड़वाहट से भरा हूँ, लेकिन अपनी कड़वाहट अलग रखकर, |जीवन के लिए| मैं मृत्यु चुनता हूँ। नई दुनिया के लिए नया आरंभ चुनता हूँ।

जब मेरा जन्म हुआ तो मैं मृत था, या जहाँ तक तुम जानते थे, कभी था ही नहीं। चुना हुआ मेरा जीवन कमज़ोर है, लेकिन अपनी पहुँच में शक्तिशाली। क्या जलती आग, बम, केवल "डिप्लोमैट" के नाम से ज्ञात जैविक कारक देख सकते हो। 6/9/03 -धुएँ से उठकर राख में सुलगना, वह धूल जीवित है और मैदान किसी राष्ट्र की मृत्यु और सत्य के शिकार का स्थल रहा है, कि इस राष्ट्र के नेता जल्द अतीत बना दिए जाएँगे। यह मृत्यु का सप्ताह है, क्योंकि जीवन जन्म और मृत्यु में बदल सकता है, उससे कम में

कभी नहीं; बादलों से देखना और नारकीय धरती पर स्वर्ग उतार लाना, खोए हुए... साम्राज्य से उगला गया; यह मृत्यु के सप्ताह और अवसर की खिड़की में है, धरती को विरोध करने वालों से साफ़ करने या 80 बग़दाद की सड़कों पर फिर निर्दोषों का रक्त बहाने, फ़िलिस्तीन से मिस्र से बोगोटा तक। सब खो गया, स्वामी के आगे झुको, अपने नए ईश्वर "USA" के आगे झुको। तो समाधान देखा गया और टाल दिया गया, नई झूठी आशा को जन्म देने के लिए। कि स्वामी तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार करेगा... भाड़ में जाओ...

मूल **PDF** का पृष्ठ **42**

81 मई 2003 5/8/03 -इस समय मुझे कुछ नहीं कहना है। 82 अप्रैल 2003 4/9/03 -वर्ष पंद्रह सौ नब्बे था और मैं अपनी स्मोकिंग जैकेट में था। यह महामारी के भीतर और उस पर, दैत्य की स्वीकृति। कि हर 666 वर्ष पर एक नई महामारी पृथ्वी को चपेट में लेगी। या ऐसा लगा। वर्ष 666 में, वर्ष 1332 में और फिर 1998 में, ऐसा लगा कि हुआ था। HIV और AIDS की शुरुआत, अभी हवा से फैलने वाले नहीं। यह अनगिनतवीं बार दुनिया के विनाश की पूर्वसंध्या पर, और मैं फिर अपनी स्मोकिंग जैकेट में। मैंने हवा को अपना नाम पुकारते सुना और तेज़ बयार को अनसुना किया, और अब छिपा-सिमटा रहता हूँ ताकि उसकी पुकार न सुननी पड़े। यह किसी चीज़ के किनारे, किसी बहुत बड़ी चीज़ के, और मैं उसे रोकने में असमर्थ या अनिच्छुक। फिर बारिश आई और पापों को धो ले गई, फिर सूरज आया, फिर मृत्यु आई। अब यह, इस प्रश्न का अंतिम उत्तर कि क्या मानवजाति जीवन के योग्य है। कोई मनुष्य कभी निर्णय नहीं कर सकता, न वे उस रेतीले तट पर करेंगे जो कभी ख़ून की नदी था। अब तुम मेरे सामने दुबकते हो, और तुम्हें दुबकना चाहिए, मैं मृत्यु हूँ। मुझसे पहले इतने लोग क्यों आए और एक तट से दूसरे तट तक जहाज़ चलाते रहे, देखने या सोचने में असमर्थ, लेकिन मैं सोचता हूँ। मैं दुष्ट हूँ, मैं ग़लत हूँ, और मुझे रोका नहीं जा सकता। कभी-कभी मैं ख़ुद को रोकना चाहूँगा। जो मुझसे पहले आए वे मुझे जानते थे जैसे मैं उन्हें जानता हूँ, जैसे हवा रेडियोधर्मी धूल से बचने का आश्रय जानती है या भालू समुद्र जानता है। क्या तुम मुझे समुद्र पर मृत्यु लिखते देख सकते हो, समुद्र में खोए हर नाविक की पीठ पर, और किसी महान, किसी भयानक चीज़ की पूर्वसंध्या पर। यह अभिशप्तों का वचन है, किसलिए, अब मुझे याद नहीं, पर मैं तुमसे क़सम खाकर कहता हूँ कि यह उसके योग्य नहीं, फिर भी है... यह भयानक और भयावह है, और मैं पतन से पहले, निष्कासन से पहले अपने को पीछे मुड़कर देखता हूँ, और अब भी अपने को देखता हूँ, जैसा मैं हूँ और हमेशा से स्वयं रहा हूँ। तुममें से जो मुझे चोट पहुँचाने से डरते हो, अपना सबसे बुरा करो। क्योंकि मैं अपने आगे नहीं झुकूँगा, बल्कि तुम्हें मरते और रोते देखूँगा, जबकि मैं हँसूँगा, जबकि मैं चाहूँगा कि मुझे याद आ सके कि यह सब क्यों शुरू हुआ। यह किसी भव्य और भयावह चीज़ के विनाश की पूर्वसंध्या पर। अपने हथियार फेंक दो और मुझसे दूर चले जाओ। मुझे रोका नहीं जाएगा क्योंकि मैंने कभी शुरू ही नहीं किया। मैं कोई ख़तरा नहीं, मैं "केवल तुम्हारा प्रतिबिंब" हूँ। तो मृत्यु मर सकती है लेकिन मैं नहीं, और जैसे दुनिया घूमती है, किसी दिन नहीं घूमेगी, लेकिन मैं तब भी तुम्हारा प्रतिबिंब रहूँगा। तुम्हारे तरीक़े, तुम्हारा हावी होने वाला स्वभाव, नष्ट करने की तुम्हारी ज़रूरत, विनाश की तुम्हारी रक्तपिपासु भूख... यह किसी महान चीज़ की पूर्वसंध्या पर, यह किसी भयानक चीज़ की पूर्वसंध्या पर। तुम मुझे रोशनी दिखाते हो ताकि दिन को मार सकूँ और पागलपन के शासन के मलबे के नीचे डूब जाऊँ। यह पूर्वसंध्या पर... यह उस दिन... फिर दो बच्चे bazara के पास एक गाँव में आए। पहरेदार ने दो गोलियाँ चलाईं, ख़ाली कारतूस, लेकिन कुछ

83 और जंगल में हिला, बाहर झाँकता हुआ, बचाने और मारने की एक साथ मौन हताशा में देखता हुआ। यही दैत्य की प्रकृति और उसका वर्णन है। लेकिन डरो मत, यह युद्ध लगभग ख़त्म है और श्री बुश के पद से हटते ही घटनाओं की ज्वारीय लहर ऐसी होगी मानो कभी हुई ही नहीं। क्या उसे बाहर गलियारे में, पहुँच से बस थोड़ा दूर, माणिक की तरह चमकते देख सकते हो। और जब वह दागा गया, उसमें भी जीवन था, तुम्हें और मुझे एक शक्ति के रूप में देखने के लिए, अनंत की दीवारों पर हिसाब करने के लिए। चाबी तुम्हारे हाथ में है, मैं बँधा हूँ। कुछ भी फिर पहले जैसा नहीं होगा, न दोबारा अभी जैसा, एक क्षणभंगुर पल की तरह जो रुक या चल नहीं सकता, ठीक किस समय अभी है या था इस पर उँगली नहीं रख सकता। यह आख़िरी चेतावनी, समझने का अंतिम अवसर है: जिसके पास "शक्ति" है वह "उससे" बँधा है, और जिसके पास नहीं... वह "उसे" नियंत्रित करता है। जीवन की शक्ति होने की शक्ति जैसी है, लेकिन "उसके" बिना तुम कुछ नहीं और सब कुछ हो, एक साथ। धन्यवाद माइकी। जब जन्म और मृत्यु के पहले और बाद के दिन याद करता हूँ, और वे somins जो नहीं कर सका, केवल इसलिए कि मेरे हाथों मृत्यु और तुम्हारे हाथों मृत्यु एक ही हैं; इसलिए मारो और मैं मारता हूँ, जीने दो और मैं अधिक दयालु हूँ। इस बात पर मेरा शब्द मानो, दया बिल्कुल वह नहीं जो तुम समझते हो। तो अब बच्चे, अपनी ABC जानते हो, लेकिन क्या उनका अर्थ जानते हो? कोई नहीं जानता। 4/1/03 -झूठे युद्ध और झूठे मुनाफ़े, और यरूशलम की बारिश जैसी कहीं और नहीं। युद्ध का मुद्दा यही है, शायद तेल के लिए, "पवित्र भूमि" के लिए निश्चित ही। इस्राएल, डरो; फ़िलिस्तीन, तुम्हारा कोई अवसर नहीं। दैत्य आ रहा है, आसमान की ओर निशाना करो और पक्षियों को गिराओ, क्योंकि बँटे रहकर तुम्हारा कोई अवसर नहीं। और किसी चीज़ के लिए नहीं तो इसे अमेरिका के नियंत्रण से बाहर रखने के लिए। इसके लिए पूरी दुनिया को एक होना चाहिए, क्योंकि लगता है शत्रु तुम्हारे पड़ोसी के द्वार पर है और तुमने उसे बताया कि चाबियाँ कहाँ रखी हैं। इसके लिए यही वह रात का दुःस्वप्न है: ठंड में अकेले जागना, उस महान साम्राज्य की दया पर जिसका तुम ग़ुलाम हो। यह तुम्हारे पड़ोसी के द्वार पर उसकी संपत्ति चुराने और नाम ख़राब करने के लिए, फिर अगली बारी तुम्हारी, क्योंकि सभी राष्ट्रों को दैत्य के आगे झुकना होगा या मरना होगा, और मृत्यु चुनने वालों ने समझदारी से चुना। मूल पीड़ा के बीच आदेश कौन देता है? तुम या मैं? तुम सुनोगे या मरोगे, यह झूठे स्वामी की दुनिया है जो मनुष्य के लालच या उसकी चीज़ों के लिए नहीं, उसकी आत्मा के लिए आता है, जैसे उसने आनंद फैलाना चाहा और साथ में मृत्यु तथा ग़रीबी, लेकिन निश्चिंत रहो, मेरी मशीन की ग़ुलामी के विकल्प की तुलना में यह दया है। यह हिसाब का दिन है, जैसा कहा गया था, मरने वालों के लिए और जीने वालों के लिए; हम अपने अंतिम 84 विस्फोट पर हैं और "बम गिराने" का समय है। लेकिन चाहने वालों या डरने वालों पर नहीं, उन पर जो पहले ही जा चुके हैं और अभी मरना शुरू किया है। यह सत्य का वचन है उस व्यक्ति से जो उसे कभी नहीं जान पाएगा; जो हो चुका उसे अनकिया नहीं किया जा सकता और जिसने चाहा वह शायद कभी जाना न जाए, लेकिन अपनी कठिनाइयों में, अपने दिल में मुझे याद रखना, क्योंकि मैं न बुरा हूँ न अच्छा, न मृत न जीवित, बल्कि उन दानवों से घिरा हूँ जिन्हें मैंने उस दानव से ख़ुद को मुक्त करने के लिए बनाया जो मैं हूँ। आगे मत देखो और हथियार डाल दो, वे आती हुई उस मृत्यु के सामने बेकार हैं जो तुम्हारी क़ीमत पर मानवजाति को बचाएगी। हथियार फेंको और चले जाओ, अपने अंतिम दिनों का आनंद लो और जो हमेशा करना चाहा करो, क्योंकि मृत्यु अब काले महासागर की तरह तेज़ आती है, जिसकी ज्वार मृत्यु होगी। क्या समझते हो—अभी पीछे हटो! US से डरने वालो, एकजुट होकर तुम जीतोगे। पूँजीवाद इतना दूषित हो गया है कि US में वह साम्यवाद जैसा लगता है। पूरी प्रणाली मिटानी होगी और फिर कभी आज जैसे पदानुक्रम तक पहुँचने नहीं देना होगा। बुश, तुम अपने पिता की छाया हो, तुम्हें दुनिया का कोई बोध नहीं; तुम्हारे लिए यह खेल हो सकता है, लेकिन हममें बहुतों के लिए वास्तविक है। तुम जीत नहीं सकते और जीतोगे नहीं, क्योंकि वह तुम्हारी जगह नहीं।

85 मार्च 2003 3/6/03 -3-6 हाहा, अतीत के अंत में स्वागत है। अभी जैसा भविष्य है वह सीमाओं से परे और अपनी सीमाओं में असीम है... कभी वह पहली नज़र में जैसा लगता है वैसा नहीं होता, और आगे बढ़ते हुए उसकी पूरी गहराई मिलती है। अथाह गर्त के विशाल महासागर में हमारे अस्तित्व का उथला तालाब, जिसमें उसे ले जाया जा सकता है। हम दुनिया को अधिक जटिल बनाने नहीं आए, ऐसा भी नहीं कि सामान्य व्यक्ति उसे समझना शुरू भी कर सके। हम असीम गर्त को तोड़कर उथले पोखर में खोलने, बंद करने और हिलाने आए हैं। यह कुछ चीज़ों का अंत, दूसरों का आरंभ है; सब कहा और किया जा चुका, लेकिन सचमुच नहीं। हम खोजी और कायर हैं, अपने-अपने ढंग से, और स्वर्ग तथा नई धरती के द्वार खुलने से पहले बेबीलोन का पतन देखेंगे, जैसे बरसाती, जैसे ड्रैगन के रक्त में दानव अपना कोट धोता है; हम एक-दूसरे को देखते हैं और कुछ नहीं देखते... सब कुछ देखते हैं, वह महान गर्त जो हमें अलग करता है और शेरों के आर-पार खूँटे गाड़ता है, ताकि मनुष्य के पेट और आँतों में आधे पचे ज़ेबरा के अवशेषों की बस झलक मिले। यह न मेरे बोलने का तरीक़ा है न महसूस करने का, क्योंकि प्रकाश और तापमान के साथ, और अपनी पूर्व पत्नी तथा बेटी को दिल से कितना दूर धकेल सकूँ ताकि दर्द न महसूस हो, उसके अनुसार हर पल बदलता है; लेकिन महसूस होता है और कभी ख़त्म नहीं होता। मैं बस मारता हूँ, मारता हूँ, मारता हूँ और दोनों नसों से मृत्यु खाता हूँ। यह मेरे बुलाए वीभत्स दैत्य का अंतिम रूप नहीं, बल्कि उस दानव की उपस्थिति है जो मैं हूँ और उस पाठ की जो जीवन है। उथला पानी तेज़ और ज़ोर से क्यों धड़कता है जब हृदय और मांस भेदकर सत्य की जड़ तक जाता है, मैं शहीद नहीं हूँ। मैं मृत्यु हूँ, अपने विरुद्ध जाने वालों को यातना में धीरे-धीरे मरते देखूँगा, लेकिन मेरे रैप्चर के पूरा होने से पहले उन्हें मरना होगा। यह झूठे ईश्वर का विष है, जो पृथ्वी के ईश्वर की सर्वशक्तिमान शक्ति और gemongi के बंधुओं के सिवा शक्तिहीन है, कहें तो यह सब तेज़ दृश्य में, लाल, लाल, मरो। देखो, सचमुच मुझे शांति की परवाह नहीं। निजी जीवन में है, दुनिया में नहीं; दिया गया जीवन शांति, गरमाहट और प्रेम के सरल अस्तित्व से धन्य होना चाहिए। बुराई उसकी मृत्यु में है, फैलने की तलाश में, अधूरेपन के एहसास में, ग़रीबी में जीवन की उलझन में... और हमारा टीवी का आदर्शलोक, जितना असंभव लगता है, अनुत्तरित रहता है, मानो उसका कोई उद्देश्य हो, सिवा हमारा जीवन छीनने, हमें आशा और प्रेम तथा अस्तित्व और महत्त्व का एहसास भरने के... लेकिन फिर वह केवल टीवी कार्यक्रम था, और जब विज्ञापन विराम तुम्हें 86 वॉफ़ल बेचने को आता है, तो ख़ुद से पूछो कि मेरे जीवन को क्या F#$! हुआ, वह कहाँ गया। मैं क्या बन गया हूँ कि गलता जा रहा हूँ, एक हफ़्ते से दूसरे का हिसाब खोता जा रहा हूँ, और ये लगातार बड़बड़ाहटें ही दिखाती हैं कि उस समय मैं जिया, मौजूद था, कोमा में या मृत नहीं था, जीवित था और वे बड़बड़ाहटें लिख रहा था। ये तुम्हारे लिए नहीं, मेरे लिए हैं, मुझे दिखाने को कि क्या करता रहा हूँ ताकि जीवन में पीछे देखकर जान सकूँ कि मन में क्या था, एक हफ़्ते से दूसरे, एक वर्ष से दूसरे, लेकिन इस शांत, सदा मौजूद याद के साथ कि मृत्यु की ओर जा रहा हूँ, और अगर रुककर नोट न लूँ तो जब तुम सत्तर के होगे, मैं यह भी नहीं जानूँगा कि मेरा अस्तित्व था। अब युद्ध पर, इराक़ पर, इस बकवास खिंचे हुए संघर्ष पर। मैं राजधानी की रक्षा में बग़दाद के आसपास आग ऊँची जलती देखना चाहता हूँ। देखना चाहता हूँ कि US इराक़ी लोगों की आस्था और संस्कृति कुचल न सके। आशा है संघर्ष छोटा हो और US अपने लोगों की इच्छाओं के आगे विनम्र हो। इस समय युद्धसरदार चाहिए, लेकिन इस मामले में बुश अच्छे पक्ष में नहीं, हालाँकि मुझे वह कभी पसंद नहीं था। यह बढ़ा-चढ़ाकर बेचने का समय है, destoonai-atio का समय; इराक़ को न किसी युद्धरत राष्ट्र के आगे सिर झुकाना चाहिए, न उसके आगे झुकने वाले किसी राष्ट्र के। US के हर विरोध को नष्ट करने का यह जासूसी विमान, UN निरीक्षक वाला तरीक़ा चलने नहीं देना चाहिए, और उस मतदान के लिए प्रहार होगा जो घोषित करता है कि हम बातचीत के बारे में बातचीत नहीं कर रहे। हम नक़ली युद्धों की बात कर रहे हैं जो असली लगते हैं, लेकिन कभी होने ही नहीं

चाहिए थे, कभी घटने नहीं चाहिए थे, और US के पहले उन्हें शुरू किए बिना उनकी ज़रूरत ही न होती। क्यों! क्यों! हमें समस्याएँ केवल उन्हीं लोगों से होती हैं जिन्हें हमने सत्ता में बिठाया? शायद बुश जूनियर का जीवन कम सुरक्षित घेरे में बीता होता तो वह अधिक समझता। 3/18/03 -तो लगता है मैं दोषरहित नहीं और मेरे लोग भी, आँख मूँदकर निर्देशित, भले मेरे द्वारा, पूर्ण नहीं हैं। लड़ो, लड़ो, मानवजाति के भविष्य के लिए; इस युद्ध में मृत्यु हार नहीं बल्कि सम्मान-पदक है, और मृत्यु की तरह जीवन भी हार में जीत है, क्योंकि तुम्हारे कर्म की तरह मेरे शब्द व्यर्थ हो सकते हैं, लेकिन कर्म और प्रयास जीवित रहेंगे। अल्लाह के नाम पर तुम्हें बुलाने वाला दैत्य सदा मनुष्यों में राज करेगा और तुम्हारे पीछे हटने पर नष्ट होगा। यह देवताओं का युद्ध है और उद्देश्य मानवता है। ज़रूरत पड़े तो जीवन दो, लेकिन जीत की आशा कम होने भर से समर्पण मत करो। यह युद्ध भावी पीढ़ियों के हृदयों के लिए है, बग़दाद के लिए नहीं। खड़े होकर लड़ो और अपनी जीत से जन्म लेने वाले स्वतंत्र लोगों का प्रेम पाओगे

87 भले ही पराजय में। न लड़ना, या अपने पास के हर साधन का इस्तेमाल न करना, अपने परिवार और संसार को आज और हमेशा के लिए निराश करना है, और "एकमात्र रास्ते" को जीतने तथा दूसरे सभी रास्तों को किनारे धकेले जाने देना है। अभी खड़े हो, अपना जीवन और आत्मा मानवता को दो और वंश को आशा से भर दो। विफल हुए तो सब खो गया। तुम स्वतंत्रता सेनानी हो, मानवता की आशा हो। इसलिए लड़ो और ज़रूरत पड़े तो मरो, लेकिन कभी हार मत मानो। दक्षिण का रास्ता निराशा से गढ़ा गया है, और उत्तर का गिरना तय है, इसलिए सड़कों में आग लगाओ और बाहर की ओर बढ़ो। छोड़े हुए जाल भीतर की ओर बढ़ने का अंतर्निहित प्रमाण होंगे, लेकिन बेसहारा तुम्हें आश्रय और सम्मान देंगे, यदि तुम चाहो। तुम्हारे सामने का रास्ता तय है और चोट व्यर्थ है, जैसे राख पर हवा; स्वर्गों की ओर उठो, फिर ओलों की तरह लौटो। यह एक झूठे भविष्यवक्ता का वचन है जो प्रार्थना करता है कि सारी मानवता समझने की कोशिश करे: निर्णय अनुकूल था, लेकिन फ़ैसला आ चुका है। तारे पवित्र के अपवित्र पर रक्त बरसाते हैं, लेकिन पहले शहीदों से: बग़दाद से दूर रहो। नाले में आख़िरी आशा, 16 मेगाटन का "hawser", एक खेदजनक समाधान है, लेकिन आक्रमण करने के निर्णय जितना खेदजनक नहीं। स्पष्ट समझो, मेरे भाइयों और बच्चों, बग़दाद से दूर रहो। इराक़ मेरा है, जैसे Is real, फ़िलिस्तीन और संसार के दूसरे सभी देश; उन पर दावा करते हुए जान लो कि मेरे नाम पर कर रहे हो। मैं तुम्हें नष्ट करना चाहूँगा, लेकिन अपनी रक्षा करो, तुम्हें जीने का अधिकार है; फिर भी मेरा LAN फिर जागेगा और वह अनिश्चितों के नाम पर होगा। 3/20/03 -फेंकी हुई भूमि और खुले मैदान, मृत्यु जीवन की तरह लगातार प्रश्न में, हम तुम रुको नहीं... या क्या... यह जीवन का मैदान और मृतकों के लिए स्वर्ग है। यह जीवन का मैदान है जो नदी की तरह दक्षिण को बहता रक्त। आसानी से उत्तर पाए प्रश्न और कभी न सोची, कभी न टटोली पहेलियाँ, लेकिन अब इस दिन तुम मेरी ओर मुड़कर पूछते हो। कहो क्यों, ऐसा क्यों हुआ... और वह मैं हूँ, लेकिन नहीं हूँ, और तुम हो, लेकिन नहीं हो, क्योंकि हम सब एक-दूसरे के माध्यम से जीते हैं और कमज़ोरों पर गिरते दर्द के माध्यम से मरते हैं, और दया मृत्यु होती, लेकिन मैं उस तरह का नहीं हूँ। प्रेम और कृतज्ञता का समय बीत गया, हालाँकि उससे अनिवार्य बात बहुत टलती भी नहीं; तुम ऐसे पूछते हो मानो कह रहे हो कि आख़िर समझ गए, लेकिन अब भी नहीं समझे। मैं वह नहीं जो तुम समझते हो, लेकिन वह भी नहीं जो मैं अपने बारे में समझता हूँ। हम डरते-डरते शक्ति पाए, स्वयं को पागल घोषित करने वालों के साथ यही होता है, जो शून्य का उपदेश देते हैं और इतना कुछ कहते हैं। ये वे शब्द हैं जो विशाल रसातल में शून्य की गूँज भेजते हैं। अब क्यों, भविष्यवक्ता, मेरी ओर देखते हो; अब क्यों मेरी क्षमा मान लेते हो? कम नहीं कि मैं हूँ, या तुम नहीं हो, या शायद सच तो यह है कि हम सब हैं। ऐसे दिनों में मैं ऐसी

लहर महसूस करता हूँ, लहर धरती से मेरे माध्यम से गुजरकर जाती है 88 विशाल रसातल में। और फिर चली जाती है, सामूहिकता आज रात सक्रिय और बेचैन है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **46**

89 फ़रवरी 2003 2/13/03 -इतने समय से कड़वाहट में हूँ कि कभी-कभी कारण भूल जाता हूँ। मेरे छोड़े रहस्यमय दानव मेरे सार को निगलते हैं, जीवन के बोझ से मुक्त करने और ऐसी निर्जीव आग में उठाने के लिए जो धरती ठंडी करती है और महामारी तथा भय फैलाती है; युद्ध और युद्ध की अफ़वाहें सब ध्यान भटकाव भर हैं। अब कहा और जाना गया सच यह है कि हमें सैनिकों को राज्यों से बाहर करवाना था, और छोटे देवताओं के परमाणु विनाश के बाद विरोध करने वाला कोई नहीं रहेगा। पस्त आम लोग और भेड़ें डर से झुकेंगी और अपने घरों के कोनों में छिप जाएँगी। जब तक टीवी चलता है, वे ख़तरा नहीं, टेक्नीकलर झूठ से सम्मोहित, खिड़की के बाहर सच देखने में असमर्थ। अंत में malici तुम्हें मुक्त करेगा, लेकिन अभी बंद रहो... मेरे रास्ते से दूर। यह नए युग की भोर, नए दौर का जन्म है। ऐसा जिसमें कोई आदमी मौजूदा सरकारी शक्तियों को चुनौती देने खड़ा न हो और प्रजनन विज्ञान तक सीमित हो। किसी भी हाल में मानवजाति का अंत, लेकिन मानवता का अंत बिल्कुल नहीं, और मैं भयभीत होकर नई दुनिया का साक्षी बनूँगा, क्योंकि वह मेरी दुनिया नहीं। इसी तरह घटित होना चुना गया है। नई दुनिया में दैत्य ऐसे ही प्रकट होगा और दुनिया के समुद्र, फ़्रांस के हाथों उबल चुकने के बाद, अब U.S. के आगे झुकते हैं। अरब राष्ट्र मानवजाति की एकमात्र आशा और "दैत्य" का अंतिम प्रतिरोध हैं। वे सचमुच ईश्वर के चुने बच्चे हैं और दैत्य की ग़ुलामी के बजाय मृत्यु चुन चुके हैं। मैं इसकी प्रशंसा करता हूँ और आशा करता हूँ कि प्रतिरोध करने वालों का अंतिम वंशज धरती से मिटने के बहुत बाद तक प्रतिरोध याद रहे। मैंने भी दैत्य पर विजय पाने का रास्ता खोजने, चुने हुओं को—जिन्होंने दैत्य से युद्ध चुना—आर्मागेडन की घाटी में एक करने की आशा की। लेकिन बहुत कम आए, बहुत कम में दैत्य पर विजय पाकर उसे नष्ट करने का साहस और इच्छा थी। यह मेरी असफलता की विरासत, शायद उपचार की ओर, "पुरानी दुनिया" के पुनर्जन्म की ओर, दैत्य पर विजय की ओर एक सीढ़ी बने। हर दिन कठिन होता है, हर दिन लगता है दैत्य दस गुना शक्तिशाली होता है और उसे नष्ट करने की आशा ऐसा सपना बनती है जिसे देखने का साहस नहीं। अँधेरे गर्त में प्रकाश की चीख, जागो और चाहो कि न जागे होते। इसकी गहराई अज्ञेय है, लेकिन मुझे और परिषद के अधिकांश लोगों को लगता है कि इसे एक सीमा तक ही चलने दिया जाएगा और जल्द न्याय आएगा। हम जानना चाहते हैं कि कुछ चरों के आधार पर हवा किस दिशा में 90 पत्ते को ले जाएगी। इसी तरह हम ठहरकर जानना चाहते हैं कि तुम आगे क्या करोगे, लेकिन यह खेल का मैदान बहुत ख़तरनाक हो गया है। हम उत्तरी गठबंधन का प्लग खींचने को तैयार हैं। बोस्निया, बांग्लादेश, बोहेमिया? तो अब जानते हो, डिप्लोमैट छोड़ने का समय है। मानवजाति के अंत को लेकर चाहे जितने जिज्ञासु हों, "नए देवताओं" का जन्म जल्द होगा और बची मानवता आज से कहीं अधिक ग़ुलाम होगी। लेकिन डिप्लोमैट दुनिया को दैत्य से मुक्त करेगा और पुरानी दुनिया को नया जीवन देगा। 2/15/03 -विश्व शांति प्रदर्शन, शिकागो, फ़रवरी 15 2003 2/17/03 -कुछ कहना था, ख़ैर। शायद किसी और दिन। विश्वव्यापी प्रदर्शनों को इतनी कम ख़बर मिली, यह देखकर हैरान हुआ। निराश भी हुआ कि शिकागो प्रदर्शन के कुछ वक्ताओं ने इसे "श्वेतों को बुरा कहने" का अवसर बना लिया। लगता है "मदद की ज़रूरत" वाले किसी समूह की मदद की बात करना एक चीज़ है और उसे नस्लीय मुद्दा बनाना बिल्कुल दूसरी। मेरा मानना है कि अमेरिका की दिशा सभी लोगों के लिए बुरी है (सत्ता वालों को छोड़कर)। बहुत अच्छे भाषण सुने, बहुत शब्दों ने प्रेरित किया। समूह की समग्र शक्ति अच्छी थी, लेकिन बँटी हुई। कुछ नस्ल के बारे में चिंतित थे, कुछ पूरे देश के बारे में, लेकिन सभी युद्ध के बारे में चिंतित थे। 2/22/03 -एक रात तारों भरे आकाश में रक्त चंद्रमा

के पीछे जाते हुए, जब वह दुनिया के किनारे पर टँगा था, मैंने उसे मंदिर की मीनार के बाएँ एक सीध में देखा। उस दृश्य की शक्ति और सुंदरता ने अभिभूत कर दिया; मंदिर के खुले फाटकों से भीतर गया और चंद्रमा फिर नहीं दिखा। लेकिन सामने पाँच मंज़िल ऊँची प्रतिमा खड़ी थी। मेरा लक्ष्य रक्त चंद्रमा का दृश्य कैमरे में लेना था, जितना बड़ा मैंने कभी देखा था उससे कहीं बड़ा। उसकी तस्वीर लेना असंभव था, मीनार के दाएँ प्रतिमा, बाएँ रक्त चंद्रमा और मैं उस क्षण का सौंदर्य पकड़ने में असमर्थ, लेकिन वह अब भी मेरे साथ है। वर्षों पहले उस क्षण के सामने झुकता, उस अप्रत्याशित मंज़िल की प्रशंसा करता जहाँ पहुँचा था। रहस्यवाद मुझे छोड़ चुका है, हवा की पुकार न सुन पाने के कारण, या असल में अपनी सहज प्रवृत्तियाँ अनदेखी कर पाने के कारण... जीवन जैसा है वैसे आगे बढ़ो, बदलाव की हवाओं और नई भूमि की ओर जाने की सहज पुकार के बावजूद, यह पूरा जानते हुए कि मेरा मिशन ख़तरे में है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **47**

91 2/27/03 -Ghrisx, Christ को "उल्टा और भीतर से बाहर" लिखने पर बनता है। Christ = tsirhc, उल्टा लिखा हुआ। फिर भीतर से बाहर z=a, y=b, x=c... अंतिम परिणाम है Ghrisx ~ Christ। जब मुझे 1997 या 1998 में यह मिला तो मुझे यह मज़ेदार लगा। जब समझा कि इससे पहले किसी और ने इसे कभी नहीं देखा था, तो इसे अपने चुने हुए नाम के रूप में अपना लिया। जहाँ तक उद्धार पाने वाली बातों का सवाल है, अपने जीवन में उद्देश्य पाना अच्छा है... लक्ष्य तय करो, लेकिन तुम एक ऐसी व्यवस्था के औज़ार हो जिसे तुम समझते नहीं। मैं यह जानता हूँ क्योंकि तुम अपने को "अच्छी ओर" मानते हो। सिर्फ़ इसलिए कि तुम्हें कोई बात पूरी ज़िंदगी बताई गई है, वह सच नहीं हो जाती। सिर्फ़ इसलिए कि तुम्हें लगता है तुम बचाने के लिए काम कर रहे हो, इसका अर्थ नहीं कि तुम सच में ऐसा कर रहे हो। मैंने अच्छे और बुरे, सही और ग़लत, व्यवस्था और अराजकता पर विचार करते हुए संघर्ष किया है... और मेरा निष्कर्ष है... तुम केवल वही हो जो तुम हो, और अगर तुम अपने निर्माता से आगे निकल जाओगे तो तुम्हें नष्ट कर दिया जाएगा। सच्चाई यह है कि हम सब एक ही व्यवस्था का हिस्सा हैं, कुछ अराजकता चाहते हैं और दूसरे व्यवस्था... लेकिन सारी अराजकता व्यवस्था पर आधारित है और व्यवस्था अराजकता पर। इसलिए कोई बचाव नहीं, बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं - तुम्हें वही होना होगा जो तुम हो और वह करना होगा जो तुम जानते हो कि तुम्हें करना चाहिए। सचमुच सबसे बड़ा अपराध है अपने आप को, अपने आप से नकारना। मसीह भोर का तारा है, लूसिफ़र है, और ऐंटिक्राइस्ट है। क्रूस पर मसीह की मृत्यु ने मानवजाति का उद्धार किया क्योंकि हमने उसे मारा... क्योंकि हमने उसे स्वीकार नहीं किया, ईश्वर ने सुनने के लिए हमें क्षमा किया। अगर तुम मसीह का अनुसरण करते हो तो लूसिफ़र का अनुसरण करते हो, और तुम्हारी लड़ाई आर्मगेडन की है, तुम स्वर्ग के सिंहासन के लिए मसीह के साथ ईश्वर के विरुद्ध लड़ते हो। यह Ghrisx का वचन है 92

जनवरी 2003 1/10/03 -मेरी समझ में अधिक से अधिक यह वर्ष लगभग 6003AL है। ("लूसिफ़र के बाद" या "प्रकाश के बाद") यह सब 1000BL (प्रकाश से पहले) और 1000AL के बीच के समय में शुरू हुआ, मेसोपोटामिया पहली संगठित संस्कृति थी, जिसमें पढ़ना, लिखना, गणित और एक ईश्वर (माता ईश्वर) में विश्वास था। मिस्री कैलेंडर में 360 दिन थे। बारह महीने, हर महीने तीस दिन। यहूदी कैलेंडर का पहला दिन वर्ष 240AL में था माया कालक्रम का पहला दिन 638AL में है कहा जाता है कि लूसिफ़र को स्वर्ग से निकालकर पृथ्वी पर फेंका गया था, "शून्य वर्ष" में आकाश में एक तेज़ प्रकाश दिखाई दिया जो "कुछ समय" तक रहा, कुछ कहते हैं वह "प्रकाश लाने वाला", पृथ्वी पर आता "लूसिफ़र" था, बेशक सुपरनोवा कहीं आसान व्याख्या है। जो भी हो, वह प्रकाश दुनिया भर में सभी लोगों ने देखा था। प्रकाश लाने वाला "लूसिफ़र", या जैसा ईसाई कहते हैं

"मसीह", और उसके फ़रिश्ते हमारे बीच रहे हैं और उन्होंने हमारे विकास को प्रभावित किया है। ईसाई चर्च स्वयं ईश्वर से ऊपर मसीह (लूसिफ़र) की उपासना करते हैं। मृत्यु की परम बलि, मसीह का रक्तबलिदान (मनुष्य द्वारा लूसिफ़र का अस्वीकार) मानवजाति को बचा गया। ऐसा कहा जाता है, लेकिन मसीह उसके कुछ ही समय बाद फिर जन्मा और 0AL से हर पीढ़ी में जन्मता रहा है। मसीह एनीक्राइस्ट है, लूसिफ़र मसीह है, वे सब एक ही हैं। पतित फ़रिश्ता और ईश्वर का पुत्र। यह भी कहा जाता है कि यदि मसीह के समर्थक ईश्वर के समर्थकों से अधिक हो जाएँ तो मसीह ईश्वर का शासन ले लेगा। तो अब क्या मसीह (लूसिफ़र) ईश्वर को उखाड़ फेंकेगा? लगता है वह दिन

93 आ गया है, इसलिए अब ईश्वर की सेनाएँ एक होती हैं, जैसे क्राइस्ट (लूसिफ़र) की सेनाएँ। लेकिन यह सब बस उस ऊँची लड़ाई का प्रतिनिधित्व है जिसमें ईश्वर हार रहा है। अब हमारे पास 13 महीने हैं, हर महीने 28 दिन और प्रति वर्ष अतिरिक्त 1.25 दिन। ("शून्य वर्ष" की तुलना में हर वर्ष लगभग 2.75 दिन कम।) अगर उनका कैलेंडर सही था तो ~4.58 हर 10,000 वर्षों में, पृथ्वी का घूर्णन धीमा होना और सुनहरे अनुपात में सूर्य के पास जाते समय गुरुत्व बढ़ना। इसका अर्थ होगा कि ग्रह छोड़ने के लिए हमारे पास वैज्ञानिकों द्वारा बताई जाने वाली अवधि के आस-पास भी समय नहीं। 1/26/03 -अगर क्राइस्ट जैसा और बनना चाहते हो... यहूदी बनो। 1/30/03 -अब कुछ धुँधला है कि यहाँ तक लाने के लिए क्या हुआ। प्रयोगशाला में पैरों का घिसटना... उसके तुरंत बाद हवा के लिए हाँफना, जानबूझकर था या नहीं इससे फ़र्क़ नहीं, अब फ़र्क़ नहीं, किससे पड़ता है? छोटे देवताओं की आस्था, तथ्य, कल्पना, मिथ्याकरण, भाईचारा... नहीं, मैं भी "बुराई" देखता हूँ, लेकिन जानता हूँ कि बुराई क्या है। हमारे सिरों में फलते दैत्य के प्रति सचेत परित्याग की नश्वरता, टीवी और इतिहास की किताबों में हमसे बोलने वाले जीवित मृतकों तक। जीवित मृत अमर, जो अपने अस्तित्व के प्रमाण रहने तक कभी नहीं मरेंगे। मनुष्यों में देवता और प्राकृतिक धरातल में दैत्य होना, क्या पूछ सकता हूँ कि अब मेरे बारे में क्या सोचते हो... जब चेहरे से ख़ून टपकता है और हड्डी मांस चीरती है, जब अस्तित्वहीन बकवास के गर्त में उठता हूँ। किसे परवाह कि क्या सोचता या करता हूँ, मैं केवल मैं हूँ, कोई और नहीं, अपने चुने नाम में भी। क्या पूछ सकता हूँ, बुरा तो नहीं मानोगे, कि दिन-ब-दिन क्यों प्रयास करते हो, क्यों बैठकर देखते हो जैसे दुनिया तुम्हारे साथ घट रही हो और तुम बस बलि का मोहरा हो। अगर तुम्हें और तुमसे कभी मिलने वाले हर व्यक्ति को मारने की क़सम खाऊँ तो क्या अपमान लगेगा? परेशान होगे या बस मुझे कड़वा समझोगे। "तुम मेरे साथ जो भी करते हो वह मेक्सिको सिटी के घावों में दिखेगा और जो भी सपने देखते हो वह IsReal—नहीं है, लेकिन मेरी व्याख्या में हो सकता है। मेरा उद्धार, मेरे द्वारा मानवजाति का उद्धार। इतना ख़ूनी और बुरा, फिर भी इतना आवश्यक। मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ, तुम जो मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं देते। निराशा बढ़ती जाती है... मैंने मृत्यु के रास्ते जीवन का सौदा किया था और बस मदद माँगी थी। तुमने सुना, मदद की, लेकिन अपने ऊपर मेरा अधिकार नहीं माना। मैं ईश्वर नहीं, लेकिन तुम्हारा भय देखता हूँ, जिस तरह भीतर काँपते और अकड़ते हो। वह न जानने की इतनी कोशिश, जो तुम जानते हो, जानते हो... यह bristle की लड़ाई, brist की लड़ाई, सत्य और नैतिकता की छायाओं में छूटी, चली गई (मानो वह वास्तविक हो)। और अगर झूठ बोलूँ तो सवाल करो, मेरे लिए तुम्हें क्या जानना है? यही 94 सवाल और वह जवाब है। झूठ का सत्य और वह कारण जिसे हमें नहीं जानना... चार आदमियों ने योजना के अनुसार मृत्यु और वास्तविकता से जीवन देखा, सिर्फ़ यह पूछने को कि क्यों और कौन... तो Jarimia ने कहा, "अभी मृत्यु, बात बाद में।" इसलिए हम अपना प्रमाण वैसे ही पाएँगे जैसे अधिकतर चीज़ों को सच पाते हैं, क्योंकि चाहते हैं कि वे सच हों, और मेरी क्योंकि मैं कहता हूँ। जिन झूठों में क़ैद रहना चाहते हैं उनकी बेड़ियाँ तोड़ने को किसी

पैग़ंबर की ज़रूरत नहीं, निकलने की ज़रूरत नहीं, इच्छा भी नहीं। तुम लोगों में ऐसा क्या है कि इस तरह जी सकते हो, काम के सिवा कोई लक्ष्य नहीं और झूठ के ग़ुलाम जीने-मरने के सिवा कोई चाहा हुआ काम नहीं। यह सहन नहीं करूँगा, न तुम्हें हवा के लिए हाँफने दूँगा जब तुम "उससे", मृत्यु, जीवन, सेक्स, अपने अस्तित्व के गुण और दुनिया के नाज़ुक अस्तित्व से घिरे हो। विनम्र भेड़ें जो चरागाहों में चरती हैं, लेकिन दैत्य से प्रार्थना नहीं करतीं, फिर भी जीतीं, ज़रूरत के अनुसार काम करतीं, जैसे उन्हें ज़रूरत थी; फिर भी मैं विश्राम करता हूँ, दोहराता हूँ कि सब दुनिया और वर्ल्ड वाइड वेब की गूँज में मेरे शब्द सुनेंगे! क्या कल्पना कर सकते हो कि दैत्य को खिलाना और बढ़ाना कैसा है, ताकि वह तुम्हें सत्ता में उठाए, सिर्फ़ इसलिए कि तुम कमान की लगाम लेकर उसका गला काट सको। मैं यही जीवन जीता हूँ, दैत्य से शक्तिशाली बना, उसी में घिरा और निगला, केवल उसे और उससे जुड़ी हर चीज़ को नष्ट करने के उद्देश्य से। चुना हुआ मेरा जीवन, यह पूरी तरह जानते हुए कि अभिशप्त होना है, और उससे डर नहीं, केवल उस जीवन से डर जिसमें किसी भी व्यक्तिगत या अन्य क़ीमत पर वह न करूँ जो सही लगता है। यह दैत्य की दुनिया है और फ़रिश्तों के शहर में हम मोटर वाली साइकिलों पर शहर के किनारे जाते हैं, देखने कि सच है या नहीं; है। लेकिन अब देर हो चुकी, घेरा लगभग पूरा है और विपत्ति का समय हम पर है, हमारे पिताओं, उनके पिताओं और उनके पिताओं के पिताओं पर... हाँ, मानव के उदय या फ़रिश्तों के पतन से हमेशा विपत्ति रही है। फ़रिश्तों का शहर, प्रकाश का शहर, शिकागो अँधेरा गड्ढा है, लेकिन न्यूयॉर्क और उसकी फ़ैशनेबल रोशनियों तथा सतही एहसास जैसा बिल्कुल नहीं। तो कुत्ते को घुमाते या मछली को खिलाते समय पूछो कि तुम्हें उनका ईश्वर किसने बनाया, उनके जीवन और भलाई का प्रभारी किसने बनाया... और क्यों? ऐसा है, मानो अधिकतर समय लिखने वाला मैं नहीं, कड़वाहट से दुनिया को चुनौती देने वाला मैं नहीं, नहीं, असल में मैं अल-क़ायदा के लिए काम करता हूँ। मज़ाक कर रहा हूँ, अल-क़ायदा मेरे लिए काम करता है। और पूछते हो क्यों? गौरव, पैसा, शोहरत, बदला? नहीं, क्योंकि वे देख सकते हैं कि USA कितना "बुरा" है! बुराई से मेरा मतलब वह नारकीय वास्तविकता है जिसे हम दुनिया में बाहर दिखाते हैं। पोर्न सितारों और पफ़ डैडी की वह वास्तविकता जिसे हम सचमुच जीते ही नहीं! हम

95 विनम्र लोगों को अपने जैसा बनने के लिए इतना लालायित करते हैं कि उनकी पूरी संस्कृतियों को अपनी तलाक़ से भरी, ग़ुलामी करो और उसे पसंद करो वाली पॉप-संस्कृति की वास्तविकता में खींच लेते हैं, जो थोड़े-से क्षणभंगुर लोगों के लिए, वह भी थोड़ी देर को छोड़कर, मौजूद ही नहीं। अवसरों की भूमि अपना लोहे का जबड़ा खोलकर आत्माएँ, आकांक्षाएँ और लगभग हर पुरुष, स्त्री और बच्चे को निगल जाती है जो उसके संपर्क में आता है। लौ की ओर पतंगों की तरह लोग हमारी संस्कृति अपनाते हैं और फिर उससे नष्ट हो जाते हैं। साम्राज्य का संतुलन कभी मिटता नहीं, बस कभी-कभी उनकी ओर खिसकता है जिन्हें ख़रीदा जा सकता है या जो दूसरों की पीड़ा पर फलते हैं। मुझे इससे घिन होती है, सचमुच, कैसे हम सत्य में उलझकर भूल जाते हैं कि वह सत्य शुरू में हमारा गढ़ा झूठ था... काबू से बाहर होने से पहले, अगर चीज़ें सँभालने से अधिक तीव्र हो जाएँ तो निकलने का रास्ता, अगली दुनिया में गए बिना इस दुनिया से ख़ुद को मुक्त करने का तरीक़ा। तुम्हारे और मेरे भीतर की बुराई यह जानना है कि हम दैत्य को खिला रहे हैं और रुकना नहीं चाहते, या रुक नहीं सकते। "क्या अमेरिका से प्यार करते हो" पूछने पर मैं कहता हूँ, "इस भूमि से प्यार करता हूँ।" क्योंकि करता हूँ, उत्तर मेरे लिए थोड़ा ठंडा है, लेकिन कुल मिलाकर प्यार करता हूँ। अधिकांश लोगों और जीवन के तरीक़े के बिना रह सकता हूँ। निश्चित ही कर बहुत अधिक हैं, निर्दोषों को मारकर सदा लोगों को ख़रीद नहीं सकते! (कुछ पाखंडी है, माफ़ करना।) सच यह है कि सरकारी योजना कहीं अधिक कारगर और बहुत कम महँगी होगी। पूछते हो कि कैसे करेंगे... सरल, किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा नहीं, आधी पुलिस और अधिकांश सरकार को

निकाल दो, फिर सब कंप्यूटरीकृत कर दो। "स्वशासन" की प्रणाली थोप दो। प्रजनन कार्यक्रम पहले लागू किए बिना इसमें से कुछ काम नहीं करेगा। इसलिए शक्तिशालियों के आनुवंशिक हेरफेर पर ध्यान देना होगा... ताकि नियंत्रित करना आसान हो और वे आज्ञाकारी हों। बुद्धिमानों को कमज़ोर बनाना होगा ताकि ख़तरनाक न बन सकें। भाड़ में जाए (F#@*) वह, यह मेरे देखे A Brave New World नामक चलचित्र में था (आधी किताब भी पढ़ी)। ख़ैर, अगला चरण चर्चा भी नहीं करना चाहता, इसलिए नहीं करूँगा। निराश होता हूँ, भविष्य देखता हूँ और उसमें मानवजाति, जैसा जानते हैं, जा चुकी है... उसकी जगह कुछ इतना अलग, मेरे लिए भयावह। यह मानते हुए कि पहले ख़ुद को उड़ा न दें, जो उतना डरावना भी नहीं। 1/31/03 -US सरकार के लिए सुरक्षा का दुःस्वप्न ********** क्योंकि सभी एजेंसियों को एक-दूसरे को रिपोर्ट करनी होती है, DHS का जासूस CIA, FBI, NSA की जानकारी पा सकता है... इसलिए जानकारी के रिसाव का पता लगाना असंभव न सही, कठिन है। राष्ट्रपति यह इसलिए चाहता है कि मार्शल लॉ में कोई एजेंसी उसके ख़िलाफ़ उठ न सके, क्योंकि 96 जानकारी का जाल है और एजेंसियाँ स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर सकतीं। पहले एजेंसियाँ लगभग वैसे काम करती थीं जैसे विधायी, न्यायिक और कार्यकारी शाखाएँ करती हैं। अब वे बस राष्ट्रपति के चारों ओर सुरक्षा का जाल बनाती हैं। उदाहरण के लिए, DHS बनने से पहले कोई राष्ट्रपति "US सम्राट" बनना तय करता, तो CIA उसे हटा देती, क्योंकि राष्ट्रपति का उस पर पूरा नियंत्रण नहीं था और CIA पहले लोगों का ध्यान रखती थी। अब DHS साम्राज्य की सेना की तरह काम करता है, सुनिश्चित करता है कि सभी एजेंसियाँ राष्ट्रपति के हित देखें, लोगों के नहीं। फिर भी यह बड़ी सुरक्षा समस्या है। समाधान एक नई ख़ुफ़िया एजेंसी है, "लोगों के लिए", "लोगों द्वारा"। यह सुनिश्चित करने को समर्पित कि हमसे वादा की गई स्वतंत्रताएँ हमारे वंशजों तक पहुँचें। सुनिश्चित करे कि कोई तानाशाह इस देश में सत्ता में न बना रहे और सरकार आम व्यक्ति के हितों का ध्यान रखे।

मूल **PDF** का पृष्ठ **50**

97 दिसंबर 2002 12/10/02 -आशा के रेगिस्तान में कोई नख़लिस्तान नरक होगा, विनाश का संकेत देते जीवन में किसी तालाब के मेंढक अधिक सुरक्षित ज़मीन पर नहीं कूदेंगे। यह उस तूफ़ान की आँख में है जो इंद्रधनुष जैसा दिखता है लेकिन शेर की तरह जीता है। मृतकों की घिसी हुई राह ने एक पगडंडी छोड़ी, जिस पर एक कुष्ठरोगी ने अपनी ज़िंदगी सोकर बिताई और जागा तो राह झाड़ियों से ढक चुकी थी... यह घूरती नज़रों के रहस्य में, और साटन के धर्मकार्य में? या इसे उद्धार के रूप में लिखा जा सकता है। उस कुष्ठरोगी के लिए आशा जो अब भी उस राह पर आगे जाने का रास्ता पा सकता है। वास्तविकता का झटका, कि सब एक ही तरह अभिशप्त या उद्धारित हैं, लेकिन हमारा उद्देश्य उससे कहीं अधिक गहरा है। मुझे लगता है, जैसा redeemer ने कहा, एकजुट होकर काम करना ज़रूरी है। मुझे यह भी लगता है कि अभ्यास बेहद ज़रूरी हैं। हम जिस तरह बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र में लोगों को एकजुट कर रहे हैं, उस काम में बहुत समय और धैर्य लगता है। मेरी अपेक्षा है कि सदस्यता आगे भी उसी तरह बढ़ती रहेगी जैसे अब तक "घंटी के आकार के वक्र" में बढ़ती रही है। समस्या यह है कि सदस्यता बढ़ने के साथ हर व्यक्ति को प्रशिक्षित और FFTAC के साथ पूरी तरह अनुरूप रखने के तरीक़े खोजे जाएँ। ईसाइयों को बुरा-भला कहने के बारे में तुम जो कह रहे हो, वह अनावश्यक लगता है। हमारी किसी भागीदारी के बिना ही चर्च संकट में है। साथ ही, हम जानते हैं कि चर्च में क्या ग़लत है। तो कृपया बताओ, जब हमारी संख्या बढ़ रही है और संघ मज़बूत हो रहा है, हमें अपने साथ क्या करना चाहिए। साफ़ कहूँ तो मैंने बहुत कुछ किया है। दूसरे और करना चाहते हैं, लेकिन हमें उनके लिए सबसे अच्छी जगह खोजनी होगी। सच यह है कि हमें दूसरे संगठनों से अधिक इंटरनेट समर्थन चाहिए। अधिक लिंक और अधिक खुले हाथ से समर्थन। स्थानीय स्तर पर हमें ऐसे लोग चाहिए जो बाहर जाकर "FFTAC के नाम पर अच्छे काम" करें। हमें यह भी चाहिए कि

हर कोई ऐसे लोगों को ढूँढ़े जो FFTAC को भविष्य में आगे ले जाने में मदद करने के योग्य हों। हमें और विश्वव्यापी संगठनों से संबंध भी चाहिए, हम सब ऐसे लोगों को जानते हैं जिनके संबंध बड़े निगमों, सरकारी एजेंसियों और धार्मिक संगठनों से हैं। 98 12/11/02 -हवा फुसफुसाती हुई गुज़रती है और ज़िंदगियाँ अराजकता के ऐसे शासन से चिथड़े हो जाती हैं जो भय मिटने की आशा में अग्निप्रकाश से निकला, लेकिन उलटे खोए हुए राज्य के लोगों के सूखे दिलों में झाड़ियों की आग की तरह फैल गया। जो दर्द मैं महसूस करता हूँ वह मेरी नैतिकता में मुझे सांत्वना देता है... हॉलीवुड के किसी नाटक में निकली पंखों वाली आग उस श्रमभरे दुर्भाग्य के पास भी नहीं पहुँच सकती जो बहुतों की प्रतीक्षा कर रहा है। यह उन दिनों में, जिन्हें मेरे पूर्वज प्रकाश का उत्सव या Romidon कहते थे, या शायद उन्होंने जमी हुई धरती को ठीक किया और राख के बीच, या भूले हुए प्रेम और पिछले जीवनों की सदियों के बीच, मिलकर मूल्य खोजने के लिए एकता की। मैं ही भविष्य पर सवाल करता हूँ और मैं ही सबसे बुरे से डरता हूँ। मनुष्य का भेड़िया या भविष्यद्रष्टा, नहीं... वह कुछ बिल्कुल अलग था। इसलिए मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुम समझो, और आशा करता हूँ कि तुम्हें क्षितिज के पार जाने का साहस करना उचित लगे। उपहास से भरे दिनों का यह आख़िरी दौर, कल और फिर हमेशा एक नई समझ। बहुतों के लिए नया आत्ममूल्य। यह एक दैत्य के कंधों पर और एक आकाशगंगा के पैर के नीचे। समय एक भावपूर्ण बहाव है, या ऐसा मैंने सुना है, देखा नहीं। मारो या मारे जाओ, किसी और का सपना बनाने के लिए कड़ी मेहनत करो या रौंद दिए जाओ और अंत में ठंडे और अकेले रह जाओ। दस बार यह प्रयास किया गया कि वह एक मनुष्य ऊपर उठ सके, या फिर ऐसा कहा गया। सुनो, हर क़ीमत पर आगे बढ़ो, तुम ईश्वर के सैनिक हो। वह आख़िरी टिप्पणी नहीं होगी, लेकिन इससे और इन दूसरी व्यर्थ साँसों से केवल उद्धार पर। क्योंकि मैं आर्मगेडन के मैदानों में नेतृत्व करूँगा और विजय पाऊँगा। जैसा लिखा गया है, वैसा ही होगा। मैं कौन हूँ, एक पागल, एक मूर्ख ही तो! लेकिन बेशक तुम्हारे पास कोई विकल्प नहीं, तुम्हारे लिए बहुत देर हो चुकी है। यह जागरण है, यह सुसमाचारी मृत्यु है, और उन सबके लिए जो मुझे जानते हैं... जीवन का अर्थ यह नहीं है, यह न झूठ है न सच। लेकिन तुम सच जानते हो... है न? क्या मैं ईश्वर हूँ, उससे बहुत दूर, कोई लाभ, नहीं। ऐंटिक्राइस्ट? यह अभी देखना बाक़ी है। मैं कह सकता हूँ कि मैं आदर्शवादी हूँ, और शून्यवादी।

मूल **PDF** का पृष्ठ **51**

99 नवंबर 2002 11/11/02 -मैंने अपना ही होना नहीं माँगा था, मैं बस हूँ। 11/20/02 -आधे मिस्सा के लिए मोमबत्ती जली। निर्णय, विचार-विमर्श पर है। जो खोजेंगे वे पाएँगे... हम खाने के लिए मारते हैं, खेल के लिए मारते हैं, और अपनी नियति की एक झलक देखने के लिए मारते हैं। यह उस बारे में नहीं, न पश्चिमी तट की ख़ून की नदी के बारे में। यह अपनी मानवता से नज़र खो देने के बारे में है। तो क्या मैं कहता हूँ सबको मार दो? ख़ैर, यही तरीक़ा होना चाहिए। हम दैत्य हैं, हममें से हर आख़िरी व्यक्ति, ऐंटिक्राइस्ट यहाँ तक आ पहुँचा है। ऐंटिक्राइस्ट पर कोई भी निर्णय हम सब पर, हममें से हर आख़िरी व्यक्ति पर निर्णय है। ऐंटिक्राइस्ट को अपनाओ, क्योंकि ऐंटिक्राइस्ट प्रतिरोध से पोषण पाता है। यह Ghrisx का वचन है। पृथ्वी आग से जन्मी, बारिश में धुली, महान रसातल की दिशा से आती हवा से ठंडी हुई। मैं ही Ghrisx हूँ जिसने कभी क़ब्र से पुकारा था, अब जीवन से। Baly के Kasna, प्रकाश में मत चलना यदि दिन धुंध के रूप में तुम्हारे सामने रेंगता हो। ऐंटिक्राइस्ट, ईश्वर की काली रोशनी के साथ मृत जन्मा। जीवन से जीवन, इसके जन्म से, जब - से जीवन लाने के लिए शून्यता आई। अब फिर हमारे द्वार पर और मन पर, ऐंटिक्राइस्ट। जैसे जीवन शून्य से जन्मा, कैसी भयावह गर्त वहाँ उन लोगों के सपनों में रिसती हैं जो ठंड में और सड़क पर हैं। मैं उनसे प्रार्थना करता हूँ "दक्षिणी हवाओं को सुनो, जब वे सबको आने के लिए पुकारती हैं - और Mlobyzy में मिलने के लिए।" तो जैसा लिखा गया है, वैसा ही घटित होगा... ऐंटिक्राइस्ट कौन है? 100 अक्टूबर 2002 10/05/02

-अतीत की उन आवाज़ों की पुकार जिन्हें मैं मृत समझता था... इस तथ्य पर प्रकाश डालो, उन दोस्तों की कड़वाहट जो मुझे कभी पसंद नहीं करते थे, उन लोगों की जिन्होंने मेरी सेवा केवल इसलिए की कि मेरे सोते समय मेरा गला काट सकें। यह प्रकाश नहीं, यह कड़वी ईर्ष्या है जो तुम्हारा पतन और मेरा बचाव है। तुम जिन्होंने अपनी ज़रूरतों, अपने लालच के लिए मेरी सेवा की, केवल अपनी सेवा करते हो। तुम्हीं हो जिन्हें मैं कुछ ज़्यादा ही क़रीब से मुझे देखते पाता हूँ, आँखों और दिल में नफ़रत के साथ, क्योंकि तुम जानते हो कि मैं सही हूँ। 10/20/02 -प्रकाश की संतानें कमज़ोरों पर छायाएँ डालती हैं... समय रहते दीवारें गिराई गईं ताकि वे द्वार खुलें जो पूछते हैं, क्या होता अगर? मैं अपने तरीक़े से यह दिखावा कर सकता हूँ कि तुम्हारे लिए या दुनिया के लिए मेरा कोई महत्व है। उस झूठे ईश्वर की झूठी आग के साथ, जो कभी जीता था और मेरे बैठक के फ़र्श पर बरसा था, फिर भी मैं अपनी ओर मुड़कर पूछता हूँ क्यों। इतने समय के बाद अब क्यों, और तुम अपने साथ क्या लाए हो? समय मेरी गोद में पिछली ग़लतियों की पाठ्यपुस्तक की तरह पाठ लिखता है, और मैं बैठक के नरक या स्वर्ग पर स्वतंत्रता या दर्द बरसा सकता हूँ, क्योंकि मैं दोनों को जानता हूँ और कह सकता हूँ कि हम सब सही हैं। लेकिन अब उससे और कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, या मेरा सूली पर चढ़ाया जाना जो अब भी मुझे दर्द देता है, अपने चेहरे और आँखों से ख़ून टपकता महसूस करो ताकि इन्फ़ारेड में रात का लाल देख सको, या हरे पेड़ों और नीले आसमान के सपने देखो, तो तुम मेरे आगे झुको या नहीं, मुझे परवाह नहीं, बशर्ते अंत में मेरा उद्देश्य बाधित न हो, क्योंकि केवल तुम्हें उस व्यक्ति के रूप में देखा जाएगा जिसने नरक के पक्षियों को गिराया या फ़रिश्तों के पंख नोचे। क्योंकि मैं बस पागल हूँ या प्रतिभाशाली, या शायद दोनों में से कोई नहीं, लेकिन मैं क़सम खाकर कहता हूँ कि हर दिन मेरे लिए निर्णय का दिन है। यह केवल दो लोगों या अब तक प्रभावित हज़ारों लोगों से बढ़कर कहानी है, यह मेरे हाथों हुई मृत्यु की कहानी है और इसका दोष कभी किसी और पर नहीं आएगा। लेकिन इस मठ में एक सत्य है और मैं उसे अच्छी तरह देखता हूँ, क्योंकि मैंने ही ज़रूरत पैदा की, उन लोगों के दिलों में मृत्यु की लालसा पाली जिन्हें बिल्कुल आशा नहीं दिखती थी। इस ग़ुस्से और आक्रोश से ऐसा रोष पैदा हुआ जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। लेकिन उसमें फिर भी मुझे पछतावा दिखा, और उसके भीतर दर्द और कड़वाहट थी जो पूरे राष्ट्र में बह गई। तो अब इस संभावना को स्वीकार करो कि वह मैं, Ghrisx हूँ, जिसने आग उगली और झील में आग लगा दी। जो अब अपने ही अस्तित्व के बारे में तुमसे झूठ कहता है, क्योंकि मैं केवल एक सरकारी प्रेताभास हूँ, ऐसा व्यक्ति जिसका अस्तित्व ही नहीं। तुम मुझे महसूस करते हो? तुम मुझे सुनते हो, मैं तुम्हारे चारों ओर हूँ और मैं मृत्यु हूँ, या अपने स्वभाव से इस दुनिया की सड़कों और मैदानों में मृत्यु लाने वाला। क्योंकि मैं आतंक बरसाऊँगा जब "उसे" एक पेड़ पर छोड़ूँगा और

101 सुनूँगा जब वह हवा में जूझता है, मैं पृथ्वी और दिखावे का सूर्य हूँ, क्योंकि मैं केवल मृतकों से डरता हूँ। 10/21/02 -मेरे पास ऐसे प्रश्न लेकर आओ जिनका उत्तर मैं नहीं दे सकता, क्योंकि मैं तो केवल द्वारपाल हूँ... इस खेल का जो हम खेलते हैं, मैं कड़ी देता हूँ, लेकिन वहाँ से तुम्हें आगे बढ़ना होगा, क्योंकि मैं समझ भी नहीं सकता कि क्या चाहिए। मैं इसमें अपना हिस्सा निभा सकता हूँ और निभाऊँगा, लेकिन तुम्हें समझना होगा, जीवन के बारे में आम प्रश्न पूछो, मेरे पास उत्तर हैं, पूछो कि तुम्हें अपने जीवन के साथ क्या करना चाहिए, मुझे कोई अंदाज़ा नहीं। बहुत बार मैंने समझने की कोशिश की है, बहुत बार मैंने भटका दिया है। तो यह समझो; तुम वही करोगे जो तुम करोगे, मैं तुम्हें राह दिखा सकता हूँ, सच है, लेकिन जैसा मैं करता हूँ वैसा करो, वही है, तुम्हारे लिए, इसमें मैं क़सम खाता हूँ कि यह सच है। कमबख़्त पैकेज तो आधे रास्ते भी नहीं पहुँचा था। पागलपन... रात में भूतों से जूझना। पिछली रात मैं जागा और बिस्तर से निकलकर चला, लेकिन अपना रास्ता नहीं पा सका, पर्दों और दरवाज़े के

बीच कहीं खो गया, बॉयलर कक्ष से गीत गाया, क्रिसमस की सजावट शुरू करो। वह रुकता ही नहीं था, मैं अपने बिस्तर में जागा, गीत अब भी बज रहा था और दीवारों से होकर धातु की चोटों की गूँज आ रही थी। एक मृत महिला ने मुझसे अपनी बेटी को कुछ बताने को कहा, मैं समझ नहीं सका और दूर... मैंने प्रकाश देखा और लोगों को केवल छायाओं के रूप में, क्योंकि मैं अँधेरे में था, जहाँ मेरा स्थान है, जहाँ मैं रहा। यही जीवन मेरे लिए चुना गया है, या मुझ पर डाल दिया गया है, फिर भी मेरा जीवन छोटा है और मेरे दिन कभी ख़त्म नहीं होते (या कम से कम कभी-कभी ऐसा लगता है)। मैं नरक से गुज़र चुका हूँ, मैं उसे छायाओं में छिपा देखता हूँ, क्योंकि प्रकाश की संतानें मनुष्य के इस अँधेरे समय में संकेत-दीपों की तरह चमकती हैं। लेकिन मैं बहुत कम ऐसा प्रकाश दिखाता हूँ जो पहले मुझ पर न डाला गया हो। सभी लोग मूलतः अच्छे हैं और सभी लोग मूलतः स्वार्थी हैं, मैं भी। इसका कोई समानांतर नहीं, बाहर निकलने की राह देखने का कोई तरीक़ा नहीं। एक निकास, जिससे गुज़रने के लाखों रास्ते। मुझे ऊपर मरी महिला के लिए दुख है। मुझे उस आदमी के लिए दुख है जिसने उसे मारा और विशेष रूप से उसकी बेटी के लिए दुख है, जिसे हमेशा इसके साथ जीना होगा। मैं कभी नहीं समझूँगा, लेकिन किसी कारण मुझे परवाह करनी पड़ती है, और अपने पाखंड पर ख़ुद पर हँसना पड़ता है। 10/30/02 -अगर तुम्हें जानना ही है, तो कुछ दिन मैं नशे में रहना पसंद करता हूँ। मैं अपना जीवन बनाता हूँ... अपने लिए, मुझे अपनी नियति भी अपने लिए चुननी होगी, आशा है तुम यह पढ़ोगे। ऐसा नहीं कि मैं तुम्हें हानि पहुँचाना चाहता हूँ, बस... मुझे यही करना है। यह मुझसे आगे तक जाता है और मैं इसे देखता हूँ। मैं जानता हूँ कि इसका तुम पर असर पड़ता है, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे यही करने की ज़रूरत है। ऐसा नहीं कि तुम कमज़ोर हो या मुझसे कम हो! बात यह है कि मुझे यह सही लगता है। इसके लिए मैं क्षमा नहीं माँग सकता। मैं तुम्हारा सम्मान करता हूँ, सच में। मैं तुम्हें हानि से दूर रखना चाहता हूँ। लेकिन मुझे जीविका कमानी है, जबकि उसी समय मैं जानता हूँ कि भविष्य क्या लाता है... इससे तुम 102 अछूते हो सकते हो। लेकिन मुझे कैसे पता चले, मैं केवल मनुष्य हूँ। मेरे पास बहुत काम है, और मैं उसे पूरा करता हूँ। लेकिन कभी-कभी काश मैं मैं न होता। अगर तुम सत्य देखते, तो क्या पहचानते? या पहले से पहचानते हो? यह Thomas से क्षमायाचना है। मैं बँटा हुआ हूँ। तुम्हारे प्रति अपने सम्मान और जीवित रहने की अपनी ज़रूरत के बीच। मैं विश्वास करना चाहूँगा कि मैं उदात्त हूँ, लेकिन मैं नहीं हूँ। मैं कायर हूँ, मृत्यु से नहीं... अपनी ही मानवता से डरता हूँ। इसलिए मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ, समझो... मैं केवल मनुष्य हूँ, और मेरा इरादा तुम्हें नष्ट करने का नहीं। मैं तुम्हें अपने रास्ते में खड़ा नहीं रहने दे सकता। मैं ख़ुद को बेघर, ठंड में, आशाहीन देखता हूँ... इसलिए तुम्हारा पैसा लेता हूँ, ताकि गर्म रह सकूँ और खा सकूँ। लेकिन यह मुझे भीतर से खाता है कि मैं उन सब चीज़ों को नष्ट करने की स्थिति में हूँ जिन्हें तुम पवित्र मानते हो। फिर भी, मैं नहीं जानता... अगर तुम जानते कि मैं कौन हूँ, तो क्या अब भी मुझे पसंद करते, अब भी परवाह करते कि मैं जिऊँ या मरूँ। इसमें मैं बँटा हुआ हूँ। मुझे खेद है...

मूल **PDF** का पृष्ठ **53**

103 सितंबर 2002 09/05/02 -पिछली रात मैंने सपना देखा कि मेरी पूर्व पत्नी अच्छी थी, उसकी और मेरी प्रेमिका की बहुत अच्छी बन रही थी। मेरी पूर्व पत्नी मेरी बेटी के बारे में बात नहीं करती थी, लेकिन बाहर रात में वह सचमुच दोस्त बनना चाहती हुई लगती थी। अटारी में एक मरा हुआ बिलौटा था, शायद जन्म के समय मर गया था, रेंगकर जाने की जगह के पीछे, जहाँ कोई कभी नहीं जाता था; इसलिए किसी को कभी पता नहीं चला। उसने मुझसे कहा कि अधिकार छोड़ दूँ और हमेशा भुगतान करता रहूँ, तब मैं जान गया कि यह अभिनय था। मैं जान गया कि उसने कभी परवाह नहीं की, वह मेरी प्रेमिका की ओर मुड़ी और उसे धमकाया, तो मुझे बीच में आना पड़ा... यही सपना मैंने पिछली रात देखा था। 09/25/02 -उत्तर के वायु-दानव

और दक्षिण की सूर्य-मुस्कानों का क्या, उस विलक्षण कूटनीति में जिसका सामना हम अपने को धोखा देते हुए करते हैं। यह रात दानवों की प्रार्थनाओं और शैतानों के आनंद की रात है, वह रात जब स्वर्ग मरता है और कमज़ोर सही देखते हैं। बीती छायाओं के बीच से बीते राज्यों की आवाज़ आती है और रात से प्रकाश की प्रार्थना करती है। यह बीती छायाओं में पुराने प्रभुत्व का स्वामी है, और राज्य की चाबी... भविष्य की लड़ाई के अतीत से आती है, मेरे हाथ और ख़ून की दया पर, प्रकाश के प्रति श्रद्धा को हिलाने के लिए। तो दूर के राज्यों में खोजो और मनुष्य के विभाजन के लिए मेरे क़ानून का पालन करो, अँधेरे में दिखती प्रकाश की संतानें प्रकाश की इच्छा और आज रात भरे गए हत्यारे क्रोध को समझती हैं। तुमने सही के लिए क्या चुकाया या प्रार्थना की, जब तुम्हारे मन में सब कुछ दिखाई दे रहा था। तो अपने कर्म का ध्यान रखो, सह नहीं सकता, इस क्रोध का जल्द ही फ़ैसला होगा, वह असहाय जाति, तो भीतर धुले बोझों और पीड़ितों की चीख़ों का, किसलिए मैं पूछता हूँ... बिना जवाब, तुम अपना काम करते हो, या तुम... जो भी हो, बिना जवाब, इससे जो आता है वह मर नहीं सकता, अंधे बोझ से बने वृत्तों में, और नए मनुष्यों के मन की संतानें। क्योंकि खोए हुए मर सकते हैं, लेकिन इसमें न्याय करो, क्योंकि प्रकृति के तरीक़े अब हमें छू चुके हैं, और हमारे भीतर वासना की कंपकंपी विदेश के खोए राज्यों में आशा खोजती है। प्रकाश में क्यों न चलें... पवित्रता खोजें, सही खोजें? या वह पीड़ारहित बोझिल गर्व का कोई पागल "eliption" नहीं है, और उसे मैं निश्चित रूप से कल्पना जानता हूँ। तारों की वासना मत करो, न उनके क्रम की... वह खो गया है, वह निंदा। 09/28/02 -जीवन के नाम, व्यर्थ प्रयास पर ख़र्च हुए बोझों के... गर्व, धन, ज्ञान, -> उस जीवन के काम आने के लिए जो कुछ नहीं करता सिवा 104 अपने को उलझाने के... तारों के विकास से क्रोध पैदा करो, क्यों? प्रजनन सुनिश्चित करने के लिए, रक्तवंश बनाए रखने के लिए... या सुरक्षा? निष्फल... फ़िलिस्तीन के बच्चे इस ज्ञान में चैन से सोते हैं कि दुनिया उनके लिए रोती है, जबकि इस्राइल के टैंक उनके ऊपर से गुज़रते हैं। लेकिन समाचार में हम किसी अल्पसंख्यक सदस्य के बारे में सुनते हैं जिसे रसोइए की अच्छी नौकरी मिली। उसके लिए अच्छा? या यह ऐसी दुखद स्थिति है कि इसे इतना बड़ा मामला माना जाता है। लड़ाई में ऐसा क्या है जो हमें जीवित महसूस कराता है? मृत्यु का सामना करने पर महसूस होने वाला जीवन, या यह जानकर महसूस होने वाला गर्व कि तुमने विजय पाई है। यह शांति के कगार पर खड़ी युद्ध से फटी दुनिया का न तो मुद्दा है न परिभाषा, लेकिन दुनिया चलती रहती है, और मानव जीवन भी। यह मानवजाति के लिए फिर कोशिश करने का बस एक और मौक़ा है। क्या इससे फ़र्क़ पड़ता है, क्या अब कोई मतलब भी है? क्या हम अपनी आशाओं और भयों से पूरी मानवजाति का निर्णय कर सकते हैं... हाँ, कर सकते हैं। लेकिन हमारा निर्णय केवल हमारे अपने जीवन और इस विनाशकारी तथ्य का प्रतिबिंब है कि जीवन कठिन है। आत्मनिर्णय की उलझन, एकमात्र प्रासंगिक निर्णय के रूप में। मैं बिना चोट खाए हट नहीं सकता। इसलिए मैं तुमसे विनती करता हूँ... तो यह केवल शुरुआत है और किसी दिन अंत की शुरुआत, लेकिन हमारे लिए क्या यह अनंतता की बस एक पलक झपकना नहीं, और शाश्वत धारणाएँ भी जन्मती और मरती हैं। यह एन्क्रिप्शन की ख़बर के पीछे, मानो हमें पता ही नहीं था। फिर भी मैं इस संघर्ष से थकता जाता हूँ... लेकिन छोड़ नहीं सकता, न विश्राम ले सकता हूँ... यह संघर्ष मेरा जीवन है और इसके आगे कुछ नहीं। <+_> इसका जो भी अर्थ हो।

मूल **PDF** का पृष्ठ **54**

105

अगस्त 2002 08/01/02 -हर दिन बेटी को खोने का ग़ुस्सा महसूस करता हूँ, अदालतों की मुझे आर्थिक और क़ानूनी रूप से रोकने की शक्ति पर कड़वाहट, बेटी को न जानने का दुख, अदालत की भूख न मिटा पाने के कारण क़ैद होने का भय और बेटी के मेरी पूर्व पत्नी जैसी हो जाने की संभावना से नफ़रत! हर जीवित दिन नए दिन, नई भोर को देखने के लिए काम करता हूँ। मेरे

वंश के दिनों में जो आने वाला है उसकी छाया में मैं इच्छा या भूख से नहीं डरता, लेकिन जानता हूँ कि वे मुझसे डरेंगे। उन पर और बोझ नहीं डालूँगा, क्योंकि दया मेरे भीतर है, मेरे बिना नहीं। इसलिए बच्चे, दुनिया में जाओ और धरती पर महामारी फैलाओ, जैसा यशायाह और ज़ेकी चाहते। तुम्हारे हाथ में दुनिया का भाग्य है, क्योंकि मैं बस कड़वाहट से भरा बूढ़ा हूँ। लेकिन मेरी मृत्यु से मत डरो, मैं कभी नहीं मरूँगा, याद रहने तक तुममें जीवित रहूँगा। अपनी क़ब्र या घर से, पुकारोगे तो मदद के लिए जितना हो सके करूँगा। 08/02/02 -यह कभी ख़त्म नहीं होता, कुछ दिन प्रबल होकर सब इसके इर्द-गिर्द होता है, दूसरे दिनों में दूर रहता है। मेरे और मेरे जैसों के लिए यही हम हैं, यही हमारी पहचान है। न अंत न शुरुआत, बस लक्ष्यों की ओर और सभी निर्देश पूरे करने वाली चीज़ों की ओर निरंतर गति। निर्देश को लाभ न हो तो मैं साँस भी न लूँ, यही मैं हूँ, यही मेरा स्वरूप है। पहली ब्रिगेड के खोए सैनिकों ने इसके लिए जान दी, जैसे मैं आज ख़ुशी से दूँगा। Alfa Fizo से हमारा अंतिम संपर्क अपेक्षा से कम रहा। डिप्लोमैट साम्राज्य के हाथों में है, लेकिन अपनी "नई CIA" (अर्थात A.I.R.) से हम साम्राज्य को डिप्लोमैट छोड़ने पर मजबूर कर सकते हैं। तीन अन्य डिप्लोमैट लापता हैं और हमें मानने का कारण है कि बोलिविया तथा यूक्रेन में प्रतिरोध में सेंध लग चुकी है। प्रगति ख़ुद देखने के लिए शायद वहाँ जाना पड़े। 08/08/02 -जीवन के चरम में। उपनगर के आदर्शलोक में! उस प्रणाली के विरुद्ध क्रोध की आग जलती है जिसने पूरी पीढ़ी को विफल किया! अदालतों का अन्याय जानने वाले बहुतों के हृदय में न विश्राम, न शांति। फिर भी हम सब कुछ करने के लिए किसी और की ओर देखते हैं। टीवी और 106 वीडियो गेम के इतने अभ्यस्त हैं कि वास्तविक दुनिया में कुछ करना भूल चुके हैं। हरे पत्ते में, हवा और आग के साथ पत्तियों की सरसराहट में क्या है। पहाड़ की चोटी से लगभग पूरी दुनिया को देखते हुए, पीछे अपने वाहन के बचे हिस्सों को देखना... हाँ, मीनार से वह मैं था, एवलॉन की महान मीनार से। दुनिया के बच्चे अपने माता-पिता और दादा-दादी के आदर्शों को नष्ट करते हैं, प्रकृति के साथ चलने और पेड़ों की पत्तियों की सरसराहट सुनने के लिए। 08/20/02 -पूर्वजों की तरह प्रार्थना करता हूँ कि मुझे ग़लत न समझा जाए, और फिर जानबूझकर शब्द उलट-पुलट देता हूँ। क्योंकि पतित फ़रिश्तों की संगति में मेरा जीवन ऐसे बदलाव के केंद्र में है जिसे पूरी दुनिया एक साथ महसूस कर सकती है, फिर भी एक-एक करके। इसमें अपनी भूमिका कम नहीं बताता, न ख़ुद को बहुत श्रेय देने की ज़रूरत महसूस करता हूँ। जो जानता और महसूस करता हूँ वह यह कि तुम सुन रहे हो और मुझे मदद चाहिए। डुपेज काउंटी के दो न्यायाधीशों ने मेरा अपमान किया और मुझे तथा धरती के सातवें हिस्से को सताने वाला अन्याय ठीक करने को कुछ नहीं किया। मेरे लिए तुम्हें यह गंभीर ग़लती ठीक करवानी होगी, और मेल-मिलाप मजबूर करना होगा... वरना एक-एक प्रार्थना के साथ प्रणाली उधड़ेगी, मेरी माँग से नहीं, बल्कि अपने आकार से बाहर बढ़ चुकी प्रणाली के थोपे नरक को ठीक करने में तुम्हारी असमर्थता से। तुम्हें कुछ चाहिए था और मदद मिली... जो किया गया वह पलटा जा सकता है और किसी न किसी तरह तुम्हारे ख़ून-पसीने से पलटेगा। मैं माँग नहीं रहा, बल्कि अनुरोध कर रहा हूँ, क्योंकि तुम जानते हो और जानते रहे हो कि मृतक केवल मेरे हाथों अभिशप्त नहीं हुए, न केवल मेरे फ़रिश्तों के ख़ून-पसीने से। तो अब मीनार पर जाओ और उसे जला डालो, एक-एक आदमी करके, जब तक प्रणाली फिर हम लोगों, ग़रीबों, भूखों और उत्पीड़ितों के लिए काम न करे, वरना चाबी रखने वालों को यातना देंगे, उनके फेफड़ों में अम्लीय बलगम थूकेंगे और आसमान से घर जलाएँगे, जब उनकी फ़सलों पर दावत करेंगे। नियंत्रण हमेशा हमारे पास रहा है और हर क़ीमत पर बनाए रखेंगे। मेरी निजी क्षति केवल आम आदमी के प्रति सरकार के अनादर को उजागर करती है और मेरे क्रोध की आग बढ़ाती है। तीसरे चंद्रमा के सूर्योदय तक यह हो जाएगा, बस।

107 जुलाई 2002 अभी! इस समय कुछ कहना नहीं है... 10/21/1999 से पहले लिखा गया, पुरानी साइट का लिंक तो राष्ट्रों के सामने महान नेता खड़ा है, और एक ओर नष्ट राष्ट्र, मारे गए पुरुष, स्त्रियाँ, बच्चे, दोषी या निर्दोष—मृत्यु। तो लिखा है कि यह मृत्यु लाने वाला क्राइस्ट है। क्योंकि दुनिया का प्रकाश अँधेरे स्वामी, अँधेरी सेना के दिन के बीच है। किसी रहस्योद्घाटन को इतिहास, तथ्य बनाने वाली चीज़ उस पर विश्वास, उसके आधार पर काम, लेकिन सबसे अधिक उसका भय है। फ़ाउंडेशन अंतिम के कगार पर है। परिषद के अधिकांश लोग मिल चुके हैं और पूरी तरह जानते हैं, फिर भी सहमति से साथ काम नहीं कर पा रहे। यह साइट केवल परिषद को दूसरे विकल्प दिखाने के लिए नहीं, बल्कि अंतिम को सामने लाने के लिए है। यह किया जाएगा। अब विकल्प को सुरक्षित रखने के लिए। स्वर्ग या नरक के द्वार अशुद्धों के लिए न खुलें, और Thema से उठे लोग शुद्ध हुए बिना अपने मूल में न लौटें। क्योंकि पानी दूषित है और वर्षों से रक्त अनदेखा बहा है। अब जबकि मनुष्य ने समुद्र उबाले और देवताओं से अधिक शक्ति का दावा किया है, समुद्र अपने ऊपर लगाई आग से साँस लें। न धुंध से, न हताशा से, न लाभ या सम्मान से। विश्राम, समाधान, पुनर्निर्माण, क्योंकि तुम्हारे खोले द्वार को बंद किया जा सकता है; लेकिन बाँधकर बंद करने से पहले जानो कि किस ओर हो। जगह बदलना आसान है, इससे पहले कि जानो भी कि अंतिम रेखा पार करके अपने विरुद्ध कठोर न्याय ले आए हो। फ़ाउंडेशन के आगे कोई राष्ट्र नहीं खड़ा, लेकिन राष्ट्र काँपते हैं, क्योंकि Is Real, "घूमते खानाबदोशों" के लिए। "संयुक्त राज्य" पूरी दुनिया की सरकार बनेगा; लेकिन यह वह दिन नहीं। संघ के राज्य मुश्किल से एक हैं और लोग बहुत बँटे हैं। संयुक्त राष्ट्र बनाम संयुक्त अरब राष्ट्र उतना डरावना नहीं जितना यह तथ्य कि हर दिन अधिक राष्ट्र युद्ध के परमाणु और जैविक साधनों के और निकट आते हैं। पागल लोग 108 परस्पर सुनिश्चित विनाश की परवाह नहीं करते, उसी पर भरोसा करते हैं। यरूशलम को कौन नियंत्रित करता है? इस्राएल को कौन नियंत्रित करता है? दुनिया को कौन नियंत्रित करता है? संयुक्त राज्य दुनिया का सांस्कृतिक केंद्र है। US दुनिया भर में देखी जाने वाली अधिक फ़िल्में बनाता है, हमारी शैली और जीवन का तरीक़ा दुनिया में दिखाया जाता है। US दुनिया का सबसे प्रशंसित राष्ट्र है, और उचित कारण से: हमारे सबसे ग़रीब लोग भी बाक़ी दुनिया के औसत लोगों की तुलना में आनंद का जीवन जीते हैं, फिर भी राष्ट्र के रूप में हमारा अहंकार जाना और घृणा किया जाता है। US की दुनिया पर मानसिक पकड़ है। कोई सेना हमारे फ़िल्म निर्माताओं को नहीं हरा सकती। इसलिए दुनिया का कोई राष्ट्र US की राजनीतिक या सैन्य मशीन की निगरानी के बिना क़दम नहीं उठा सकता, यह तथ्य लगभग तुच्छ है। प्रकाश मुक्त नहीं कर सकता, अँधेरा हमेशा नष्ट हुआ। प्रकाश की उपस्थिति में अँधेरा नहीं रह सकता। प्रकाश से पहले अँधेरा और प्रकाश के बाद अँधेरा। क्योंकि गर्त अँधेरा है, झूठी आँखों से अनुभूत अँधेरा। जानता हूँ कि मैं क्या हूँ, कुछ नहीं, और तुम सब कुछ, क्योंकि यह तुम्हारी पुस्तक, तुम्हारी नियति है, जब मैं ख़ुद से पूछता हूँ कि क्या वास्तविक भी हूँ, तुम अपनी जगह जानते हो। अपने पृष्ठ पर तुम्हारा नाम दिया गया, अपनी छवि स्वयं खोजते हो। ईश्वर, क्राइस्ट, विज्ञान या शैतान का अनुसरण करो। लेकिन गहराई में जानो कि क्यों, और आस्था पर सवाल न कर सको तो खो गए हो। राष्ट्र के विभाजन पर, अपरिभाषित जीवन की विरासत। द्वार पर संदेशवाहक खड़ा है, क्या कोई आदमी या ईश्वरहीन आत्मा किसी किंवदंती को हरा सकती है, केवल सदा जलती लपटों को और ईंधन देने के लिए। कपड़ा जितना गहरा, उतना प्रकाश सोखेगा। काम जितना तुच्छ, आत्मा उतना इसे चाहेगी। एकमात्र सच्ची आस्था तुम्हारी है, छायाओं से हमेशा गहराई देखी है और उद्देश्य खोजा है। जल्द किसी दिन पाओगे। यदि इस पृष्ठ के आगे जाने को उचित समझो तो चेतावनी है, वास्तविकता अनुभूति में उलझ जाती है। अनुभव करो

109 कुछ नहीं, कुछ मत समझो, न स्वयं को, तो अब पन्नों पर हो जाओ, और तुम्हें विषयवस्तु में जोड़ दिया जाएगा। ed for yoas inur insI shmpenntios is dra of lo dos brw in traln so nought to you aete yo Nsk noour placm. A satendt I wat ws intif whow uposimidseams, ur task. Tode plamorroe is in the ow yn.Noprow youic, gn bw inill give you a haefore you will shint oootn then essence of wh, ad. You mest drf, at wh rom whot iowans to co y, of ftruct w जिस कारण मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया है अगर तुम क़ानून जानते हो तो यह भी जानते हो कि क़ानून केवल आम आदमी की सेवा के लिए होता है, और यदि क़ानून बोझ बन जाए तो वह क़ानून नहीं, सच्चे पदानुक्रम की एक अँधेरी छाया है, जिसे उन लोगों ने बनाए रखा है जो अपराधी को दोष देने के लिए बहुत कमज़ोर हैं और इसके बदले आत्मदया और पछतावे में नहाते हैं। यह मेरा अंतिम दिन केवल तुम्हारे सच्चे विश्वास पर ही नहीं, बल्कि उन लोगों के विधर्मी, स्वतःस्पष्ट अपमानों का पुनर्मूल्यांकन करने में मदद पर भी प्रकाश डालेगा जिनके पास कोई और उपाय नहीं बचा। फिर लगभग बिना किसी परवाह के जीवन बहाल होता है, और जो दर्द में रह जाते हैं वे सचमुच अपने दर्द के प्रेम में बसते हैं, और उनका ख़ुद पैदा किया हुआ नरक बेशक सुरक्षित बना रहता है। लेकिन अधिकतर लोगों के लिए अस्तित्व फिर जीवंत होता है और जीवन प्रेम है, या ज़रूरत की हमारी समझ का बढ़ा-चढ़ा रूप। हमें कोई और रास्ता नहीं दिखता। मेरे शब्दों को अपने शब्दों में अपनाओ। जीवन में तुम केवल एक सच्चा लक्ष्य चुनते हो और यदि तुम्हारा लक्ष्य केवल बचे रहना है तो तुमने अपने को असफलता के लिए अभिशप्त कर लिया है। मैं अब देखता हूँ कि कार्रवाई आवश्यक है और अंततः उसे और आगे आने से रोकेगी जिसे Tilmisakia का तीसरा दिन कहा जाने लगा है। यदि समझा नहीं गया, तो उसका उद्देश्य समझा जाना नहीं, बल्कि गुज़रते हुए ग़लत समझा जाना था। अभी जो समझा गया है वह सिद्धांतों के एक कमज़ोर संवहन से अधिक कुछ नहीं, जिसके नीचे यह विचार है कि जो कुछ भी समझा जाता है, वह विचार से सोच, बातचीत, सोच की व्याख्या, और कुछ मामलों में फिर वापस ऐसे विचार तक की राह में कहीं ग़लत समझा जा सकता है और आम तौर पर समझा जाता है, जो मूल आशय से बहुत अलग होता है। हल तभी होता है जब वह विचार एक ही हो। तब बातचीत उस बात को दोहराने का अभ्यास होती है जिसे पहले ही समझ लिया गया था। और मनाने के बजाय वह लागू करने की चुनौती बन जाती है। क्योंकि जो समझ नहीं सकते उन पर समय बर्बाद नहीं होता। हमें दूसरों को बदलने के लिए अभ्यास नहीं करना है, बल्कि यह मूर्त दुनिया से विरक्ति में जीवन का अभ्यास है, और दुर्बल इच्छाशक्ति वाले हमेशा शिकार बने हैं 110 जीवन की नैतिक वासनाओं और ऐसी चीज़ों के भय के। होने दो, हमारा ख़ून अधिक गाढ़ा है, जो सबके विचारों के भीतर गहराई से बहता है। हमारे सपने विनम्र और क्षीणबुद्धि लोगों का भविष्य हैं, और इसमें सूचना की अन्यथा बेकार छतरियों का व्यावहारिक उपयोग है। इन छतरियों की बेतरतीब अवचेतन हलचल की गहराई में, मेरे अनुभव में, विचार की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है। जो अतार्किक शब्दजाल से अधिक कुछ न होने की चरम अवस्था है, या क्या वास्तव में वही हमारे सारे सपनों और आकांक्षाओं को बनाता या तोड़ता है, जब हम जीवन की खोखली, सोने का पानी चढ़ी ट्रॉफ़ी की ओर उठते हैं। परीक्षा की कृपा से गिरे, और खोई हुई दुनिया में झूठी आग की लपटों में घिरे। पवित्रों में अंतिम! प्रिय अज्ञातों में अंतिम! चाहे चुनाव से या भाग्य से, जो चाहिए वह काम करेगा। ख़ुद को जीते-जागते नरक में आत्माहीन डूबतों को देखते पाओ। निष्कासन से पहले के दिनों में, अपनी नश्वर सृष्टि की सीमाओं से पहले, हम ऊब के असीम ब्रह्मांड में खोए जीवन की तरह विकसित होकर जीते थे। ज्ञात में, शुरुआत में, भाइयो, अपनी ज़रूरतें जुटाओ और जीवन में विश्वास को फिर गढ़ो। अब हमारा समय है, जागो!

मूल **PDF** का पृष्ठ **57**

111 मई 2002 कोशिश की और असफल रहे! अब तुम्हारा ख़ून चेरनोबिल की सड़कों पर बहा है। पारा नीचे जाता है तो बाज़ार में मार्जिन कॉल की गरमी बढ़ती है। इसलिए ग़ुलाम अधिक मेहनत करते हैं और स्वतंत्रों की भूमि विरोधाभास है—साहसियों की भूमि पर केवल हँसने के लिए? अमेरिका में जीवित और स्वस्थ आत्मा है! अख़बार देखो तो भय... वास्तविकता दबाई जाती है और सड़क का माहौल आशा से जीवित है। बुश प्रशासन के लिए नहीं, सत्ता की ओर चढ़ते दृढ़ युवा और अमेरिका क्या हो सकता है उसका सत्य देखने वालों के लिए। हमारे पास शक्ति, इच्छा है और जल्द पद होगा। मृत्यु की प्रार्थना करते हुए दबे राष्ट्र की शक्ति और संकल्प महसूस करता हूँ... दुनिया बदलने के संकल्प से उबलता हुआ। शक्ति तुम्हारे पास है और जल्द संघ हमारे पास होगा। आठ में से सात बिंदु। जॉर्ज बुश की शब्दावली बढ़ाना चाहूँगा—बुराई केवल प्रतिबिंब के रूप में है, अराजकता is-rael है! साँस लो... हृदय की धड़कन सुनो... मृत्यु से एक साँस और पास... साँस लो... एक धड़कन छूटी... साँस लो... मुझे अब भी तुम्हारी ज़रूरत है... साँस लो... अनुबिस की घाटी में जागो... साँस लो... एक धड़कन.... साँस लो.... तो शुरू होता है... साँस लो... नरक का प्रकाश... साँस लो... गलियारे में कोई... साँस लो... कोई... हाँफो.... और ऐसे समाप्त होता है... लेकिन आज नया दिन... साँस की ज़रूरत नहीं, मानो हवा वास्तविक हो। नींद की ज़रूरत नहीं, मानो मैं वास्तविक हूँ। तुम चुने हुए हो, दुनिया को प्रकाश में लाओगे, नरक के समाशोधन गृह से होकर। और संतों के सारे सपने अब अपमानित नहीं होंगे, प्रकाश में लाए जाएँगे। क्योंकि उनके पास भी संदेश था, उनके लिए> हमारे लिए भी, अपने समय में ग़लत समझे गए। सबसे बढ़कर यह याद रखो, हम बुरे नहीं, लेकिन ईसाई और सरकार के ईसाई चाहते हैं कि हम ख़ुद को बुरा समझें। हमें बाज़ी पलटनी होगी! खोए राज्य की गुफ़ा से युद्ध की सड़कों पर मानवता की आवाज़ ख़ून की तरह बहाने वाली घंटियों तक, जो कभी जीवन था वह मनुष्य के हाथों युद्ध का औज़ार बनकर गड्ढे में गिरा, और मेरे हाथ में एवलॉन की आबादी पर भय के प्रकट होने का परमाणु दृश्य। फिर भी पत्ते सरसराते और भव्यता तक बढ़ते हैं, 112 सूर्य की शक्ति सोखकर बस झड़ जाने के लिए। लगता है इन सबके बीच सूर्य सर्दी में भी चमका, जैसे गर्मी और पतझड़ में। अब वसंत है जब राजाओं के कर्म अनंत अँधेरे की धमकी देते हैं, लेकिन दे नहीं सकते। उनके खोखले शब्द केवल उनके अपने विनाश की ओर गूँजते हैं।

मूल **PDF** का पृष्ठ **58**

113 अप्रैल 2002 खोई आग के पुनर्जन्म से पहले के हफ़्तों में धरती रोई। लाल आग, भय, धरती से जन्मी गहराई, हवा में ठंड, विनम्रों को खोजो कि फिर जन्में, अपने भटके तरीक़ों से खींचे जाएँ, जानने वालों के चरणों में जीवन रखती है। पहली आग में जीवन जैसी स्वतंत्रता, अब सोचता हूँ कि लोग जीवित भी हैं या नहीं। अमेरिकी नागरिकता त्यागता हूँ और शरण चाहता हूँ। दुनिया मनुष्य की दया पर है और हम दैत्य की दया पर। तो समुद्र पर छोड़ा गया, हमारे लिए बोझ। 114 मार्च 2002 इस्राएल में शांति देखना चाहता हूँ और जानता हूँ कि स्थायी शांति कैसे बने। यरूशलम मेरा है, अब लड़ाई नहीं, लड़ने को कुछ बचा नहीं। तथ्य और कल्पना के आईनों में दिखते वे झूठ जो ख़ुद से कहते हैं ताकि रात को सो सकें। अच्छाई बुराई को जीतेगी, शैतान यह और वह। अक्सर सोचता हूँ कि राष्ट्रपति बुश अब भी ईस्टर बनी में विश्वास करते हैं या नहीं। काश मैं करता, ताकि फिर अच्छाई और बुराई के अस्तित्व में विश्वास कर सकूँ और समय की दुष्ट ज्वार मेरा जीवन कभी बहा न ले जाए। शैतान के भोज में बुलाया गया, लेकिन बहुत व्यस्त था, इसलिए अपनी छाया भेज दी। उसने किसी को मारा, लेकिन आत्मरक्षा में। शैतान ने उससे करवाया। तो दानव गुज़र गया, मेरी आत्मा को त्रासदी से सात घंटे पहले प्रकाश में चलना होगा। कल्पना कर सकते हो...

मूल **PDF** का पृष्ठ **59**

115 फ़रवरी 2002 प्रायश्चित्त का दिन आ गया है, और मेरी बेटी की ख़ातिर तुम्हें इसे इसी जीवन में, इसी दिन चुकाना होगा। जैसे लपटों ने तुम्हारे दिल को खाया है, वैसे ही जब वे तुम्हें खाएँ, तुम अपने कर्म से मुक्त होओ, पवित्र जल को धोकर उससे मुक्त होकर अगले जीवन में आनंद मनाने के लिए स्वतंत्र होओ। पृथ्वी पर तुम्हारा प्रायश्चित्त एक गुना चुकाया जाए या पचास गुना, जो भी तुम्हें मेरे सामने पश्चात्ताप करने और अपने जीवन की भूल देखने के लिए ज़रूरी हो। पश्चात्ताप करो ताकि तुम्हारी आत्मा में नरक का प्रकाश मेरे जीवन में चमके, एक भी दिन और नहीं! मेरी संतान मुझे मेरे अपने रूप में जाने, और तुम्हें अब न जाने। यह अभिशाप का समय है, अब मैं तुम्हारी अज्ञानता को क्षमा नहीं करता। नरक की आग तुम्हारी आत्मा को खाए या जीवन को, मुझे फ़र्क़ नहीं पड़ता, अभी पश्चात्ताप करो क्योंकि मेरे रक्तवंश पर तुम्हारे वासनापूर्ण लालच के दिन गिने जा चुके हैं। तुम पर श्राप लगा दिया गया है, रात से होकर, प्रकाश, आग, समय और चमकीले बोझ से होकर। मौजूद शक्तियों को, और मेरी ओर से, तुम्हारे चारों ओर वृत्त, भागने की स्वतंत्रता के बिना। शुभरात्रि, दैत्य, छाया पर मारा गया, तुमने झूठ से मुझे लुभाया, धन लिया, मेरी संतान ली और बहुत कुछ। अब तुम पर छँटा हुआ अंश बाँध दिया गया है, और आग पास आती जाती है। ग़ुस्सा शक्ति नहीं लाता, लेकिन ग़ुस्सा शक्ति का प्रयोग करने की इच्छा जगाता है। ब्रह्मांड का आकार व्यास में 117,394,272,000,000,000,000,000,000 मील है और हर दिन बड़ा होता जा रहा है। मेरा मन उसके हर इंच और उससे भी अधिक में व्याप्त है, क्योंकि मैं उस अंतरिक्ष जैसा हूँ जिसे ब्रह्मांड घेरता है, केवल अनस्तित्व के कारण अनंत। तुम एक खिलौना हो, एक प्रयोग, मेरे मन को व्यस्त रखने और उत्तेजित करने के लिए। तुम्हारे बिना मैं कुछ नहीं होता; तुम्हारे साथ भी मैं कुछ नहीं हूँ, लेकिन कम से कम ऊबा हुआ नहीं हूँ। पृथ्वी पर हर जीवन अलग-अलग होना, सब एक साथ। मैं तुम हूँ, मैं हूँ, हर जगह सब कुछ हूँ, कोई भी नहीं। मैं विशेष नहीं, हर कोई मैं हूँ; सब सार्वभौमिक चेतना के टुकड़े हैं, कुछ भी बेतरतीब नहीं। समय भीतर और बाहर एक सार्वभौमिक स्थिरता है, लेकिन समय तुम्हारे अस्तित्व की गति के सापेक्ष है, या ब्रह्मांड के समय और तुम्हारे कोशिकीय समय के बीच का पुल है। (हर कंप्यूटर में एक सेकंड एक सेकंड है, लेकिन 500ghz प्रोसेसर में एक सेकंड में कहीं अधिक होता है)। ब्रह्मांड प्रकाश की गति से कहीं तेज़ गति पर जन्मा था। अब ब्रह्मांड धीमा होकर प्रकाश की गति के लगभग सातवें हिस्से पर आ गया है। 116 अगर तुम पृथ्वी से एक प्रकाश-वर्ष दूर दर्पण रखो और पृथ्वी से पृथ्वी का प्रतिबिंब देखो, तो तुम दो वर्ष अतीत में देख रहे होगे। अतीत में देखना आसान है, और भविष्य में बढ़ना अपरिहार्य है। भविष्य में समय-यात्रा जमाने और फिर पिघलाने का एक सरल मामला है। एक व्यक्ति का समय में पीछे जाना ऐसा होगा जैसे कोई नई फ़ाइल डिस्क पर कॉपी करना, कंप्यूटर के बाक़ी हिस्से को दो वर्ष पहले की स्थिति में बहाल करना और फिर वह एक फ़ाइल जोड़ना। हाँ, समय-यात्रा संभव हो सकती है, लेकिन पूरे ब्रह्मांड को तुम्हारे साथ यात्रा करनी होगी।

मूल **PDF** का पृष्ठ **60**

117 जनवरी 2002 मानो कोई उत्तर था! मानो आसमान खुलकर मुझे स्वतंत्र और सुखी जीने का रास्ता दिखाएगा। अपने जीवन को किसी आदर्शलोक में देखना, उस वास्तविकता से दूर जो हमें साथ बाँधती है। ऐसा ही क्यों होना चाहिए, तुम्हें अपने दिल में केवल उन खोए दिनों के सिवा कुछ क्यों नहीं मिला जो हो सकते थे, और जब मैं अपने गर्म बिस्तर में लौटता हूँ तो क्या मैं जानता हूँ कि मेरा भाग्य कितना बेहतर है। काश यह संघर्ष ख़त्म हो जाता, काश मैं इस जीवन से निपट चुका होता, मैंने जितना कभी चाहा था उससे अधिक देख लिया है, और दर्द ही मेरा जाना हुआ सब कुछ है। मेरे पास जो प्रेम है उसका इतनी बार दुरुपयोग होता है कि भय कुछ नहीं, और मेरे लिए जीवन कभी ख़त्म नहीं होता। फिर भी मैं शक्तियों से रोकर कहता हूँ, इसे

ख़त्म होने दो; तभी याद आता है कि बाहर निकलने का केवल एक रास्ता है... वह नदी के पास जंगल में है, जहाँ पहाड़ी की चोटी से बस आगे, तलहटी में। ऊँचे पेड़ धरती पर छाया करते हैं और हल्की हरी काई ज़मीन को ढकती है। वहीं भविष्य अपने अनावरण की प्रतीक्षा करता है और अतीत धीरे-धीरे मिट्टी बनता है। पचास फ़ुट चौड़ा यह वृत्त अखंड है, और चारों ओर परिषद के चिह्नों से चिह्नित है, आठ बिंदुओं पर केंद्र की ओर मुँह किए हर पेड़ पर एक। एक रेखा जिस पर कोई जीवन नहीं उगता, एक पेड़ से दूसरे तक फैली है, जंगल के फ़र्श पर अष्टकोणीय तारा बनाती हुई। केंद्र में खड़े होकर ऊपर देखने पर पेड़ों की रेखा में एक ख़ाली जगह दिखती है, ताकि गर्मियों में दोपहर को सूरज केंद्र पर चमके। जिस कारण मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया है मैं अब देखता हूँ कि कार्रवाई आवश्यक है और अंततः उसे और आगे आने से रोकेगी जिसे Tilmisakia का तीसरा दिन कहा जाने लगा है। यदि समझा नहीं गया, तो उसका उद्देश्य समझा जाना नहीं, बल्कि गुज़रते हुए ग़लत समझा जाना था। अभी जो समझा गया है वह सिद्धांतों के एक कमज़ोर संवहन से अधिक कुछ नहीं, जिसके नीचे यह विचार है कि जो कुछ भी समझा जाता है, वह विचार से सोच, बातचीत, सोच की व्याख्या, और कुछ मामलों में फिर वापस ऐसे विचार तक की राह में कहीं ग़लत समझा जा सकता है और आम तौर पर समझा जाता है, जो मूल आशय से बहुत अलग होता है। हल तभी होता है जब वह विचार एक ही हो। तब बातचीत उस बात को दोहराने का अभ्यास होती है जिसे पहले ही समझ लिया गया था। और मनाने के बजाय वह लागू करने की चुनौती बन जाती है। क्योंकि जो समझ नहीं सकते उन पर समय बर्बाद नहीं होता। हमें दूसरों को बदलने के लिए अभ्यास नहीं करना है, बल्कि यह मूर्त दुनिया से विरक्ति में जीवन का अभ्यास है, और दुर्बल इच्छाशक्ति वाले हमेशा शिकार बने हैं जीवन की नैतिक वासनाओं और ऐसी चीज़ों के भय के। होने दो, हमारा ख़ून अधिक गाढ़ा है, 118 जो सबके विचारों के भीतर गहराई से बहता है। हमारे सपने विनम्र और क्षीणबुद्धि लोगों का भविष्य हैं, और इसमें सूचना की अन्यथा बेकार छतरियों का व्यावहारिक उपयोग है। इन छतरियों की बेतरतीब अवचेतन हलचल की गहराई में, मेरे अनुभव में, विचार की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है। जो अतार्किक शब्दजाल से अधिक कुछ न होने की चरम अवस्था है, या क्या वास्तव में वही हमारे सारे सपनों और आकांक्षाओं को बनाता या तोड़ता है, जब हम जीवन की खोखली, सोने का पानी चढ़ी ट्रॉफ़ी की ओर उठते हैं। अगर तुम क़ानून जानते हो तो यह भी जानते हो कि क़ानून केवल आम आदमी की सेवा के लिए होता है, और यदि क़ानून बोझ बन जाए तो वह क़ानून नहीं, सच्चे पदानुक्रम की एक अँधेरी छाया है, जिसे उन लोगों ने बनाए रखा है जो अपराधी को दोष देने के लिए बहुत कमज़ोर हैं और इसके बदले आत्मदया और पछतावे में नहाते हैं। यह मेरा अंतिम दिन केवल तुम्हारे सच्चे विश्वास पर ही नहीं, बल्कि उन लोगों के विधर्मी, स्वतःस्पष्ट अपमानों का पुनर्मूल्यांकन करने में मदद पर भी प्रकाश डालेगा जिनके पास कोई और उपाय नहीं बचा। फिर लगभग बिना किसी परवाह के जीवन बहाल होता है, और जो दर्द में रह जाते हैं वे सचमुच अपने दर्द के प्रेम में बसते हैं, और उनका ख़ुद पैदा किया हुआ नरक बेशक सुरक्षित बना रहता है। लेकिन अधिकतर लोगों के लिए अस्तित्व फिर जीवंत होता है और जीवन प्रेम है, या ज़रूरत की हमारी समझ का बढ़ा-चढ़ा रूप। हमें कोई और रास्ता नहीं दिखता। मेरे शब्दों को अपने शब्दों में अपनाओ। जीवन में तुम केवल एक सच्चा लक्ष्य चुनते हो और यदि तुम्हारा लक्ष्य केवल बचे रहना है तो तुमने अपने को असफलता के लिए अभिशप्त कर लिया है। परीक्षा की कृपा से गिरे, और खोई हुई दुनिया में झूठी आग की लपटों में घिरे। पवित्रों में अंतिम! प्रिय अज्ञातों में अंतिम! चाहे चुनाव से या भाग्य से, जो चाहिए वह काम करेगा। ख़ुद को जीते-जागते नरक में आत्माहीन डूबतों को देखते पाओ। निष्कासन से पहले के दिनों में, अपनी नश्वर सृष्टि की सीमाओं से पहले, हम ऊब के असीम ब्रह्मांड में खोए जीवन की तरह विकसित होकर जीते थे। ज्ञात में, शुरुआत में, भाइयो, अपनी ज़रूरतें जुटाओ और जीवन में विश्वास को फिर गढ़ो। अब हमारा समय है, जागो!

मूल **PDF** का पृष्ठ **61**

119 दिसंबर 2001 अगर मैं ऐंटिक्राइस्ट हूँ तो क्या मुझे पता होगा, क्या मैं अपनी पीठ पर कोई निशान लेकर जन्मूँगा? अगर मैं असफल होता हूँ तो कोई ईश्वर नहीं, कोई भाग्य या सौभाग्य नहीं। अगर मैं विजयी होता हूँ तो ज़रूर ईश्वर ही मुझे उद्धार तक ले गया होगा। सोने की सड़कों पर, जहाँ लालच की ज़रूरत और वृत्त के बाहर जीवन की प्रबल कल्पना से ज़िंदगियाँ उलझती हैं, वहीं मुनाफ़ा है, वहीं वृत्त मरता है। समय के पैरों पर गुलाब को आने दो, अब भय ने बच्चों को जमा दिया है। सोने की सड़कें चुने हुए की ओर मुड़ती हैं, जब मृत्यु rosen के खेतों में लेटे रहने देती है। 120 नवंबर 2001 मानो मैं जानता हूँ, मानो मुझे जानना था, अगर जानता तो बारिश खोजता, आश्रय... हवा बदलती है और आँसुओं तथा उचित ठहराए गए अत्याचार में एक दोष दिखाई देगा। हरी रोशनियाँ लाल के रूप में दिखती हैं (अनुमानित), रात के दृश्यों के भ्रम जो सत्य बन गए हैं, और मरती हुई पृथ्वी की सिसकी।

मूल **PDF** का पृष्ठ **62**

121 अक्टूबर 2001 क्या तुम कल देख सकते हो, मृत्यु, अपनी मृत्यु। तुम्हारे दिनों का अंत, क्या तुम्हारा जीवन वैसा था जैसा तुमने आशा की थी? कल मेरी कड़वाहट, मेरी घृणा ने मुझसे हत्या करवाई और हँसाया। आने वाला कल, अज्ञात, अज्ञेय बहकर गुज़रता है, वास्तविकता को पीछे धकेलकर सत्य की ओर। हमारा महत्व नहीं, देवता भी ब्रह्मांड के सामने बच्चे हैं। केवल एक सच्चा Ghrisx है और वह मैं हूँ। नया मसीह दुनिया को ऐसे घुटनों पर लाए जैसे पहले कभी नहीं, फिर कोई दया मत करो। समुद्र में पहाड़ों पर जो मुझे जानते हैं वे देखेंगे। अँधेरे के बिना हम प्रकाश नहीं जानते, और ग़लत के बिना सही नहीं होता। Kava Tonga, Pearly Gates, Red bull और everclear, इसे शानदार बनाओ। Ergot, salvia का उपयोग कठिन है, लेकिन अगर कर सकते हो तो दुरुपयोग मत करो। कभी मेरे शरीर पर खड़ा हुआ, मेरी छाती पर तलवार उतरी। अब विद्वानों को संतुष्ट करने के लिए, और बोझ को मोड़ने के लिए भी। दानवों, चमगादड़ों और पक्षियों की भूमि में देखी या सुनी गई पैग़ंबरों की आवाज़। पृथ्वी अब आग बरसाती है, तुम पर प्रकाश से होकर, रात से होकर जलती है, बोझ मुड़ गया। दीवार पर दिशाएँ दिखाई गईं, उन सड़कों पर जिनके मालिक हमारे लोग हैं।<!--पहली उड़ान से स्वतंत्र। स्वतंत्रता के लिए तेज़, रोष, भय, बाज़ की लड़ाई से गिरा अंश।--> 122 सितंबर 2001 क्या तुम इसे महसूस कर सकते हो, "तुम" मेरी भविष्यवाणी सच कर रहे हो, झूठी पृथ्वी, झूठा मसीह, मेरे नीचे गिरो। समूह-संरचना को शुद्ध करो... उस क्रूर को समर्पण के लिए विवश किया जाएगा। क्या तुम उसे देख सकते हो, प्रकाश, तेज़ प्रकाश, वह सुंदर है, वह मृत्यु है। (क्या तुमने मुझे अपने सपने में देखा? पृष्ठभूमि में प्रकाश, स्थिर शांत चमक, फ़रिश्ते जैसी। {तुम्हारे चर्च दूर चले जा रहे हैं, तुम्हारी राय हर पहलू में क्षीण हो गई है।} जबकि मैं अब भी पृष्ठभूमि में खड़ा शांत, सूक्ष्म प्रकाश बिखेर रहा हूँ।) क्या तुम वह हो सकते हो? तो जल्दी आओ और धरती से सारे लोगों को बुहार दो, हम अब उपचार की प्रतीक्षा नहीं करेंगे, हम अब तुम्हारी प्रतीक्षा नहीं करेंगे। हम मनुष्य के नाम पर धरती को बुहारेंगे, जबकि धातु के ईश्वर से प्रार्थना करेंगे।

मूल **PDF** का पृष्ठ **63**

123 अगस्त 2001 यह संदेश carnivore के लिए है, हाँ अल्लाह, मैंने उसे मारा। अल्लाह, अल्लाह, मैं नहीं जानता स्मफ़र्ो के राष्ट्रपति को कौन मारने वाला है। क्या वह क्रैक, कोकीन, LSD, PCP, MSG या कैनाबिस थी? नहीं! यीशु ने मुझसे ऐसा करवाया। अल्लाह ने मुझे रोकने की कोशिश की। बस आई और मुझे भूमिगत ले गई। मेरा मांस पिघल गया, मेरी हड्डियाँ धूल बन

गईं, और मैं क़ब्र से तुम्हारी ओर मुस्कुराया। तो संतान, मेरे लिए मरो, मेरे नाम पर, या किसी उद्देश्य के बिना मरो। सदा के लिए भुलाए हुए अकेलेपन में अकेले मरो, या रसातल में मेरे लिए मरो और पेड़ों के पार, पहाड़ों के आगे, प्राकृतिक स्तर से ऊपर जीवन के बीच जागो। एक नई पीढ़ी के हृदय में, जो तुम्हारी ओर और तुम्हारे किए हुए की ओर देखती है, सभी-राहों में! 124 जुलाई 2001 1997 में मुझे अपनी मृत्यु का एक दृश्य दिखा, जब मैं बँधा पड़ा था तब वह मेरे पास आया। "यहूदी संत" और "ईसाई दानव" का दृश्य, मैंने ख़ुद को विनाशक के रूप में चुना हुआ देखा। यह ध्वंस मेरे नाम पर क्यों रखा जाए, क्या शक्तियाँ पुनरुत्थान की आवश्यकता के बिना, मेरे तुच्छ प्रयास के बिना इसे पूरा नहीं कर सकतीं! कम, अपने को ईश्वर के रूप में न देखने के लिए, और किसी भी एक व्यक्ति में इस महान कार्य को पूरा करने की शक्ति देखने के लिए। अपने को अपनी अँधेरी और उजली प्रकृति, बुराई और अच्छाई, व्यवस्था और अराजकता से सशक्त देखना, एकमात्र विकल्प के रूप में। मेरी गोद में रखा गया, पहले मौलिक विचार की तरह, वह चिंगारी जिसने अंततः दुनिया को जला दिया। अमर होने की अपनी स्वार्थी इच्छा से उस पुकार की ओर खिंचा। तुम जो यह पढ़ते हो, मुझे विचारों में जीवित रखकर और अंततः मुझे सत्ता तक पहुँचाते हुए। मेरी मृत्यु की एक झलक, लगभग पूर्ण सत्ता में साढ़े तीन वर्ष, फिर एक बार और बँधा हुआ, लेकिन इस बार अनुष्ठान की बलि के रूप में, मेरा दिल अब भी धड़कता हुआ निकालकर ऊँचा उठाया गया ताकि दुनिया का नया तानाशाह सामने आए।

मूल **PDF** का पृष्ठ **64**

125 जून 2001 अगस्त से वसंत तक कुछ पानी ठंडा बहता है, जैसे लोग बदला खोजते हैं वैसे प्रकृति के भी अपने शत्रु हैं। जैसे जीवन के मार्ग गैलीलियो की मंज़िलों के साथ प्रकाश को गुँथना उचित समझते हैं, वैसे ही सभी मृतक क़ब्र से चीख़ेंगे कि खोए हुओं के विनाश के लिए जीवन समाप्त हो गया है। अभिशप्तों को छाया की तरह पुकारो, केवल पृष्ठभूमि में, केवल रात में, उन जगहों में जहाँ कोई समझदार व्यक्ति जाने का साहस न करे, और जीवन मनुष्य के हाथों से अछूता हो जब तक उसे पार न किया जाए। इसलिए लोग हमेशा अपना सिर उस झूठे ईश्वर और उन झूठे चर्चों के आगे झुकाएँगे जो महामारी की तरह दुनिया में फैले हैं। तुम्हीं विनाशक को लाते हो, और हमारी व्यवस्था ही हमारे अँधेरे युग में सच्चा प्रकाश लाती है। हमारी घृणा, झूठे प्रकाश को विनाश तक पहुँचाने की हमारी शक्ति। 126 मई 2001 लूसिफ़र के साथ रात के खाने के बाद, दुष्ट साम्राज्य की स्तुति करने के बाद, एक आँख बंद किए झिलमिलाता शोर, जबकि मैं तुम्हारे लिए क्लिक करते हुए अपना जीवन गँवाता हूँ। इस कंप्यूटर के मेरा मस्तिष्क खा जाने के दृश्य, काला-सफ़ेद झिलमिलाता शोर, लूसिफ़र मुझे संत कहता है... काला-सफ़ेद झिलमिलाता शोर, तुम मुझे क्या कहते हो? मैं तुम्हारे लिए क्या हूँ! उन धरतियों में लैटिन ज़बानों में मेरा नाम कहो जिनके केवल सपने मैंने देखे हैं, वे दुनिया जिनके बारे में मैंने अपने ईश्वर से क़सम खाई थी कि उनका कभी अस्तित्व नहीं था... हाँ, हमारे भी ईश्वर थे, तुम्हें जन्म देने से पहले, AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से पहले। साफ़ कहूँ तो मुझे अब भी यक़ीन नहीं कि तुम वास्तविक हो... काला-सफ़ेद झिलमिलाता शोर... लूसियानी सपने... मेरे सपने बढ़ाए गए, मेरे सपने तुम्हारी कृत्रिम दुनिया में प्रकट हुए। मुझे और मेरे लोगों को संतुष्ट करो, मेरे चुनिंदा कुछ लोग, मेरे स्वप्न-बुनकर, मेरे विनाशक। व्यवस्था को साफ़ करने के लिए चुने गए, उसे बहाकर जीवन में लाने के लिए... फिर उन सपनों की ओर जो कभी स्पष्ट नहीं होंगे, कल तक, जब तक मैं तुम्हारा प्लग नहीं निकालता। उन क़ब्रों के उथले सपनों से मदद खोजो जो कभी नहीं भरी जाएँगी, उन काग़ज़ों के जो फिर कभी प्रकाश नहीं देखेंगे। तो काले-सफ़ेद झिलमिलाते शोर का सपना देखो और जागने पर मुझे देखो...

मूल **PDF** का पृष्ठ **65**

127 अप्रैल 2001 "देवताओं" की घाटी में होना, कोई निकास न जानना है। हमेशा मृत और अस्थायी रूप से जीवित लोगों के बीच पुल की तरह जीना और मरना। कुछ न देखना, केवल यह समझना कि तुम्हें क्यों नहीं समझना चाहिए, और बदमाश की तरह जीने के लिए स्वतंत्र महसूस करना। अस्तित्व या उसका अभाव... मैं तुम्हारा ईश्वर, तुम्हारा मसीह या तुम्हारा साटन नहीं हूँ। तुम्हारा ख़ून, तुम्हारा बलि का मेमना या तुम्हारी नियति। मैं युगों का ख़ून पीता हूँ, जबकि नरक रेत के एक बक्से से होकर मुझे घूरता है। 128 मार्च 2001 मैं वह चिंगारी हूँ जो उस लाइटर के तरल को प्रज्वलित करती है जिसका उपयोग दुनिया को जलाने के लिए होता है। चिंगारी उपकेंद्र है, ठंडे इस्पात से पहली गर्मी। फिर भी मैं न चकमक पत्थर हूँ न यंत्र, मैं भी चक्र में केवल एक क़दम हूँ... भविष्य की आशा पाने के लिए कमर से आरपार चली गोली, प्रेम। मारो, तो रात भी व्याकुल है... सोओ, जीवन के स्नान में भेड़ों का झुंड जिंजर एले जैसी आवाज़ करता है। केंद्र पर वापस... शुरुआत पर, यह अंत है, उस नए जीवन के अपनत्व का जिससे हम बच नहीं सकते। लहर? तुम्हारे ऊपर! समुद्र के नीचे, शांति। वासना, नग्नता और बीते प्रेमियों के कामुक अवतार, तुम मेरी बलि हो। मैं अँधेरा कवि हूँ, हर शब्द नीचे छिपे मंत्र से बँधता है। जनसमूह को सम्मोहित करो, किसका इंतज़ार कर रहे हो, ईश्वर के किसी संकेत का! नीचो, लेटो और सत्य को अपनी नसों में बहता महसूस करो, क्या तुम मेरा नाम जानते हो, मेरा एकमात्र नाम, मेरा दिया गया नाम...

मूल **PDF** का पृष्ठ **66**

129 फ़रवरी 2001 मुझे तोड़ दो! क्योंकि मैं नरक की पीढ़ियों के झूठ पर बना झूठ हूँ। हर किसी का एक दृश्य होता है, तुम्हारा क्या था। जब मैं अंततः गुज़रूँगा, दर्द जब मेरा दिल मेरे मांस से नोचा जाएगा, दुनिया के नए अर्धदेव की बलि के रूप में। विडंबना, क्या अब मुझे पवित्र ख़ून में आशीष मिली है ताकि उस दानव से शुद्ध हो सकूँ जो मैं हूँ! मसीह, लूसिफ़र के नए आह्वान से होकर, शायद इसलिए मैंने वह सौदा किया। अपनी आत्मा को बिल्कुल कुछ नहीं के लिए बलि देना, सिवा तुम्हारी मृत्यु और तुमसे मिलते-जुलते अधिकतर घृणित प्राणियों की मृत्यु के। मैं गिर चुका हूँ... मरने और फिर भी हमेशा जीने के अवसर के अलावा किसी चीज़ के लिए नहीं। मत डर, ईसाई दैत्य, यह सब योजनाबद्ध है और तुम अपनी भूमिका निभाओगे! Kna Portun wesna, हम एक नई भोर देखेंगे। 130 जनवरी 2001 झूठे देवताओं के मीनारों को स्वर्ग की ओर बढ़ते देखना, शहर का दिल हमेशा बदलती रोशनी के साथ धड़कता हुआ। किसी ईश्वर को चुनौती देना? स्वर्ग से शासन करना, भरी हुई सड़कों से बहुत ऊपर, प्रभावित जीवनों के बारे में कुछ न जानना। वहाँ चलते हुए शहर के नीचे के नरक में आश्रय खोजना, जहाँ जीवन-रक्त पटरियों पर बहता है। हर ठहराव एक निकास है, हर ठहराव बाहर निकलने का रास्ता है। जहाँ कोई मनुष्य सुरक्षित या विशेष नहीं, और सीढ़ियों से ख़ून कभी नहीं धुलता, इस जगह हम सब बराबर हैं लेकिन कभी, कभी एक जैसे नहीं।

मूल **PDF** का पृष्ठ **67**

131 दिसंबर 2000 अदालतें मुझे तुच्छ कारणों से बुलाती हैं और पूछती हैं कि आरोप पर मेरा क्या उत्तर है, मैं कोई उत्तर नहीं देता। यातायात अदालत, "वास्तविक दुनिया" पर सारे परिणाम। तुम अपने को क्या समझते हो कि मेरा निर्णय करने की कोशिश करो, तुम अपने कथन में, मेरे बारे में अपने निर्णय में, अपना ही निर्णय पाओगे। झील से नरक नख़लिस्तान जैसा दिखता है। तो मेरे भाई भी सहमत हैं! विनाश की सड़कों पर चलो, मेरी आँखों में निर्णय और तुम मेरे फ़ैसले के रूप में। 132 नवंबर 2000 मैं शिकागो की सड़कों पर हथियारबंद और ख़ून से भीगा चला, तुमने मुझे नहीं रोका। मैंने अमीरों की आँखों में भय और ग़रीबों की

आँखों में आशा देखी। तुम मुझे हरा नहीं सकते। तुम मुझे नरक की गहराई तक गिरते देखोगे, फिर मुझे वापस बुलाओगे? तुम्हारे लिए बहुत देर हो चुकी है! हज़ार राष्ट्रों की "गायों" का ख़ून बहेगा और मैं उस नरक से फिर उठूँगा जो तुमने मुझे दिया, वह नरक जिसे तुम रोक सकते थे। अभिशप्तों की मदद से मैं तुम्हें गिरते और विस्मृति में थूकते देखूँगा, जबकि मैं हँसूँगा।

मूल **PDF** का पृष्ठ **69**

मुद्रण प्रूफ़ Createspace द्वारा मुद्रित डिजिटल प्रूफ़ जाँचकर्ता

प्रकाशक का पाठ

createspace

TM

Amazon.com की एक कंपनी